Pastor Siddharth Titus Mal

(An Apostle & Gospel Singer)

0-9868762191, 8130380398

0-9650225707

E-mail :- Siddharthtitus777@gmail.com

website : www.christlovers.in

परमेश्वर पिता के प्रेम यीशु, मसीह के अनुग्रह और पवित्र आत्मा की सहायता से मैं इन सभी गीतों की रचना कर पाया हूँ। प्रार्थना करें कि मैं इसी प्रकार और बहुत से नए आत्मिक मसीही गीतों की रचना करता रहूँ। और आप तक पहुँचाता रहूँ।

Join & Subscribe on : Facebook, Twitter, Whatsapp & Youtube

नए आत्मिक मसीही गीत

"यहोवा के लिए
एक नया गीत गाओ"

(भजन संहिता - 96:1)

Written & Composed By :-

Pastor Siddharth Titus Mal

(An Apostle & Gospel Singer)

उसने मुझे एक नया गीत सिखाया
जो हमारे परमेश्वर की स्तुति का है।
बहुतेरे यह देखकर डरेंगें,
और यहोवा पर भरोसा रखेंगे।।

(भजन संहिता - 40:3)

मैं
"जीवन भर यहोवा की स्तुति करता रहूँगा।
जब तक मैं बना रहूँगा।
तब तक मैं अपने
परमेश्वर का भजन गाता रहूँगा।"

(भजन संहिता - 146:2)

आराधना करने का एक अच्छा तरीका :-

हमें एक सहायक दिया गया है, "पवित्रात्मा" को पुकारे, पूरे वातावरण को तथा समस्त उपस्थित लोगों का नियंत्रण पवित्रात्मा को सौंपे। (पढ़े रोमियो-8:26)

1. जय जयकार (पढ़े भजन संहिता-100:2)
   ऐसे गीत के साथ आराधना शुरू करे, जो धीमा हो और जिस गीत को सभी लोग जानते हो। जयजयकार के साथ परमेश्वर के सम्मुख आए।
2. पापों का अंगीकार तथा लहू की जयजयकार (पढ़े 1 यूहन्ना-1:7)
   ऐसे गीत के साथ अराधना करे, जहाँ लोग अपने पापों का अंगीकार कर सके। और यीशु मसीह के लहू की जयजयकार कर सके। समस्त सोचो, बातों कामों, लोगों, चीजों तथा स्थानों को यीशु मसीह के लहू में लाए।
3. समर्पण (पढ़े रोमियो - 12:1)
   ऐसे गीत के साथ आराधना करे, जहाँ लोग अपना पूरा समर्पण प्रभु को दे सके और पवित्रात्मा अपना नियंत्रण लें।
4. बोझो को प्रभु को दे तथा धन्यवाद की भेटें चढ़ाएँ (पढ़े फिलिप्पियो - 4:6)
   ऐसे गीत के साथ आराधना करे, जहाँ लोग अपने बोझो और चिंताओं से छुटकारा पाए तथा परमेश्वर के किए उपकारों के उसका हृदय से धन्यवाद करें।
5. यीशु मसीह के नाम की जयजयकार (पढ़े फिलिप्पियो-2:10)
   ऐसे गीत के साथ आराधना करे जहाँ लोग यीशु मसीह के नाम की जयजयकार करें तथा अंधकार की ताकतों को बाँधे, बीमारियों को डाटें तथा चंगाई को प्राप्त करें।
6. वचन की सामर्थ को इस्तेमाल करे (पढ़े मत्ती-7:7)
   ऐसे गीत के साथ आराधना करे जहाँ लोग परमेश्वर के वायदों को याद करे, उसके वचनों को बोलें, उन पर विश्वास करें, अधिकार के साथ आशीष प्राप्त करें।
7. पवित्रात्मा के अभिषेक और सामर्थ से भरना(पढ़े गलातियो 5:16,जकर्याह 4:6)
   ऐसे गीत के साथ आराधना करे जहाँ लोग पवित्रात्मा के अभिषेक और सामर्थ से भर कर, स्वतंत्र होकर, ऊँची आवाज में, अन्य भाषाओं को बोलकर, सब कुछ भूलकर, रुह में भरकर आराधना करें।
   परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसकी आराधना करने वाले आत्मा और सच्चाई से आराधना करें। (यूहन्ना-4:24)

PASTOR SIDDHARTH TUTUS MAL
(GOSPEL SINGER & TELEVISION PREACHER)

DIVINE WORSHIP FELLOWSHIP

[A unit of North India Gospel Mission]

PRESENTS

COLLECTION OF 500 SPIRITUAL GOSPEL SONGS

Part I : सदाबहार हिन्दी मसीही गीत

Part II : आत्मिक मसीही गीत

Part III : नए आत्मिक मसीही गीत

Part IV : English and Hindi Choruses

SING UNTO THE LORD A NEW SONG

अनुक्रमणिका

Part I : सदाबहार हिन्दी मसीही गीत

गीत	गीत नं.
अ	
अगर हमको तेरा	92
अपना बोझ प्रभु पर डाल	16
अपनों को तो इस दुनिया में	76
आ	
आओ हम यहोवा का	23
आओ हम यहोवा के लिए	25
आज का दिन	26
आए है हम	87
आराधना हो आराधना	12
आवाज़ उठाएँगे	13
आशीष तुझसे चाहते हैं	5
उ	
उपकार की भेटें अपनी	38
ऐ	
ऐ हमारे बाप	44
क	
कोई नहीं है यीशु	95
क्रूस ही तेरा निशान	48
ग	
गाओ गाओ जय के गीत	34
गिन गिन के स्तुति करूँ	88
गुनाह की सज़ा जहन्नम	29
च	
चले जाना है दूर से दूर तक	51
ज	
जो क्रूस पे कुरबां है।	28
जाओ जाओ ऐ मेरे चेलो	91
जंगली दरख्तों के दर्मियान	37
जय जय प्रभु यीशु की	43
जय जय यीशु	20
जैसे माता संभालती है।	55
त	
तू पवित्र पवित्र हैं।	80
तू शान्ति का राजा है।	97
तेरा हू ऐ रब्ब	79
तेरा प्यार है महान	19
तारीफ तारीफ	21
तेरी आराधना करूँ	84
तेरे रूह की आग है	99
तेरे लहू से मुझे	64
तेरे सम्मुख शीश नवाते	45
द	
देखो देखो कोई	65
दिल के दाग को धोवे कौन	27
ध	
धन्यवाद सदा प्रभु खीष्ट तुझे	50
न	
नाम लियो रे	98
नीले आसमान के पार	35
प	
प्रभु का दर्शन	46
प्रभु का धन्यवाद करूँगा	70
प्रभु महान, विचारूँ कार्य तेरे	83
प्रभु यहोवा मुझमें है	39
परमेश्वर, पिता परमेश्वर	94
प्यारो हिम्मत बांधो	24
परमपिता की हम स्तुति गाएँ	10
पावन है वो प्रभु हमारा	2
पवित्र यीशु के लहू की जय	40
ब	
बोलो जय, मिलकर जय	1
भ	
भजता क्यों नहीं	32
भजन करूँ मैं	15
म	
मैं यीशु के साथ	61
मैं सदा गाऊंगा	6
मुक्ति दिलाएँ यीशु नाम	52
मन मंदिर में बसने वाला	14
मेरा मन लागो	31
मेरा एक ही मित्र यीशु	78
मेरा मन धो देना	60
मेरे महबूब प्यारे मसीहा	62
मेरे मन कर ले तारीफ	67
मिलकर हम सन्ना तेरी गाते	69
मसीह बिना जीना बेकार है	63
महिमा से तू जो भरा हुआ	17
य	
यीशु का नाम है सारी ज़मीन पर	8
यीशु का नाम सुखदाई	57
यीशु का दरबार है	66
यीशु को मैं सब कुछ देता	82
यीशु ने अपना खून बहा के	36
यीशु है सच्चा गड़रिया	41
यीशु तेरा नाम मेरा	53
यीशु तेरा नाम है कितना	89
यीशु नाम में कुदरत पाई	11
यीशु नाम में उद्धार हमको	22
यीशु बुलाता तुम्हें	85
यीशु राजा मुक्तिदाता	59
यीशु मसीह देता खुशी	90
यीशु हमारा है राजा	74
ये जीवन है क्या	75
यहोवा चरवाहा मेरा	54
यहोवा यहोवा	47
यहोवा युद्ध में साथ देगा	93
र	
राजाओं का राजा यीशु	30
रब्ब की होवे सन्ना	71
ल	
लहू लहू यीशु का लहू	56
व	
विजयी हुआ विजयी हुआ	96
विनती सुन ले	100
स	
स्वर्ग से उंडेल प्रभु	73
स्वर्गीय आशीष दे	81
सब कुछ यीशु है	72
सन्तोष उमड़ रहा है	49
सदा मैं स्तुति करूंगा	9
सिय्योन देश हमारा	42
सारी सृष्टि के मालिक	86
सहारा मुझको चाहिए	33
ह	
हा हा हालेलुय्याह	18
हे मेरे मन	58
हो जय जयकार	7
हम हालेलुय्याह हालेलुय्याह	68
होवेगी बरकत की बारिश	77
हमसे बरनी न जाए	3
हालेलुय्याह स्तुति करेंगे	4

Part I : सदाबहार हिन्दी मसीही गीत

(1)

बोलो जय मिलकर जय
बोलो जय यीशु की जय (2)
बोलो जय, जय, जय

1. प्रेम तेरे की यही रीत
मन में भर दे अपनी प्रीत
तेरे प्रेम में गायें गीत, हल्लेलुय्याह
तेरे प्रेम के गायें गीत। बोलो जय...

2. क्रूस पर अपना खून बहा
मुझ पापी को दी शिफा
मन मेरे तू बोल सदा, हल्लेलुय्याह
मन मेरे तू बोल सदा। बोलो जय...

3. तेरी कुदरत की यह शान
खुद ही दाता खुद ही दान
पूरे कर मन के अरमान, हल्लेलुय्याह
पूरे कर मन के अरमान। बोलो जय..

4. खिदमत अपनी ले मुझ से
इस मन्दिर में तू बसे
हिन्द में तेरा नाम रहे, हल्लेलुय्याह
हिन्द में तेरा नाम रहे। बोलो जय...

(2)

पावन है वह प्रभु हमारा
उसकी जयजय कार करो
निर्बल का वह बल है न्यारा
उसकी जय जयकार करो
जय हो, जय हो, जय हो
जय हो, जय हो, जय हो

1. दीन दुखियों का है दाता
भटके हुओं को राह दिखाता
सीधे मार्ग में हमें चलाता
उसकी जय जयकार करो।...जय हो...

2. प्रभु हमारा बड़ा महान
निर्बुद्धियों को देता ज्ञान
पतितों का वह बचाता प्राण
उसकी जय जयकार करो।...जय हो...

3. प्रभु की महिमा अपरम्पार
जग का वह है तारणहार
मानो उसे अपना आधार
उसकी जय जयकार करो।...जय हो...

(3)

कोरस - हमसे बरनी न जाये मसीह
तुम्हारी महिमा,

1. तुम स्वर्ग छोड़कर आये,
तुम शक्ति पदारथ लाये,
पापी लिए बचाये। मसीह तुम्हारी...

2. अन्धों को आँखें दीना,
कोढ़िन को चंगा कीना,
मुर्दे दिये जिलाये, मसीह तुम्हारी...

3. पानी पर चल दिखलाया,
तुमने हवा को डाँट थमाया,
चेले लिए बचाय, मसीह तुम्हारी...

4. मेरे पाप क्षमा सब कीना,
मेरे दिल में दर्शन दीना,
प्रभु से दियो मिलाय, मसीह तुम्हारी...

5. सूली पर बरछी खाई,
तुमने अमृत धार बहाई,
दास सदा गुन गाए, मसीह तुम्हारी...

(4)

हल्लेलुय्याह स्तुति करेंगे,
यीशु की स्तुति करेंगे
हा...हल्लेलुय्याह (6)

1. क्रूस पर बलि द्वारा
अपना लहु बहाया
पाप को हटाकर साफ है किया
हम को बचा लिया।

2. इस जीवन भर में
सदा तुमको ध्यान करूँगा,
तेरी आत्मा पाके तेरी इच्छा जान के
आगे ही बढ़ता रहूँगा।

3. यीशु के पास आओ,
और मुक्ति को अपनाओ
आशीष वह देगा, साथ अपने लेगा,
कभी नहीं छोड़ेगा।

(5)

आशीष तुमसे चाहते हैं
हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं

1. न कोई खूबी है न लियाकत
बख्शो हमको अपनी ताकत (2)
खाली दिलों को लाते हैं (2)

2. हमने बहुत खतायें की है
रहे निकम्मे ज़फाये की है (2)
शर्म से सिर झुक जाते हैं (2)

3. तुम हो शक्तिमान प्रभु जी
दया भी है अपार प्रभु जी
स्तुति हम सब गाते हैं (2)

4. बन्दों को तु कभी न भूले
दु:ख सहे दुनियाँ में तूने
उस ही प्रेम को चाहते हैं (2)

(6)

मैं सदा गाऊंगा,
हे मेरे यीशु राजाधिराजा
आनन्द के गीत मैं गाता रहूँगा,
मैं सदा गाऊंगा

1. पाप के बन्धन से मेरे,
तू प्राण को बचाने वाला
तेरे समान दुनियाँ में कोई नहीं है।

2. जीवन में आशा वह दिया मुझको
स्वर्गीय वारिस बनाया
स्वर्गीय मन्ना से तृप्त वह करता।

3. यीशु की सेवा करूंगा,
उसके साथ मैं चलता रहूँगा
प्रतिफल उससे मैं पाऊंगा।

(6)

मैं सदा गाऊंगा,
हे मेरे यीशु राजाधिराजा
आनन्द के गीत मैं गाता रहूंगा,
मैं सदा गाऊंगा

1. पाप के बन्धन से मेरे,
तू प्राण को बचाने वाला,
तेरे समान दुनियाँ में कोई नहीं है।

2. जीवन में आशा वह दिया मुझको
स्वर्गीय वारिस बनाया
स्वर्गीय मन्ना से तृप्त वह करता।

3. यीशु की सेवा करूंगा,
उसके साथ मैं चलता रहूंगा
प्रतिफल उससे मैं पाऊंगा।

(7)

हो...जय जयकार,
जय जयकार करे

1. वह है हमारा राजा, राजा
दु:ख संकट से बचाता, बचाता
हम पर अपनी करुणा करता
और करता उपकार (2)
क्यों न उस पर तन मन वारें,
दें अपना अधिकार (...हो जय)

2. स्वर्ग है उसका सिंहासन, सिंहासन
पृथ्वी बनी है आसन, आसन
आकाश उसकी महिमा बताये
हस्त कला को दिखाये (2)
सारी पृथ्वी उसकी रचना,
उसका ही प्रताप (...हो जय)

3. उस पर जिसका भरोसा, भरोसा
वह तो कभी न डिगेगा, डिगेगा
चाहे बीमारी, चाहे गरीबी,
चाहे हो अकाल (2)
सब संकट से सब कष्टों से,
हो जायेगा पार। (...हो जय)

(8)

यीशु का नाम है सारी जमीन पर,
जिससे पापी पाते उद्धार

1. वह दुनिया में आया, लहू बहाया,
फिदिया जहांन का किया,
हमको बचाने मुक्ति दिलाने
यीशु सलीब पर मुआ।

2. आसमान के नीचे लोगों के बीच में
कोई दूसरा नाम नहीं है,
सिर्फ यीशु का नाम है,
सारी जमीन पर जिससे पापी पाते उद्धार

3. लोगों बाइबल पढ़ो और दुआ करो तुम
यीशु जल्दी आने वाला है
जागते रहो और प्रार्थना करो तुम
यीशु जल्दी आने वाला है।

4. जो लाये ईमान अब यीशु के नाम पर
जिन्दा हमेशा रहेगा
वह ही मार्ग है, वह ही सत्य है
वह ही अनन्त जीवन है।

(9)

सदा मैं स्तुति करूँगा
सदा मैं सेवा करूँगा
मुझे बचाया प्रभु ने
सदा मैं स्तुति करूँगा

1. मुझे बचाने आया,
जब मैं गुनाहों में था
स्वर्ग को छोड़कर जगत में आया
मुझे बचाने को

2. जब मैं निराशा में था,
तूने मुझे आशा दी
जगत में आया जीवन को दिया,
पवित्र प्रेमी यीशु

3. प्रेमी प्रभु यीशु,
बचाया तूने मुझे
देता हूं मैं सारा जीवन
सम्पूर्ण आनन्द से

4. अनादी परमेश्वर,
सच्चाई और जीवन है तू
स्तुति प्रशंसा करता रहूँगा
तेरे आने समय तक।

(10)

1. **परम पिता की हम स्तुति गायें**
वो ही है जो बचाता हमें
सारे पापों को करता क्षमा
सारे रोगों को करता चंगा

2. धन्यवाद दें उसके आसनों में
आनन्द से आयें उसके चरणों में
संगीत गा के खुशी से
मुक्ति चट्टान की हम जय ललकारें।

3. वही हमारा है परम पिता
तरस खाता है सर्व सदा
पूर्व से पश्चिम है जितनी दूर
उतनी ही दूर किये हमारे गुनाह

4. माँ की तरह उसने दी तसल्ली
दुनियाँ के खतरों में छोड़ा नहीं
खालिस दूध है कलाम का दिया
और दी हमेशा की जिन्दगी

6. घौंसले को बार-बार तोड़कर उसने
चाहा की सीखें हम उड़ना उससे
परों पर उठाया उकाब की तरह
ताकि हमको चोट न लगे।

(11)

यीशु नाम में कुदरत पायी जाती है
पाक कलाम में कुदरत पायी जाती है
जो चश्मा कलवरी से बहता है (2)
वह आज भी पापों को धोता है

1. वह अन्धी आँखें खोलता है
और मुर्दे जिन्दा करता है

2. वह कोढ़ियों को पाक करता है
और लंगड़ों को चलाता है

3. वह गुनाहगारों को बुलाता है
और दिल में शान्ति भरता है

4. वह गुनाहों को माफ करता है
और रुह-ए-पाक से भरता है।

(12)

आराधना हो आराधना
खुदावन्द यीशु की आराधना

1. शान्तिदाता की आराधना
मुक्तिदाता की आराधना

2. पवित्र दिल से आराधना
प्रेमी मन से आराधना

3. मेरे मसीह की आराधना
जीवनदाता की आराधना

4. दूतों के संग आराधना
स्तुति प्रशंसा आराधना

(13)

आवाज़ उठाएंगे
हम साज़ बजाएंगे

हे यीशु महान अपना,
यह गीत सुनाएंगे

1. न देख सका हमको,
तू पाप के सागर में
और बनके मनुष्य आया
आकाश से सागर में
मुक्ति का तू दाता है
दुनिया को बताएंगे
हे यीशु महान अपना....

2. संसार की सुन्दरता में,
यह रूप जो तेरा ही
इन चाँद सितारों में है
अक्स जो तेरा ही
महिमा की तेरी बातें
हम सब को बताएंगे,
हे यीशु महान अपना...

3. दिल तेरा खजाना है,
एक पाक मुहब्बत का
थाह पा न सका कोई,
सागर है तू उल्फत का
हम तेरी मोहब्बत से,
दिल अपना सजायेंगे,
है यीशु महान अपना...

(14)

मन मन्दिर में बसने वाला
यीशु तू है निराला

1. जिसके मन में तू जन्म ले
अविनाशी आनन्त से भर दे (2)
आदि अनन्त की प्रीत रीत की
जल जाएगी ज्वाला (2)

2. मूसा को तूने पास बुलाया
स्वर्ग लोक का भवन दिखाया (2)
महा पवित्र स्थान में रहकर
आप ही उसे सम्भाला (2)

3. पाप में दुनियां डूब रही थी
परमपित से दूर हुई थी (2)
महिमा अपनी आप ही तज कर
रूप मनुष्य ले आया (2)

4. प्रेम हमें अनमोल दिखाया
प्रेम की खातिर रक्त बहाया (2)
क्रूस पर अपनी जान को देकर
मौत से हमें छुड़ाया (2)

5. हर विश्वासी प्रेम से आये
खुशी से अपनी भेंट चढ़ाये (2)
अन्धकार अब सब दूर हुए हैं
जीवन में आया उजाला (2)

(15)

भजन करूं मैं भजन करूं
नाम मसीह का मैं लेता रहूं (2)

1. दुश्मन मुझको मेरे सताएँ,
दोष वह झूठे मुझे पर लगाएँ
उनके लिए मैं दुआ करूं (2)
भजन करूं मैं...

2. लोग झूठी बातें गढ़े,
चारों तरफ बदनाम करें,
फिर भी मैं उनको क्षमा करूं (2)
भजन करूं मैं...

3. हाथ पकड़ ले प्यारे मसीह,
राह दिखा दे जो है सही,
तेरे मैं पीछे-पीछे चलूं (2)
भजन करूं मैं...

(16)

अपना बोझ प्रभु पर डाल
कभी न घबराना,
तेरा आदर मान करेगा
आश्चर्य कर्म करेगा (2)

1. भक्तों को वह भूलेगा नहीं
हमेशा उनको सम्भालेगा (अपना...)

2. तारणहारा हमारी शरण
साये में लेकर चलाता है। (अपना...)

3. माता पिता यदि छोड़ देवें
वह तो गले से लगाएगा। (अपना...)

4. प्रभु हमारे साथ रहें
सामना कौन कर पाएगा। (अपना...)

5. पूरा समर्पण उसको करें
वो ही सब कुछ देखेगा।

6. बोझ प्रभु पर डाल दिया है,
अब क्यों घबराना
वो ही आदर मान करेगा,
आश्चर्य कर्म करेगा।

(17)

1. **महिमा से तू जो भरा हुआ**
ज्योति में सदा रहने वाला
मनुष्यों में तूने जन्म लिया
फिर से यीशु जग में तू आयेगा-
आयेगा यीशु (2)

2. भूमि, आकाश में समा न सका
मन्दिरों में तू रह न सका
नम्र होके चरनी में पैदा हुआ
मनों में हमारे घर तू बना-
घर तू बना यीशु (2)

3. खेमे में आकर तू ही बसा
लोगों को अपने लिए फिरा
अग्नि और बादल में तू ही दिखा
फिर से यीशु अपना जलवा दिखा-
जलवा दिखा (2)

4. दानिएल की तूने प्रार्थना सुनी
एज्रा की तूने सहायता की
बाबुल में तूने बेदारी भेजी
अपने लोगों को फिर से दे रिहाई-
दे रिहाई (2)

5. तू ही हमारा राजा है
तू ही मुक्तिदाता है
फिर से आने वाला है
प्यारे प्रभु यीशु तू जल्दी आ-
जल्दी आ (2)

(18)

हां हां हल्लेलूय्याह
मिलकर गाएं, भजन प्रभुजी के

1. वह है राजाओं का राजा
उसके चरणों में अब तू आजा
उसकी स्तुति सुना उसकी महिमा में गा
तन मन से उसे भज ले।

2. जब जान निकल जायेगी
देह मिट्टी में मिल जायेगी
तब ये माया तेरी जिस पे आस धरी
कुछ काम न आयेगी।

3. यीशु ख्रीष्ट जगत में आया
तेरे पापों का भार उठाया

उस पर विश्वास ला उसके चरणों में आ
मिले मुक्ति का दान तुझे।

(19)

1. तेरा प्यार है महान, तेरा प्यार है यहाँ
मैं जो पहले मुर्दा था, तूने डाली मुझमें जान

क्यों न बोलुं फिर मैं तेरी जय जयकार
क्यों न बोलूं फिर मैं तेरी जय जयकार
जय जयकार, जय जयकार
तूने मेरे लिए क्या कुछ न किया

2. मेरी सूरत बिगड़ी थी,
मेरा दिल था खाली
तूने सिंचा था खून से,
ताकि आये हरियाली

3. आई जीवन में खुशी,
आई अब्दी जिन्दगी
तू है जिन्दा शाफिया,
तूने यह है किया

4. अपनी रूह से भर दिया,
अपनी शक्ति मुझको दी
ताकि दूं मैं गवाही,
तेरे जी उठने की।

(20)

जय जय यीशु जय जय यीशु
जय मृत्यु पर जय जयकार
सिरजनहार पालनहार तारणहार

1. दीनों का दु:ख हरने वाला
हृदय में शान्ति भरने वाला
जय जय रन्जन, जय दु:ख भंजन
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार

2. नर तन धार लियो अवतारा
दे निज प्राण कियो छुटकारा
जय जग त्राता जय सुख दाता
जय जयकार, सिरजनहार, तारणहार

3. मृत्यु-बन्धन भंजनहारा
अक्षय जीवन देवनहारा
रोगिन शोकिन एक आधारा
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार

4. जय जयकार करो सब प्यारो
नर नारी एक संग पुकारो
नारे मारो जय ललकारो
जय जयकार, सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार

(21)

तारीफ, तारीफ
तिलके सकरो सारे तारीफ (2)
यीशु की जो है प्यारा मुन्जी

1. उसी ने हम सबको है बनाया
जो कुछ दिखता उसने रचाया
सारे जहां का वह शहनशाह (2)

2. पापों से वह पाक है करता
सारी खतायें माफ है करता (2)
सारे रोगों को करता चंगा (2)

3. उसकी मौत से जिन्दगी है पाई
आशा नयी एक उसने दिलाई (2)
बैठेंगे तख्त पर फतहमन्द ही (2)

4. हम्द-ओ-सन्ना हम मिल के करेंगे
सदा वहां पर उसको ताकेंगे
गीत नया वहां गायेंगे (2)

(22)

यीशु नाम से उद्धार हमको हाल्लेलुय्याह
प्रभु यीशु नाम में अनन्त जीवन,
हाल्लेलुय्याह

1. राजाओं का राजा यीशु हाल्लेलुय्याह
प्रभुओं का प्रभु यीशु हाल्लेलुय्याह

2. चंगा करने वाला यीशु हाल्लेलुय्याह
छुटकारा देने वाला यीशु हाल्लेलुय्याह

3. अद्‌भुत करने वाला यीशु, हाल्लेलुय्याह
शान्ति देने वाला यीशु, हाल्लेलुय्याह

4. मुक्ति का है मार्ग यीशु, हाल्लेलुय्याह
स्वर्ग का है द्वार यीशु, हाल्लेलुय्याह।

(23)

आओ हम यहोवा का धन्यवाद करें
अपने सारे हृदय से वन्दना करें
उसके फाटकों में स्तुति करें
और ललकारें

1. उसी ने बनाया हमको
वह है हमारा आधार
उसी ने दी हमको श्वास
वह है हमारा उद्धार
उसी की हो जय जय हो आराधना
वो है सभी का प्रधान (2) आओ...

2. अपने सारे तन मन से हम
प्रभु की स्तुति करें
वह है शिफा और नज़ात
उस की प्रशंसा करे
वह है जगत का त्राता और तारणहार
उसकी हो जय जय सदा (2) आओ...

(24)

प्यारे हिम्मत बांधों आगे बढ़ो
क्रूस का लो निशान
जीतेंगे हम प्यारो हारेगा शैतान (2)

1. लड़ो, लड़ो फुर्ती करो
यीशु है कप्तान (2)
हिम्मत बांधों आशा रखो भागेगा शैतान

2. पाप और दु:ख में चारों तरफ
मरते हैं इन्सान (2)
दया करो भारत पर वह हुआ परेशान

3. घर घर जाकर करो प्यारो
यीशु का बयान (2)
वह है राजा मुक्तिदाता सब पर मेहरबान

4. दास कहे बैरी शर्माते सुन
यीशु का ज्ञान (2)
लोग मसीह को मानते जाते,
हारता है शैतान।

(25)

आओ हम यहोवा के लिए
ऊँचे स्वर से गाएं
अपनी मुक्ति की चट्टान का
जय जयकार करें

1. धन्यवाद करते हुए
उसके सन्मुख आएं
भजन गाते हुए उसका
जय जयकार करें

2. क्योंकि यहोवा महान ईश्वर हैं
सारे देवताओं के ऊपर
महान राजा है

3. क्योंकि वे हमारा परमेश्वर
और हम उसकी प्रजा
उसके हाथ की भेड़ें है।

(26)

आज का दिन यहोवा ने बनाया है
हम इसमें आनन्दित हों, आनन्दित हों

1. प्रभु को महिमा मिले
चाहे हो मेरा अपमान (2)
वह बढ़े मैं घटूं रहे उसी का ध्यान (2)

2. स्तुति प्रशंसा करें
क्यों न कुछ होता रहे (2)
उसको हम भाते रहें,
चाहे जहां भी रहे (2)

3. आता हूँ तेरे पास
मुझको है तुझसे आस (2)
मुझको कबूल कर ले,
पापों से शुद्ध कर दे (2)

(27)

1. दिल के दाग़ को धोवे कौन,
लहू जो कि क्रूस से जारी
मेरे मर्ज़ को खोवे कौन,
लहू जो कि क्रूस से जारी

वह चश्मा है मामूर,
दाग दिल के करता दूर
है मुझको दिल मन्जूर,
लहू जो कि क्रूस से जारी

2. मेरे मर्ज़ का शाफी है,
लहू जो कि क्रूस से जारी
मुआफी को वह काफी है,
लहू जो कि क्रूस से जारी

3. वही है मेरे कर्ज का दाम,
लहू जो कि क्रूस से जारी
वह है मेरा खास इनाम,
लहू जो कि क्रूस से जारी

4. मेरी वह उम्मीद है खास,
लहू जो कि क्रूस से जारी
रास्ती का है खुश लिबास,
लहू जो कि क्रूस से जारी

5. दु:ख तकलीफ में है पनाह,
लहू जो कि क्रूस से जारी
वह है मेरे घर की राह,
लहू जो कि क्रूस से जारी

(28)

जो क्रूस पर कुर्बान है,
वह मेरा मसीहा है
हर जख्म जो उसका है,
वह मेरे गुनाहों का है

1. इस दुनियाँ में ले आए,
मेरे ही गुनाह उसको (2)
यह जुल्म सितम उस पर,
मैंने ही कराया है (2)

2. इन्सान है वह कामिल,
और सच्चा खुदा वह है (2)
वह प्यार का दरिया है,
सच्चाई का रास्ता है (2)

3. देने को मुझे जीवन,
खुद मौत सही उसने (2)
क्या खूब है कुर्बानी,
क्या प्यार अनोखा है (2)

(29)

1. गुनाह की सजा जहन्नम, जहन्नम (3)
ऐ गुनाहगार तू समझ ले
यह चीजें सारी फनी हैं, फानी हैं (3)
अनदेखी चीजें अबदी हैं

यीश राजा आयेगा
बहुत जल्दी आयेगा
आसमान पर ले जाने को हम को (2)

2. अब छोड़ दुनियां के ऐशों को
कि उसकी खुशी फानी है
होगी तमाम जब जिन्दगी, जिन्दगी
कोई कौड़ी साथ न जायेगा

3. दिन तेरे गुजरे जाते हैं
दुनियां के ख्वाब-ए-फानी है
पेश्तर खुदा के गजब से
तू आ कदमों पर यीशु के

4. यीशु के खून के चश्में को
देख बहता कलवरी से
गुनाह सब तेरे होंगे दूर
उसमें गोता लगाने से

5. मैं तो था बहुत गुनाहगार
यीशु ने मुझको किया साफ
क्यों नहीं आता उसके पास
ताकि तू भी हो बिल्कुल पाक।

(30)

राजाओं का राजा यीशु राजा,
जगत में राज करेगा
हाल्लेलुय्याह, हाल्लेलुय्याह
उसका धन्यवाद करो

1. यहोवा का धन्यवाद करो,
क्योंकि वह भला है
उसकी करुणा सदा की है,
धन्यवाद करो

2. जो ईश्वरों का परमेश्वर है,
उसका धन्यवाद करो
उसकी करुणा सदा की है,
धन्यवाद करो

3. जो प्रभुओं का प्रभु है,
उसका धन्यवाद करो
उसकी करुणा सदा की है,
धन्यवाद करो

4. उसको छोड़ कोई बड़े, बड़े
चमत्कार नहीं करता
उसकी करुणा सदा की है,
धन्यवाद करो

5. उसने अपनी बुद्धि से,
आकाश बनाया
उसकी करुणा सदा की है,
धन्यवाद करो

(31)

को.: मेरो मन लागो, मेरो मन लागो,
यीशु जी के ध्यान, प्रभु जी के ध्यान।

1. प्रेम की तेरी रीत निराली (2)
तेरी निराली शान (2)

2. प्रार्थना में जो कुछ तुझ से माँगा,
पूरे किए अरमान।

3. जो कोई तेरी शरण में आया,
बच गए उसके प्राण।

4. जिसने तेरा दामन छुआ,
पाई शिफा उसी आन।

5. बिनती हमारी सुनिए यीशु जी,
दीजे अपना ज्ञान।

(32)

को.: भजता क्यों नहीं रे मन मूरख,
यीशु नाम सच्चा नाम।
पार करेगा जीवन नैया,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

1. भवसागर से यदि तरना,
दुख संकट से नहीं कुछ डरना।
पार करेगा जीवन नैया,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

2. दुनियां के यह गोरख धन्दे,
जीवन के हैं सारे फन्दे।
यीशु नाम को भजले बन्दे,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

3. दुनियां में तूने पाप कमाया,
पाप में सारा वक्त गंवाया।
यीशु नाम को भजले बन्दे,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

4. टूटे फूटे हौज बनाये,
जिनमें पूरी शान्ति न पाये।
तुझको पूरी शान्ती देगा,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

5. दुनियां से तुझे है कभी जाना,
फिर माया में क्यों फंस जाना।
जीना है तुझे जब लग भजले,
यीशु नाम सच्चा नाम।।

(33)

सहारा मुझको चाहिये,
सहारा दे मुझे खुदा
मुझे सम्भाल मैं गिरा,
मुझे सम्भाल मैं गिरा

1. कठिन हैं रास्ते बहुत,
हर एक मोड़ पर खतरा
अन्धेरे सायों को हटा,
दिखा दे मुझको अब सहर

2. जहां के रास्तों पे मैं अकेले
चल न पाऊँगा
अगर जो चलना चाहूं भी,
फिसल के गिर मैं जाऊँगा

3. यह बोझ जो गुनाओं का,
मैं लेके आज चल रहा
उठायेगा अगर कोई,
वह तू ही तो है ऐ खुदा

(34)

गाओ-गाओ जय के गीत गाओ
ताली बजा के तुम गाओ
यीशु राजा जिन्दा हुआ हल्लेलुय्याह
खुशी से यह सबको सुनाओ

1. कब्र पर था एक बड़ा पत्थर
देखों कैसा हट गया वह
रोमी राज्य की मोहर बन्द न रख सकी
कभी भी ईश्वर के पुत्र को

2. रो मत रो मत विलाप करो मत
गलील में जाकर कहो यह बात
कि वह वचन अनुसार कब्र से निकला
जाकर सुनाओ सुसमाचार

3. हन्ना कैफा पुरनियों की सभा
खतरे से हुए परेशान
अन्धकार की सामर्थ्य खत्म होने पर
बहुत घबराया शैतान

4. ऊंचे करो सिर दरवाजों
आता है बड़ा बादशाह
नरसिंगे, सितार और तबले बजाकर
गाओ तुम हल्लेलुय्याह

(35)

नीले आसमान के पार जायेंगे
मेरा यीशु रहता वहाँ (2)
हम मिलेंगे, बादलों पर (2)
देखेगा सारा जहाँ (2)

1. उसका कोई भी वादा न होगा अधुरा
हर एक वायदा उसका होता है पूरा (2)
उसके आने का वायदा भी होगा पूरा(2)
देखेगा सारा जहाँ...

2. ये विश्वास है मेरा जो होगा पूरा
सपना यह मेरा न रहेगा अधूरा
फिर संग हम रहेंगे अपने यीशु के देखेगा
सारा जहाँ। (2)

(36)

यीशु ने अपना खून बहा के
मुझे बचा लिया
क्यों न मैं गाऊँगा गीत उसी के
मुझे बचा लिया (2)

1. जब मैं गुनाह में पड़ा हुआ था
यीशु आ गया
उसी के मारे जाने से मैं
जीवन भी पा गया, इसलिए गाऊंगा गीत
उसी के मुझे बचा लिया

2. सेवा करेंगे प्यारे प्रभु की
जैसा की उसने कहा
मर भी मिटेंगे प्यारे प्रभु में
जैसा कि उसने सहा
हर दम हम गायेंगे गीत
उसी के मुझे बचा लिया

3. मेरे गुनाहों का बोझ उठाकर
क्या-क्या न उसने सहा
मेरे गुनाहों को माफ कराने
खून भी उसका बहा
कितना अनोखा है प्यार मसीह
का मुझे बचा लिया।

(37)

1. जंगली दरख्तों के दर्मियान,
एक सेब के पेड़ के समान
नज़र आता है मुझे ऐ मसीह,
सारे सन्तों के बीच में तू

हम्द करूं तेरी ऐ प्रभु,
अपने जीवन भर
इस जंगल के सफर में,
गाऊं शुक्र गुज़ारी से मैं

2. तू ही हैं नर्गिस खास शारोन का,
हाँ तू सोसन भी वादियों का
सन्तों में तू है अति पवित्र,
कैसी कामिल और शान से भरा।

3. इत्र के समान है तेरा नाम,
खुशबू फैलाता है जहान में

तंगी, मुसीबत और बदनामी में,
बना खुशबूदार तेरे समान।

4. घबराहट के लहरों से गर
डुबूं दु:ख के सागर में
अपने ज़ोरावर हाथ को बढ़ा,
मुझे अपने सीने से लगा।

5. अभी आ रहा हूँ तेरे पास,
पूरी करने को तेरी मर्ज़ी
ताकि दे दूँ मैं काम को अंजाम,
पाऊं तेरे दीदार में इनाम।

(38)

को.: उपकार की भेंटे अपनी (2)
प्रभु को चढ़ाना है (3)

1. जो भी हमारा प्रभु का सारा (2)
जिसका उसको देना है (2)
भण्डारी हम प्रभु के जग में (2)
दसवां ही लौटाना है (2) प्रभु को...

2. खीष्ट प्रभु ने स्वर्ग को त्यागा,
हमको प्रेम दिखाना है,
हिस्सा दो प्रभु को जो कुछ हो,
निज भेंटे भी लाना है। प्रभु को...

3. ईश्वर की है कृपा भारी,
हमको धन्य मानना है,
सारा जीवन दे दो प्रभु को,
तब आशीषें पाना है। प्रभु को...

(39)

प्रभु यहोवा मुझमें है
आजकल उसका डेरा है
अपनी आग से मुझको वह
हर दम घेरे रहता है

1. बिनती से बढ़कर समझ से आगे
काम वो मुझ में करता है
उसका मेरे अन्दर बसना
रहस्य है रहस्य है, प्रभु...

2. मेरा प्रभु यदि आँख है
तो मैं उसकी पुतली हूँ
जो कोई मुझको छूता है
उसकी पुतली छूता है, प्रभु...

3. पराक्रमी है मेरा प्रभु
मुझको शस्त्र बनाता है
मुझको धनुष का तीर बनाकर
शत्रु को गिराता है, प्रभु...

4. मेरा प्रभु जी आ रहा
सन्तों को ले जाने को
अपने राज्य में हमें बिठाकर
शिरोमणि बनाने को, प्रभु...

(40)

पवित्र यीशु के लहू की जय (2)
सर्व सामर्थी यीशु के लहू की जय (2)

1. मिली मुक्ति मुझे पापों से
लहू से, लहू से, यीशु के लहू से

2. दी चंगाई खुदा ने मुझे... (लहु से)

3. दी सुरक्षा खुदा ने मुझे... (लहु से)

4. हक मिला है बेटे का मुझे... (लहु से)

5. दी भरपूरी खुदा ने मुझे... (लहु से)

6. दी फतह है खुदा ने मुझे... (लहु से)

7. दी आजादी खुदा ने मुझे... (लहु से)

8. दी कीमत खुदा ने मुझे... (लहु से)

(41)

यीशु है सच्चा गड़रियां
उसकी हम भेड़े हैं
हरी चराइयों में हमें चराता है
हालेल्लुयाह आमीन...

1. घाटी पहाड़ों में ले चलता है जहां पर
सुखदाई जल के झरने हैं

2. हमें किसी का डर अब तो नहीं है क्योंकि
यीशु जो मेरा साथी है

3. मार्गों में मेरी रक्षा वह करता है
शैतान से हमें बचाता है

(42)

सिय्योन देश हमारा है देश
रहते हैं हम परदेश,
जाएंगे हम अपने देश
हाल्लेलूय्याह, हाल्लेलूय्याह (4)

1. मन न लगाए यहां
जाना है हमको वहां (2)
यहां के सुखों का अंत होगा
वहां के सुखों का अंत न होगा (2)

2. दु:ख जो हमारे यहाँ
न होंगे फिर वहाँ (2)
सारे दु:खों का अन्त होगा (2)
दु:ख के ये आंसू यीशु पोछेगा

3. आयेगा यीशु यहां
ले जाएगा हमको वहां (2)
वायदा यीशु का पूरा होगा (2)
अनन्त जीवन हमको मिलेगा (2)

(43)

जय-जय प्रभु यीश की (2)
हमको बचाने आया जगत में
उसकी स्तुति करो

गाओ खुशी के गीत
हे धरती, हे आकाश
आया मसीह जग में
पाप का करने नाश

1. खून की धारा बहती सूली से
जिसमें धुले सब पाप
धो लो अब तुम अपने हृदय को
उसमें रहे न दाग (2)

2. ग्रहण करो तुम आज यीशु को
प्रेम की बहती धार
उसको बनालो खेवनहारा,
नाव लगा लो पार (2)

3. वापस आता मेरा प्रभु जी
ले जाएगा साथ
आशा मेरी अब तो यही है
चलो तुम मेरे साथ (2)

4. हरदम होंगे साथ यीशु के
खुशी और शान्ति आराम
आएगा वह लेने तुम्हें को,
रहना तुम तैयार (2)

(44)

ऐ हमारे बाप तू जो आसमान में है
तेरा नाम पाक माना जाए,
तेरी बादशाहत आए

1. जैसी तेरी मर्जी,
आसमान में पूरी होती
वैसे ही तेरी मर्जी,
जगत में पूरी हो जाए...

2. रोज़ की रोटी हमारी,
आज हमको दे दे
जीवन की रोटी तू है
वह ही हमारा बल है

3. जिस तरह हम अपने,
अपराधी को माफ़ करते
उस तरह ही हमारे,
अपराध को माफ कर दे

4. हमें अज़माइशों में, जाने तू न दे
बल्कि बुराई से बचा,
तेरी राह में चला

5. क्योंकि आसमानी बादशाहत
और कूव्वत कदिरत
ज़र ओ ज़मीन का जलाल है हमेशा तेरा
आमीन, आमीन, आमीन, आमीन

(45)

तेरे सन्मुख शीश नवाते,
हे जग के करतार।
डूबे हुओं को दे दो सहारा,
कर दो बेड़ा पार।

1. पाप के बादल सर पर छाये,
घिरा हुआ तूफान
तुम बिना नैय्या कौन सम्भाले,
मेरे प्रभु महान,
आके बचालो प्राण हमारे,
जग के खेवनहार।

2. जन्म के अंधों को दी आँखें,
रोगी लिये बचाये,
पाप क्षमा किये सब पापिन के,
मुर्दे दिये जिलाये,
पापी हृदय हम भी लाये,
धो दो पालनहार।

3. सुन्दर पक्षी पर्वत सागर,
सबके सृजनहार,
आके विराजो मन मन्दिर में,
बन्दे की है पुकार,
व्याकुल हृदय तुझको पुकारे,
आजा तारणहार।

(46)

प्रभु का दर्शन (2)
पाके भाई लग जा सेवा में

1. भारतवर्ष बुलावे तुझको
"आ बचा मुझको"
आत्माएं मरती (2)
देखों हजारों पाप के सागर में

2. क्रूस पर अपनी जान
प्रभु ने जग के लिए दी
जगह है देखो (2)
हिन्द के लिए उसके हृदय में

3. बैठे बैठे साल गंवाए नव जवानी के
अभी भी कर ले (2)
प्रभु की सेवा बाकी जीवन में

4. चारों ओर अंधेरा छाया रात आ पहुँची
जो कुछ है करना (2)
अभी तू कर ले दिन की ज्योति में

5. प्रभु के लिए आत्मा बचाने
में तू जल्दी कर
फसल है पक्की (2)
पूले जमाकर उसके खत्ते में

(47)

यहोवा, यहोवा (4)
यहोवा ज़िदा खुदा
वो हमार बादशाह
जो मसीह में मुदस्सर हुआ
यहोवा (3)

1. यहोवा शम्मा भी तू
जो रहता साथ-साथ
यहोवा रोही तू
मेरा चौपान साथ-साथ
जो भी माँगेंगे वहीं मिल जाएगा
जो भी ढूँढेंगे वहीं पाएंगे
खट-खटाए तो खुल जाएगा

2. है पाक यहोवा निस्सी
तू झंडा कोम का
है पाक यहोवा राफा
तू शाफी कोम का
तेरे पीछे चले और
शक ना करें
दिल ये रखे ईमान
है मसीह महरबान
जो भी चाहे
हो जाएगा

3. तू है यहोवा यिरे
जो मुहया करता है
तू है यहोवा शालोम
जो तसल्ली देता है
तूने बेटा दिया सबको माफ किया
नया जन्म दिया
रूह से भर दिया
आज शैतान झुक जाएगा

(48)

क्रूस ही तेरा निशान, आगे बढ़ जवान
पीछे न हटना कभी,
यीशु ही तेरी चट्टान

1. नैया मेरी मझधार में डूबी
कौन लगायेगा पार (2)
केवल यीशु हो सकता है
मेरी नैया का पतवार (2)

2. तेरे ही खातिर आया जगत में
तुझको बचाने को (2)
तेरे ही लिए यीशु ने खोला
मुक्ति के द्वार को (2)

(49)

सन्तोष उमड़ रहा (2)
सन्तोष उमड़ ही रहा, हालेलुय्याह
यीशु ने मुझे बचाया
मेरे पाप को धो दिया
सन्तोष उमड़ ही रहा...

1. रास्ता भटक घूम रहा था
उस रास्ते में खोया हुआ था
फिर भी यीशु प्यार किया
उसने मुझपर रहम किया (2)
कितना अच्छा यीशु मुझे
अपना बनाया...

2. मन न फिराये हुए लोग
नरक में रोते रहेंगे
मैं तो सुन्दर स्वर्ग में नया गीत गाऊंगा(2)
कितना अच्छा यीशु मुझे
अब तक बचाया...

(50)

धन्यवाद सदा प्रभु ख्रीष्ट तुझे
तेरे सन्मुख शीश नवाते हैं
हम तेरी आराधना करने को
दरबार में तेरे आते हैं

1. धन्य वीरों का इस मण्डली में
तेरे नाम पर जो बलिदान हुए
हम उनके साहस त्याग को ले
नित्य आगे बढ़ते जाते हैं

2. अपराध क्षमा कर दयानिधि
बल पौरुष दे अगुवाई कर
फिर अपने तन मन जीवन को
वेदी पर आज चढ़ाते हैं।

3. जिस क्रूस पे तेरा रक्त बहा
संसार के पापी जन के लिए
उस क्रूस ध्वजा से प्रेम तेरा
हम दुनियां में फैलाता हैं

(51)

चले जाना है दूर से दूर तलक
लेके यीशु का प्यारा प्यारा नाम
वो ही नाम, प्यारा प्यारा नाम (2)

1. जिस नाम से हमको मुक्ति मिली
जिस नाम से हमको शान्ति मिली (2)
वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम (2)

2. जिस नाम से अंधा देखने लगा
जिस नाम से लंगड़ा चलने लगा (2)
वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम (2)

3. जिस नाम से हमको आनन्द मिला
उस आनन्द को बांटते चले जाना है
वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम (2)

(52)

मुक्ति दिलाये यीशु नाम
शान्ति दिलाये यीशु नाम

1. यीशु दया का बहता सागर
यीशु है दाता महान...

2. चरनी में तूने जन्म लिया यीशु
सूली पर किया विश्राम...

3. हम पर भी यीशु कृपा करना
हम है पापी नादान...

4. हम सबके पापों को मिटाने
यीशु हुआ बलिदान...

5. क्रूस पर अपना खून बहाया
सारा चुकाया दाम...

(53)

यीशु तेरा नाम
मेरा शरणस्थान
हृदय से स्तुति करूँगा

1. यहोवा यिरे
सब कुछ संभालेगा
स्तुति हो पिता
तेरी स्तुति हो पिता, यीशु तेरा नाम...

2. यहोवा निस्सी
हमेशा विजय देता
स्तुति हो पिता
तेरी स्तुति हो पिता, यीशु तेरा नाम...

3. यहोवा राफा
चंगा करने वाला
स्तुति हो पिता
तेरी स्तुति हो पिता, यीशु तेरा नाम...

4. यहोवा रोही
अच्छा चरवाहा
स्तुति हो पिता
तेरी स्तुति हो पिता, यीशु तेरा नाम

5. यहोवा शम्मा
संग संग रहता है
स्तुति हो पिता
तेरी स्तुति हो पिता, यीशु तेरा नाम...

(54)

यहोवा चरवाहा मेरा
कोई घटी मुझे नहीं है
हरी चराइयों में मुझे,
स्नेह से चराता वह है

1. मृत्यु के अन्धकार से
मैं जो जाता था
प्रभु यीशु करुणा से
तसल्ली मुझे दी है

2. शत्रुओं के सामने
मेज को बिछाता है
प्रभु ने जो तैयार की
मन मेरा मगन है

3. सिर पर वह तेल मला है
अभिषेक मुझे किया है
दिल मेरा भर गया है
और उमड़ भी रहा है

4. सर्वदा प्रभु के घर में
करूंगा निवास जो मैं
करुणा भलाई भी उसकी
आनन्दित मुझे करती है

(55)

जैसे माता संभालती है
वैसे यीशु संभालेगा (2)

1. सीने से लगायेगा
चिन्ता सब हटायेगा

2. हाथ थॉमके ले जायेगा
चट्टान पर चढ़ायेगा

3. मेरे कारण घायल हुआ
मेरे पापों को उठा लिया

4. कभी भी न छोड़ेगा
कभी भी न त्यागेगा

(56)

लहु लहु यीशु का लहु
गुनाहों से हमको धोता है
मसा मसा मसीह का मसा
बन्धन सारे खोलता है

1. बढ़े बढ़े न पीछे हटे
खुदावन्द का रुह फरमाता है
शिफा शिफा मुकदस शिफा
पाक लहु दिलाता है

2. खुदा खुदा हमार खुदा
दिल में रहना चाहता है
खुदा हमारा खुदा
रूह से भरना चाहता है

(57)

यीशु का नाम सुखदाई
भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का (2)

1. ये जीवन है माटी का पुतला
पानी लगे तो घुल जायी, भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का
2. ये जीवन है चन्दन की लकड़ी
आग लगे तो जल जायी, भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का
3. ये जीवन है घास का तिनका
धूप लगे तो मुरझाई, भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का
4. ये जीवन है कागज की पुड़िया
हवा लगे तो उड़ जयी, भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का

(58)

हे मेरे मन यहोवा को धन्य धन्य कहो
हे मेरे मन यहोवा को धन्य कहते रहो
जो कुछ भी मुझ में है उसको धन्य कहे
जो कुछ भी मुझ में है धन्य कहता रहे।

1. वही तेरे अधर्मों को क्षमा करता है
तेरे सब रोगों को चंगा करता है
हाल्लेलूय्याह (2)
वही तो तेरे प्राण को,
नाश होने से बचाता है...
2. सत्य नाश के गड्ढे से मुझे निकाला
दल दल की कीच से मुझे उभारा-
हाल्लेलूय्याह (2)
मेरे पैरों को दृढ़ किया है,
चट्टान पर खड़ा किया है...
3. हे यहोवा के दूतों उसको धन्य कहो
हे सारी पृथ्वी उसको धन्य कहो-
धन्य कहो (2)
उसके राज्य के सब स्थानों में,
यहोवा को धन्य कहो...

(59)

यीशु राजा मुक्तिदाता
जीवन का दाता
पास आओ मुक्ति पाओ
वो है सबको बुलाता

1. हम है निर्बल प्राणी लेकिन
वो ही हमारा बल है
वो ही हमारा उद्धारकर्ता
वो ही जीवन जल है...
2. भूखों की वो भूख मिटाता
प्यासों की प्यास बुझाता
भटके हुओं को राह दिखाता
नया जीवन वा देता
3. छोड़ दिया उसने स्वर्ग अपना
धरती पर वो आया
मेरे उद्धार के लिए उसने
अपना लहू बहाया

(60)

को.: मेरे मन धो देना प्रभु
बिनती करूँ बार-बार।

1. मन मेरा हो गया पापों से मैला (2)
मैं धोते-धोते हुआ लाचार,
प्रभु बिनती करूँ...(2)
2. मैंने भूल करी बड़ी भारी,
आया नहीं मैं तुम्हारे द्वार,
प्रभु बिनती करूँ...(2)
3. बाइबल भीतर मैंने पाया,
तुम ही हो दिल के धोवनहार
प्रभु बिनती करूँ...(2)
4. दास कहे इस पापी मन को,
कृपा कर तुम दीजो निखार,
प्रभु बिनती करूँ...(2)

(61)

1. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
दिन और रात उसके पीछे मैं चलूंगा
पीछे चलूंगा, फतह पाऊंगा
यीशु मेरा मूंजी मसलूब

चलते चलते नूर में यीशु के साथ
चलते चलते थामते यीशु के हाथ
नूर में मैं रहूंगा, फतह पाऊंगा
मैं नूर में चलता रहूँगा

2. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
गर अन्धेरी राह में न डरूँगा
पैर उठाऊंगा दिल से गाऊंगा
यीशु मेरा मुन्जी मसलूब
3. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
जब कभी आवाज उसकी सुनूंगा
उससे कहूंगा, तुझे सब दूंगा
यीशु मेरा मुन्जी मसलूब
4. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
ताकते ताकते रोज मदद पाऊंगा

(62)

मेरे महबूब प्यारे मसीहा
किस जगह तेरा जलवा नहीं है
किस जगह तेरी शोहरत नहीं है
किस जगह तेरी चर्चा नहीं है

1. लोग पीते हैं और गिर जाते हैं
मैं तो पीता हूँ गिरता नहीं हूँ
मैं तो पीता हूँ दर से मसीह के
वो अंगूरों का सीरा नहीं है
2. मर गई थी वह याईर की बेटी
तूने उसपे निगाहे करम की
कर दिया उसको जिन्दा यह कहकर
ये तो सोती है मुर्दा नहीं है
3. आँख वालों ने तुझको है देखा
कान वालों ने तुझको सुना
तुझको पहचानते हैं वो इन्सान
जिनकी आँखों में पर्दा नहीं है
4. जिसमें शामिल न हो इश्क तेरा
वह परस्तिश परस्तिश नहीं है
तेरे कदमों पे होता नहीं जो
कोई सिजदा वह सिजदा नहीं है।

(63)

1. मसीह बिना जीना बेकार है
यही मेरा जीवन का आधार है
जीना मसीह मरना नफा है (2)
जीना मसीह मरना नफा है
यह जीवन तैयार है
मसीह बिना...
2. मैं मसीह के साथ चलने लगा
मेरा दूल्हा यीशु मसीह (2)

क्रूस उठाके चलना मेरा काम है
अन्त में स्वर्ग में विश्राम है
जीना मसीह...

3. मैं मसीह के साथ क्रूस पे चढ़ गया
मैं मसीह में हूँ मसीह मुझ में है
आत्मा बिना जीना बेकार है
वही मेरा जीवन का अधार है
जीना मसीह...

(64)

तेरे लहू से मुझे धोले तू प्रभु
पूरी तौर से अभी
तेरे ही समान होने के लिए
मेरे जीवन में काम कर तू प्रभु

1. दल-दल की कीच से मुझे उभारा
चट्टान पर खड़ा कर दिया तेरे लिए
क्षमा किया है तमाम पापों को
स्मरण करता है कि मैं मिट्टी ही हूँ

2. कलवरी पर बलिदान हुआ तू
दान और दाता है तू मेरे लिए
विश्वास में स्थिर रहूँगा
और तुझसे ज्यादा प्रेम करूंगा

3. टूटा हुआ मन चाहता है तू
कठोर कर दिया मैंने पिछले दिनों में
नया बनाया दया करके
स्वर्गीय स्थानों में बैठा दिया

(65)

देखो देखो कोई आ रहा है, कैसा
जलवा मसीह आ रहा है
आँखें अपनी उठकर तो देखो , कैसी
शान से मसीह आ रहा है

1. वह भी कैसी सवारी है देखो,
आसमान की बेदारी तो देखो
बाजे बजते हैं दूत गाते हैं,
क्योंकि मसीह चला आ रहा है

2. अब नहीं है वह कांटों का सेहरा, वह तो
पहिने है दुल्हे का सेहरा
जिन्दगी पे वतन कैसी प्यारी दुल्हन,
जिसको लेने दुल्हा आ रहा है

3. यीशु ने दिया तेरा कफ्फारा,
जिन्दा हुआ वह तेरा सहारा
ताकि शिफा तू पाये और नजात भी पाये,
और उसका गवाह भी हो जाये

4. वहां सूरज, न चाँद है न कोई,
अब तो मुर्दे पड़े है न कोई
हम सब डरते हैं और कांपते हैं,
न्याय करने मसीह आ रहा है

5. यह दुनिया हमारी मिटेगी,
एक नई दुनिया फिर से बनेगी
सब नया होगा, जग नया होगा
राज करने मसीह आ रहा है।

(66)

यीशु दरबार से मोहे प्यारा लगत है।

1. यीशु के दरबार में कौन-कौन आते,
धर्म के भूखा, गुनहगार रे,
तोहे प्यारा लगत है।

2. यीशु के दरबार में कौन-कौन बैठे,
अनपढ़, मूर्ख, गवार रे,
तोहे प्यारा लगत है।

3. यीशु के दरबार में क्या-क्या मिलता,
मुक्ति, शांति, उद्धार से,
हमें प्यारा लगत है।

4. यीशु के दरबार में, हम सब हैं आये,
सुनना हमारी प्रकार से,
तोहे प्यारा लगत है।

(67)

मेरे मन करले तारिफ
तारिफ के योग्य प्रभु है
उसने किये हैं बड़े बड़े काम
उसकी हो महिमा हम से सदा

1. भेंट जो तुम लाये हो
करले उसे तुम दान
दिल से चढ़ाये मिलकर हम
धन्यवादों की ये बलिदान (2)

2. भेड़ों से और बैलों से
बेहतर यह बलिदान
दिल से चढ़ाये मिलकर हम
धन्यवादों की ये बलिदान (2)

3. तारिफों में विराजमान
प्रभु है कितना महान।
दिल से चढ़ाये मिलकर हम
धन्यवादों की ये बलिदान (2)

(68)

हम हाल्लेलुयाह,हाल्लेलुयाह कहकर
उड़ जाने वाले हैं, उड़ जाने वाले हैं
हम दुःख , रंज , भूख , नंग सहके (2)
उड़ जाने वाले हैं, उड़ जाने वाले हैं

1. यीशु इब्बने खुदा जब आया
इन्सान का कर्ज चुकाया (2)
सारे जग को उसने बचाया
और हम भी बचाये हैं।

2. तेरा शुक्र हो यीशु खुदाया
तूने मौत से हमको छुड़ाया (2)
और प्यार से हमको बुलाया
हम मिलकर आये हैं (2)

3. रुह का ताज़ा मशा अब कर दे
यूँ तू नूर एक प्यार से भर दे (2)
होंगे दूर तारीकी के पर्दे (2)
ये ही आरजू लाये हैं (2)

4. दिल लगता नहीं अब यहां पे
ले जा यीशु तू जल्दी यहां से (2)
सन्ना हम्दों करेंगे वहां पे
जो तुझको भाँए। (2)

(69)

मिलकर हम सन्ना तेरी गाते
सारे जहां को सुनाते
जय जय हो तेरी महिमा हो तेरी प्रभु
सबको हम यह गीत सुनाते

सारे जहाँ का सहारा डूबे हुओं का किनारा
नैय्या हमारी डोले, माँजों में खाये हिलोरे
ले चल किनारे ले जा बनकर तू माँझी ले जा
हम सबको पार लगा दे

चारों तरफ हैं घटायें, घनघोर बादल हैं छाये
सूझे नहीं अब किनारा, तू ही हमारा सहारा
ले चल किनारे ले जा बनकर तू माँझी ले जा
हम सबको पार लगा दे

पापों में जीवन हमारा कष्टों को झेल रहा है
कैसे बचेंगे सारे, पापी ये जीवन हमारे
तू ही हमारी आशा, तू ही हमारा राजा
हम सबको पार लगा दे।

(70)

प्रभु का धन्यवाद करूँगा
उसकी संगति से सदा रहूँगा
साथ चलूँगा मैं जय जरूर पाऊँगा।

1. न देगी मुझे दुनिया कभी भी
कोई सुख और शांति आराम
मेरे यीशु के साथ धन्य संगति में
सदा मिलती खुशी मुझको।

2. मेरी जिन्दगी के हर परेशानी में
खुल जाता है आशा का द्वार
कभी न डरूँगा, कभी न हटूँगा
चाहे जान भी देना पड़े।

3. कितना अच्छा है वो कितना धन्य है वो
यीशु ही मेरा जीवन का साथी
मेरी ज़रूरतों को पूरी करता है वो
कोई घटी नहीं मुझको।

4. मेरी आयु के दिन, पग-पग मैं सदा
तेरी सेवा तो पूरी करूँगा
एक बत्ती समान जलता रहूँगा
तेरी महिमा मेरी कामना।

(71)

रब्ब की होवे सन्ना हमेशा
रब्ब की होवे सन्ना (2)

1. रब्ब की होवे मदह सराई,
उसके नाम की सन्ना
उसके नाम की सन्ना, हमेशा...

2. रब्ब के घर में होवे सिताइश
उसकी हम्द हो सन्ना
उसकी हम्द हो सन्ना हमेशा...

3. कामों में है वह कैसा कादिर
उसकी कुदरत बता
उसकी कुदरत बता हमेशा...

4. जय के जोर से फूंको नरसिंगे
बरबत बीन बजा
बरबत बीन बजा हमेशा...

5. तारदार साजों पे रागनी छेड़ो
डफ और तबला बजा
डफ और तबला बजा हमेशा...

6. बांसुरी पर सुना सुरें सुरीली
झन-झन झांझ बजा
झन-झन झांझ बजा हमेशा...

7. सारे मिलकर ताली बजाओ
गाओ रब्ब की सन्ना
गाओ रब्ब की सन्ना हमेशा...

(72)

सब कुछ यीशु है,
मेरा सब कुछ यीशु है
इस दुनिया में मेरे लिये
सब कुछ यीशु है

1. दु:ख मुसीबत के वक्त में
तसल्ली वह देता है
उसके पंखों के नीचे
मैं सुरक्षित रहता हूँ

2. मरुभूमि जगह में
मन्ना मुझको देता है
मारा के पानी को मुझको
मीठा करके देता है

3. पापों की क्षमा देता है
रोगों से मुक्ति देता है
प्राणों को बचाता है वह
उत्तम चीजें देता है

4. जीवन की रोटी वह है
जीवन का पानी वह है
जो उसमें से खाता
पीता अनन्त जीवन पाता है।

5. माता-पिता, भाई-बहनें, बन्धु-
मित्र सब जनें
मेरी खुशी मेरा बल और
मेरा सब कुछ यीशु है।

(73)

स्वर्ग से उंडेल प्रभु अग्नि सा जीवन
मुझको तू दे प्रभु भरपूर जीवन
आत्मा की आग अब लगा मेरे अन्दर
मन में भर दे प्रभु परिशुद्ध जीवन

2. अग्नि जला प्रभु प्रेम की मन में
प्रेम करूं तुझे पूरे लगन से
तन, मन, धन, सब देता तुझे मैं
विनती करूं प्रभु दे स्वर्गीय जीवन

3. आत्मा की प्यास मेरे मन में लगा दे
स्तुति गाना मुझको सिखा दे
जीवन के जल से पीऊं मैं आके
मुझमें बहा प्रभु नदियों सा जीवन।

4. यीशु के लहु से कर तू पवित्र
पाप और मृत्यु से कर तू स्वतंत्र
मेरे लिए पूरी कर अब प्रतिज्ञा
मन में लगा प्रभु अपना सिंहासन।

(74)

को.: यीशु हमारा है राजा होसन्ना (2)
और हम उसकी है प्रजा होसन्ना (2)
तो आओ चखकर ,देखे यीशु अच्छा है
कितना अच्छा है होसन्ना (2)

1. वो मुर्दों को जिलाता है (2)
अन्धों को दृष्टि देता (2)
कमजोरों को चलाता है (2)
गूँगों को वाणी देता है (2) होसन्ना (2)
यीशु.....

2. हम उसकी महिमा गाएंगे (2)
और दुनिया को सुनायेंगे (2)
हम जो चुप बैठेंगे तो,
ये पत्थर कहेंगे होसन्ना (2)
यीशु.....

(75)

ये जीवन है क्या, तेरे बिना मसीहा
राह ढूंढता हूँ, जिसमें कि तू चलाए

1. पहले मन में सोचा
फिर दिल में मेरा जागा
अर्पण मैं करता हूँ तुझको
जीवन यह मेरे मसीह
ये जीवन है...

2. अब दिल की चाह यही है
तुझ में ही डूबा रहूं मैं
मिलता रहे साथ तेरा
और कृपा महान
ये जीवन है...

(76)

अपनों को तो इस दुनियाँ में,
सब प्यार करते हैं।
गैरों को भी प्यार करना,
मसीहा सिखाता है।

1. एक गाल पर कोई, मारे जो चाटाँ
दूजा गाल भी देना
ले जाये कोई एक मील जबरन,
दो मील साथ जाना
अपनों को तो अपना सब कुछ
सब लोग देते हैं
गैरों पर भी सब कुछ लुटाना
मसीहा सिखाता है।

2. अपनों से जैसा वैसा ही अपने,
पड़ोसी से प्यार करो
यीशु मरा तेरे पापों के खातिर,
यह विश्वास करो
अपनों पर तो लोग यहाँ पर
ऐतबार करते हैं
गैरों पर भी ऐतबार करना
मसीहा सिखाता है।

3. जो दे तुमको काँटे उसका,
दामन फूलों से भर दो
यीशु ने तुमको माफ किया
तुम भी माफ कर दो
अपनों को तो गुनाहों की माफी
सब लोग देते हैं
बैरी को भी माफ करना
मसीहा सिखाता है।

(77)

1. होवेगी बरकत की बारिश,
वायदा पुर प्यार है सही
आवेगी ताज़गी आसमान से,
भेजेगा जिसको मसीह

बरकत की बारिश,
बरकत की बारिश भरपूर
रहम की बूँदें टपकती
पर बारिश हमको जरूर

2. होवेगी बरकत की बारिश,
होगी नई कूव्वत जरूर
वादी पहाड़ और मैदान पर,
जब बारिश होगी भरपूर।

3. होवेगी बरकत की बारिश,
काश अभी पावें हम सब
यीशु तू ताजगी अब बख्श दे,
वायदे को पूरा कर अब

4. होवेगी बरकत की बारिश,
भेज उसे अभी, हाँ अब
मानते गुनाह जब हम अपने,
दे बारिश यीशु, ऐ रब्ब।

(78)

1. मेरा एक ही मित्र यीशु वो मेरा सब कुछ है
लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है
वो शारोन का गुलाब है और भोर का तारा है
लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है।

उसके दुःख से मुझको शांति
और आनन्द मिलता है
उसका क्रूस मुझको चंगा करता है।
वो शारोन का गुलाब है और
भोर का तारा है
लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है।

2. मेरा सारा बोझ उठाया मुझे चंगा कर दिया
पाँवों को मेरे स्थिर किया है
जब अकेला था भटकता और
सबने छोड़ दिया
यीशु मेरा प्यारा मित्र बन गया।

3. अब मैं जीवन भर उसकी महिमा करूँगा
हाथ उठाकर उसकी स्तुति करूँगा
मेरा एक मित्र यीशु वो मेरा सब कुछ है
यीशु एक ही मात्र मेरी आशा है।

(79)

1. तेरा हूँ ऐ रब्ब, सुनता तेरी बात
जो बताती तेरा प्यार
मैं ईमान के साथ आता तेरे पास
तेरा ही हूँ तलबगार

रख तू मुझको, मुझको,
मुझको एक मसीह
जहां चश्मा क्रूस से है खास
रख तू मुझको, मुझको,
मुझको ऐ मसीह
अपने जख्मी पहलू पास

2. मुझको पाक कर अब, कि मैं तेरा काम
करूँ दिल से ठीक और खूब
तेरी मर्जी पाक मुझसे पूरी हो
मेरी मर्जी हो मगलूब।

3. कैसी राहत खास दिल को मिलती हैं
जब मैं जाता पाक हुजूर
जब मैं दुआ में आता तेरे पास
तब तू करता हैं मसरूर

4. तेरा मीठा प्यार और भी जानूँगा
जब मैं जाऊंगा आसमान
अब मैं देखूंगा तेरे चेहरे को
तब खुश होगी मेरी जान।

(80)

तू पवित्र – पवित्र है (2)
तू पवित्र – पवित्र है
तू सच्चा है प्रभु तू झूठा नहीं है
तू पवित्र – पवित्र है (2)

1. तू सामर्थी है योग्य है,
तू स्वर्गों के स्वर्ग में है,
तू सच्चा है प्रभु तू झूठा नहीं है
तू पवित्र – पवित्र है

2. तू करुणा निधान है प्रभु
तू अत्यन्त महान है प्रभु
तू सच्चा है प्रभु तू झूठा नहीं है
तू पवित्र – पवित्र है (2)
तू पवित्र – पवित्र है (2)

3. तू अधर्मों को क्षमा करता है
सारे रोगों को चंगा करता है
तू सच्चा है प्रभु तू झूठा नहीं है।
तू पवित्र – पवित्र है (2)
तू पवित्र – पवित्र है (2)

(81)

1. **स्वर्गीय आशीष दे (2)**
स्वर्ग को तू खोल हाथ अपना बढ़ा
स्वर्गीय आशीष दे

2. आत्मा की चंगाई दे (2)
आत्मा पवित्र शुद्ध कर चरित्र
आत्मा की चंगाई दे

3. यीशु मेरे दिल में आ (2)
खोलता हूँ द्वार करता इकरार
यीशु मेरे दिल में आ

4. पवित्र आत्मा तू दे (2)
भर दे मुझे सामर्थ से
पवित्र आत्मा तू दे

5. हमको ग्रहण कर प्रभु
जैसे भी है हम है तेरे
हमको ग्रहण कर प्रभु

(82)

1. यीशु को मैं सब कुछ देता
सब कुछ करता हूँ कुरबान
जीऊंगा मैं रोज मसीह में
उस पर रखूंगा ईमान

सब मैं देता हूँ, सब मैं देता हूँ
तुझको मुबारक मुन्जी,
सब कुछ देता हूँ

2. यीशु को मैं सब कुछ देता
झुकता तेरे कदमों पर
छोड़ता सारी दुनियादारी
मुझे ले और अपना कर।

3. यीशु को मैं सब कुछ देता
मुझे बिल्कुल अपना कर
दे मकबूलियत की गवाही
हूँ मैं तेरा सरासर।

(83)

1. प्रभु महान, विचारूं कार्य तेरे
कितने अद्‌भुत जो तूने बनाये
देखूं तारे सुनूं गर्जन भयंकर
सामर्थ्य तेरी सारे भू-मंडल पर।

प्रशंसा होवे प्रभु यीशु की
कितना महान-कितना महान (2)

2. वन के बीच में तराई मध्य विचरूं
मधुर संगीत मैं चिड़ियों का सुनुं।
पहाड़ विशाल से जब मैं नीचे देखूं
झरने बहते लगती शीतल वायु।
प्रशंसा...

3. जब सोचता हूँ कि पिता अपना पुत्र
मरने भेजा है वर्णन से अपार
कि क्रूस पर उसने मेरे पाप सब लेकर
रक्त बहाया कि मेरा हो उद्धार।
प्रशंसा...

4. मसीह आवेगा शब्द तुरही का होगा
मुझे लेगा जहां आनन्द महान
तब झुकूंगा साथ आदर भक्ति दीनता
और गाऊँगा प्रभु कितना महान।
प्रशंसा...

(84)

तेरी आराधना करूँ (2)
पाप क्षमा कर जीवन दे दे
दया की याचना करूँ।

1. तू ही महान सर्वशक्तिमान
तू ही है मेरे जीवन का संगीत
हृदय के तार छेड़े झंकार
तेरी आराधना है मधुर गीत
जीवन से मेरे तू महिमा पाये
एक ही कामना करूँ

2. सृष्टि के हर एक कण कण में
छाया है तेरी ही महिमा का राज
पक्षी भी करते हैं तेरी प्रशंसा
हर पल सुनाते हैं आनन्द का राग
मेरी भी भक्ति तुझे ग्रहण हो
हृदय से प्रार्थना करूँ

3. पतित-जीवन में ज्योति जला दे
तुझ ही से लगी है आशा मेरी
पापमय तन को दूर हटा दे
पूर्ण हो अभिलाषा मेरी
जीवन के कठिन दु:खी क्षणों का
दृढ़ता से सामना करूँ

(85)

यीशु बुलाता तुम्हें (2)
बड़ी चाहत से तुमको बाहों में लेन
यीशु बुलाता तुम्हें (2)

1. दु:ख की गहराईयों में, देगा शान्ति तुम्हें
सोच समझ कर उसे निहारो
आनन्द अनोखा देगा तुम्हें

2. आंसू मिटाकर तेरे, रक्षा करेगा तेरी
अपनी आंखों की पुतली जैसे
वह सच्ची सुरक्षा देगा तुम्हें।

3. गर तेरा दिल दु:खित हो,
वह शान्ति देगा तुम्हें
यीशु तेरी मुक्ति और रोशनी है,
संकोच मिटाकर आओ अभी

4. हर रोग मिटाने की शक्ति है उसी के पास
बिना किसी भेद के तैयार है
उद्धारक अपनी दया से प्यार करने को

(86)

1. सारी सृष्टि के मालिक तुम्हीं हो
सारी सृष्टि के रक्षक तुम्हीं हो
करते हैं तुझको सादर प्रणाम
गाते हैं तेरे ही गुणगान।

हा...हा...हा...हालेलुय्याह
हा...हा...हा...हालेलुय्याह
हा...हा...हा...हालेलुय्याह...आमीन..

2. सारी सृष्टि को तेरा सहारा
सारे संकट से हमको बचाना
तेरे हाथों में जीवन हमारा है
अपनी राह पर हमको चलाना।

3. हम है तेरे हाथों की रचना
हम पर रहे तेरी करुणा
तन, मन, धन हमारा तेरा है
इन्हें शैतान को छूने न देना

4. अब दूर नहीं है किनारा
धीरज को हमारे बढ़ाना
जीवन की हमारी इस नैय्या को
भव सागर में खोने न देना

(87)

आये हैं हम तेरे चरणों में
लेकर हम स्तुति
हाल्लेलुयाह, हाल्लेलुयाह
हाल्लेलुयाह

1. प्यारे मसीहा आशीष दे हमें
आत्मा से तू, भर दे हमें (3)
हाल्लेलुयाह (4)

2. मिलेंगी हमें, तुझसे चंगाईयां
दे दे हमें तू, पापों से मुक्ति (3)
हाल्लेलुयाह (4)

3. हम बच्चे है परमपिता के
बढ़ना है, हमें वचनों में (3)
हाल्लेलुयाह (4)

4. हम तैयार है यीशु तेरे लिए
जल्दी आ तू, हमको लेने (3)
हाल्लेलुयाह (4)

(88)

1. गिन गिन के स्तुति करूं
बेशुमार तेरे दानों के लिए
अब तक तूने सम्भाला मुझे
अपनी बाहों में लिए हुए।

2. तेरे शत्रु का निशाना
तुझ पर होगा न सफल
आंखों की पुतली जैसे
वो रखेगा तुझे हर पल

3. आंधियां बनके आये
ज़िन्दगी के फिकर
कौन है तेरा खेवनहारा
है भरोसा तेरा किधर

4. आये तुझे जो मिटाने
शस्त्र हो बेअसर
तेरा रचने वाला तुझ पर
रखता है अपनी नज़र

(89)

यीशु तेरा नाम है कितना सुन्दर (2)
यीशु तेरा नाम है कितना पावन (2)

1. तुझमें मिली है हमको क्षमा (2)
तुझमें हुए हैं हम पावन (2)
यीशु तेरा.....पावन

2. तुझमें हुई है हम पर कृपा (2)
तुझमें मिला है, नया जीवन (20
यीशु तेरा.....पावन

(90)

यीशु मसीह देता खुशी,
करे महिमा उसकी
पैदा हुआ बना इन्सान,
देखो भागा शैतान।
ल ल.....ल। (देखो भागा...)

1. नोट लगाओ, जय गीत गाओ,
शैतान हुआ परेशान (2)
ताली बजाओ, नाचा गाओ,
देखो भागा शैतान (2)

2. गिरने वालों, उठो चलो,
यीशु बुलाता तुमरे (2)
छोड़ दो डरना, अब काके मरना,
हुआ है जिन्दा यीशु मसीह (2)

3. झुक जाएगा आसमान,
एक दिन यीशु राजा,
होगा बादलों पर (2)
देखेगी दुनिया शान मसीह की,
जुबां पर सबक होगा ये गीत (2)

(91)

जाओ जाओ, ऐ मेरे चलो,
करो प्रेम प्रचार।

1. जब मेरी इंजील सुनाओ,
कुछ न बी जो साथ,
प्रेम रहे हृदय में हरदम,
प्रेम ही है दरकार...

2. गांव, बस्ती, शहर व शहर,
जितने हैं दुनिया में,
जंगल, पर्वत, नदी और नाले,
जइयों सबके पार...

3. पिता-पुत्र का प्रेम दिखाओ,
भवसागर के बीच,
प्रेम की नैया, प्रेम दिखवैया,
प्रेम करेगा पार...

4. जब तुमसे मुकाबिल आए,
दुनिया का सरदार,
रूह की तुम तलवार उठाना,
रूह से करना वार...

5. खौफ न करना, कभी न डरना,
मैं हूँ हरदम आन,
तुम इंजील ही को आगे रखना
और सुनाना सुसमाचार...

(92)

अगर हमको तेरा सहारा न होता
तो बचना भी मुमकिन हमारा न होता।

1. चले जा रहे थे, बर्बादियों में,
कि डूबे थे गम, से भरी वादियों में।
अगर तुमने हमको उभारा न होता,
तो बचना भी मुमकिन हमारा न होता।।

2. अगर साथ तुम हो तो,सभी कुछ है हासिल
मसीहा तुमी, तो हमारी हो मंजिल।
अगर तुमने हमको संभाला न होता,
तो बचना भी मुमकिन हमारा न होता।।

(93)

यहोवा युद्ध में साथ देगा,
उदास न हो मन में

1. लाल समुद्र लहराए,
फिरौन की सेना पीछे लगे (2)
अग्नि जलाकर, समुद्र सुखाकर (2)
जय का झण्डा फहराएगा। (2)

2. बलवान तुझको घेर लिए,
बाल के भूत डराने को
यरोहो को तोड़कर अगुवाई देकर (2)
निश्चय पूरी जय देगा। (2)

3. घोड़े जो युद्ध को तैयार हो,
दुष्टों की सेना जो करके (2)
अग्नि की ज्वाला बनकर यहोवा,
निश्चय युद्ध में साथ देगा (2)

(94)

परमेश्वर पिता परमेश्वर,
तू ही हैं दाता हमारे जीवन का
जीवन से भी हैं उत्तम
तेरी करुणा सदा हम पर।।

1. बंजर जमीन से तू उगाता है फसल,
सूखी नदी से तू बहाता प्रेम जल।
ये आसमां और ये जमीन,
गाते हैं तेरी महिमा।।

2. हमको बनाया तूने अपने रूप में,
देकर जीवन भेजा तूने संसार में।
ये जिन्दगी, मेरी सदा
करती है, तेरी महिमा।।

(95)

कोई नहीं है यीशु तेरे जैसा जहाँ में (2)
जिसके हृदय से बहता है दया का सागर
जिसकी महिमा से जीवन होता है सफल
कोई नहीं.....में।। कोई नहीं (3)

1. तू ही जीवन, तू ही आधार है,
मेरे जीवन का तू ही मार्ग हैं। (2)
अपनों से भी बनकर, तूने किया है
प्यार तेरी हो जयजयकार। (2)

2. राह से तेरी मैं मुड़ता रहा,
फिर भी तू मेरे संग चलता रहा (2)
जब गिर पड़ा मैं, गुनाह की कीच में,
दिया सहारा तूने जीवन में।। (2)

3. आजा प्रभु मेरे जीवन में,
भर दे मुझको अपनी करुणा से (2)
मैं मिट्टी हूँ, तू है कुम्हार।
मुझको बना, अपने अनुसार।

(96)

विजयी हुआ (2)
यीशु मेरा विजयी हुआ (2)
शैतान हारा हुआ,
मेरा यीशु विजयी हुआ (2)

1. यीशु ने क्रूस पर शैतान के
सिर को कुचल दिया। (2)
मृत्यु पर विजयी हकर,
हमें विजयी जीवन दिया। (2)
हालेलुय्याह (2)
यीशु मेरा विजयी हुआ (2)
शैतान...

2. शत्रु की हर शक्ति पर,
अधिकार हमें मिला (2)
यहोवा निस्सी हमारा,
वो है जय देने वाला (2)
हालेलुय्याह (2)
यीशु मेरा विजयी हुआ (2)
शैतान...

(97)

को.: तू ही शान्ति का राजा है,
यीशु मुक्तिदाता है,
तेरी महिमा हम गाये सदा -
हाल्लिलुयाह(4)

1. तेरे ही वचनों से हमको है जीना (2)
तेरे ही कदमों पे हमको है चलना (2)
तू ही राह दिखाता,तू ही हमको चलाता है
तेरी महिमा...

2. कितनी महान है यीशु तेरी करुणा (2)
तेरी ही बांहों में हम पाते हैं पनाह (2)
तू ही जीवन देता है, तू ही साथ निभाता है
तेरी महिमा...

(98)

नाम लियो रे, नाम लियो रे, यीशु का
मंगलकारी, नाम लियो रे (2)

1. शांति वो देगा, शक्ति वो देगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

2. पाप हरेगा, शाप कटेगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

3. चंगाई वो देगा, सामर्थ वो देगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

4. भक्ति वो देगा, मुक्ति वो देगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

5. जीवन वो देगा, आनन्द वो देगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

6. उद्धार वो देगा, आशीष वो देगा (2)
पावन-भावन सुन्दर मेरा,
यीशु का नाम (2)

(99)

तेरे रूह की आग है, यीशु मेरे दिल में (2)

बक्श दे मुझको यीशु, प्यारे यीशु (2)
करले तू कबूल मुझको, मेरे यीशु (2)

1. मेरा फिदिया देने वाला, बर्रा खुदा का तू,
मुझे नज़ात दिलाने वाला,
मेरा खुदाबन्द तू।। (2)
क्यूँ न माँगू आज मैं,
तुमसे प्यारे यीशु
बक्श दे मुझको...यीशु।

2. मेरे रोग मिटाने वाला, मेरा शाफी तू,
वादों को निभाने वाला, मेरा साथी तू।
शिफा दे तू आज मुझको, प्यारे यीशु।
बक्श...यीशु।।

3. आवाज देकर बुलाने वाला,
अच्छा चरवाहा तू,
गुनाह के लेख मिटाने वाला,
पाक खुदाबन्द तू।
राम से अपने आज मुझको,
माफकर यीशु।
बक्श...यीशु।।

4. रूरे पाक देने वाला, मेरा मुनजी तू,
सारी कायनात बनाने वाला मेरा दोस्त तू
बोझ मेरा भूल तू, उठा ले प्यारे यीशु।
बक्श...यीशु।।

(100)

विनती सुन ले यीशु प्यारे,
विनती सुन ले,
हो...विनती...प्यारे,
मोरे संग रहो महाराज,
अब तुम राखे मोरी लाज !

1. विनती करूँ, तुम से कर जोड़ी (2)
अब तो विनती सुन लो मोरी ! (2)
मोहे आशा, लग रही तोरी (2)
मोहे आशा...हो...ओ... ! मोहे...
दर्शन दिखा दो आज,
अब तुम राखो मोरी लाज।।

2. तुम हो हमारे, नैनों के तारे, (2)
मन के प्यारे, दिल के दुलारे, (2)
तुम हो हमारे तारणहारे (2)
तुम हो हमारे...हो...ओ...तुम
हमारे तुम सरताज,
अब तुम राखो मोरी लाज।।

अनुक्रमणिका

Part II : आत्मिक मसीही गीत

गीत	गीत नं.
अ	
आखरी नरसिंगा फूका जाने	32
आँखों को बन्द कर लू	20
आता हूँ मैं यीशु नाम से	42
आने वाला है मसीह	55
अपनी फक्रे यहोवा पे डाल	10
आसमानी खुशी से	1
क	
कितना हसीन वादा	29
कहाँ जाऊँ मैं	7
ख	
खोया था मैं मिला हूँ	38
च	
चीज़ क्या तुमने कीमती	59
ज	
जब गम की घटा छाएँ	45
जय जयकार जय जयकार	52
जय मसीह जय मसीह	8
जलवा तेरा जलवा	54
त	
तू मेरा शरणस्थान	47
तू हममें बढ़ता चल	36
तेरा फज़ल मेरे लिए	21
तेरा लहू तेरा लहू	6
तेरी हुजूरी का बादल	53
तेरे आसन के पास आऊँ	44
तेरे दर पे मैं आया	33
तेरे मार खाने से	9
तेरे लहू के वसीले	57
द	
दुआ से बढ़कर	43
दिवानी हुई है	35
ध	
धन्यवाद, धन्यवाद	15
न	
न कभी वो भूलेगा	24
प	
पर्वतों को देखूँगा मैं	5
ब	
बार-बार बहा	18
बदल गया, बदल गया	56
म	
मुझे मस्त बना दें	46
मेरी रूह खुदा की	51
मेरे गुनाह की ली तूने	50
मेरे जीने का मकसद	26
मेरे जीवन में यीशु	31
य	
या यीशु को अपनाले तू	11
ये जिंदगी तेरी महिमा	48
ये दुनिया बड़ी धर्मशाला	19
यीशु बुला रहा	41
यीशु तेरा नाम सबसे	28
यीशु नाम मिला	40
यीशु मेरा मीठा पानी है	27
यीशु मेरे साथ है	2
यीशु ने हमें छुड़ाया है	34
यही दुआ है	14
र	
रूहे पाक खुदावन्दा	13
ल	
ले चल मुझे	23
लकड़ी पे लटका	12
लहू के बगैर न	60
लहू में भीगा नाम	4
स	
सुबह सवेरे आँख	49
सुबह हो या शाम	17
सुन सुन सुन क्या	22
सेनाओं का यहोवा	30
सलीबी मौत को पाना	16
ह	
हो तेरी स्तुति	39
है दुनिया का राजा	37
हमारे दिल की हालत	3
हर मुसीबत में हमको	25

Part II : आत्मिक मसीही गीत

(1)

1. आसमानी खुशी से भर दे मुझको,
गीत नया दिल में ला (2)
उतर आ-उतर आ (2)
उतर आ (3)
रूहे पाक उतर आ।। (2)

2. अमृत जल प्रभु मुझको पिला दे (2)
दिल मेरे की प्यास बुझा दे (2)
चश्मा बनके उतर आ। (2)

3. आसमानी रोटी मुझको खिला दे (2)
कमजोर दिल को तगड़ा बना दे (2)
भरपूर कर दे राजा (2)

4. पाक रुह आ मेरे दिल के अन्दर (2)
बन जाऊ मैं तेरा मन्दिर (2)
अपनी राह दिखा। (2)

(2)

यीशु मेरे साथ है, यीशु मेरे अन्दर है,
यीशु को मैं पहने हूँ, मुझमें तो जिन्दा है
यही मेरी ताकत है, ये नहीं भूलना है,
कभी नहीं भूलना है, कभी नहीं भूलना है।

1. जितनी हुकूमते हैं, यीशु के आधीन हैं,
दुनिया की ताकतें,यीशु के आधीन हैं(2)
सारी बीमारियाँ यीशु के आधीन हैं
आत्मिक शक्तियाँ यीशु के आधीन हैं।
यही मेरी.....भूलना है।

2. शैतान चालाक है, करता वो वार है (2)
पर मेरे यीशु से, वो गया हार है (2)
छू भी न पायेगा, अब कभी वो मुझे,
न डरा पाएगा, अब कभी वो मुझे,
यही मेरी.....भूलना है।

(3)

हमारे दिल की हालत को (2)
खुदा जाने या हम जाने (2)
मसीह से है हमें उल्फत (2)
खुदा जाने या हम जाने (2)

1. कलामे पाक की बर्छी (2)
लगे दिल में मेरे तिरछी (2)
कलेजा हो गया छिन-छिन (2)
खुदा जाने या हम जाने। (2)

2. मोहब्बत के समुद्र में (2)
हमने डाली ईमान की कश्ती (2)
चले जाते हैं बे खतरे (2)
खुदा जाने या हम जाने। (2)

(4)

लहु में भीगी नाम, नाम यीशु नाम,
सबसे ऊँचा नाम, मुक्ति का पैगाम,
नाम यीशु नाम, लहु में भीगा नाम।।

1. नाम तेरा जब पुकारा,
भागा है शैतान (2)
फतह से भी बढ़के जलवा,
पा गया इन्सान (2)
आशीषों का नाम, नाम यीशु नाम
सबसे.....नाम।।

2. पाप जैसे कोढ़ को ये नाम करता दूर-दूर
मांग में टूटे दिलों की, ये भरे सिंदूर (2)
दोस्ती का नाम, नाम यीशु नाम,
सबसे.....नाम।।

3. बोझ पापों का उठाकर, है चुकाया दाम,
देने आया है जगत को मुक्ति और आराम
जिन्दगी का नाम, नाम यीशु नाम
सबसे.....नाम।।

(5)

पर्वतो को देखूँगा मैं (2)
कौन है मददगार मेरा (2)
मेरा मददगार खुदा है (2)
जिसने जमीन और आसमां
को बनाया (2)
पर्वतों को देखूँगा मैं।।

1. वो तेरे पाँव को, फिसलने नहीं देगा (2)
खुदाबन्द है तेरा जागा हुआ,
तुझे तन्हा न छोड़ेगा (2)
मेरा निगेबान खुदा है (2)
जिसने.....मैं।।

2. तेरी जान को बला छू भी न पाएगी (2)
न गर्मी चाँद और सूरज की कभी
तुझको जलाएगी (2)
मेरा साहेबा खुदा है (2)
जिसने.....मैं।।

(6)

तेरा लहू (2)
तेरा लहू पाक करता है (2)
तेरा लहू कुब्बत देता है (2)

1. तेरे लहू की धार से, मिटते गुनाह और
खिलते हैं फूल-फूल
तेरा लहू-लहू धोकर के
साफ करता है।
तेरा लहू कुव्वत देता है (2)

2. तेरे लहू में जो छिपे,
किसी भी बला से कभी न डरे (2)
तेरा लहू (2), तेरा लहू हिम्मत देता है,
तेरा लहू कुव्वत देता है (2)

3. तेरा लहू ढाल और किला, सबकी पनाह
बस तू आसरा तेरा लहू (2)
दिल में सकून भरता है
तेरा लहू कुव्वत देता है। (2)

4. तेरे लहू के झरनों से, जख्म तो क्या (2)
मिटे नासूर भी, तेरा लहू (2)
मरहम का काम करता है,
तेरा लहू कुव्वत देता है। (2)

(7)

कहा जाऊं मैं तेरे पास तो,
जीवन के वचन है।
यीशू तू मेरा पहला प्यार है। (4)

1. कौन है मेरा, संसार में, तेरे संग रहते हुए
कुछ और ना चाहूं मैं,
यीशु तू मेरी विरासत है (2)
यीशू तू मेरा पहला प्यार। (4)

2. चाहें अंधकार की तराई से चलूं,
तो भी हानि से मैं न डरूँ,
भलाई करुणा जीवन भर साथ है
यीशू तू मेरा पहला प्यार है। (4)

(8)

विपदा मिटाने वाला मसीह (2)
सुख बरसाने वाला मसीह (2)

तेरे द्वारे आऊँ मैं (2)
तेरी महिमा गाऊँ मैं (2)
जय मसीह (2),
बोलो जय यीशू की (4)

1. अपनी झोली दुख भर लेता,
वो भक्तों को मुक्ति देता,
ऐसा प्रेम न देखा कभी,
जय मसीह (2) बोलो जय यीशु की।

2. पापी से वो द्वेष न करता (2)
वो पापी के पाप को मरता (2)
देता मैं यीशू नई जिन्दगी (3)
जय मसीह (2) बोलो जय यीश की।

(9)

तेरे मार खाने से,
यीशु मैंने शिफा पायी है (2)
तेरे खून बहाने से,
मिली मुझको रिहाई है (2)
कोई चारागर तुझसा नहीं,
कोई राहबर तुझसा नहीं (2)
तूने अपनी जान देकर,
मेरी जिन्दगी बचाई है। (2)

1. तूने वादा पूरा कर दिया है, (2)
तूने पाक रुह से भर दिया है (2)
तूने मेरे कदमों को,
आसमानी राह दिखायी है (2)

2. मैं हरदम मेरे यीशु जी, (2)
तेरी हम दो सना, गाऊँगा (2)
मैंने अपनी साँसों में,
तेरी खुशबू बसायी है। (2)

(10)

अपनी फिक्रे यहोवा पे डाल,
उनको वो हटाएगा,
तेरी गर्दिश के दिन बन्दे,
चुटकी में हटाएगा।

1. युद्ध देके यहोवा के हाथ,
फिर देख तमाशा तू (4)
दुश्मन हो बलि कितना (2)
तेरे कदमों में झुकाएगा। (4)

2. आँखें जो चढ़ा करके,
बातें हैं बड़ी बोले (4)
देख लेना गुरूर उनका (2)
उनको ही गिराएगा (4)

3. अँधे देखेंगे, लंगड़े चलेंगे (4)
गूंगे सुन करके देंगे जवाब (4)
हाथ होंगे तेरे लेकिन (2)
मौज से वो कराएगा। (4)

4. अब वक्त नहीं ज्यादा,
आ करके दुबारा मसीह (4)
अपने खून खरीदो को (2)
बादलों पे ले जाएगा। (4)

(11)

या यीशु को अपना ले तू,
या कह दे उससे प्यार नहीं।
जो कुचला गया तेरी खातिर,
क्या वो ही तेरा दिलदार नहीं।।

1. वो खाने को देता बदन और
पीने को देता लहू (2)
या बनके सलीब उठा ले तू,
या कह दे उससे प्यार नहीं।
जो कुचला गया तेरी खातिर,
क्या वो ही तेरा दिलदार नहीं।।

2. कर याद ज़रा वो समां,
यीशु गिरता यहाँ था वहाँ (2)
या बनके.....नहीं,
जो कुचला.....नहीं।।

3. अब रूह की ताकत दे,
दिल ओ जान नजर कर दें (2)
या बनके.....नहीं,
जो कुचला.....नहीं।।

(12)

लकड़ी पे लटका नासरी,
देने को जिन्दगी
वो ही बना था लानती,
देने को राजगी
कुद्दूस (4) वो ही है पाक खुदा (2)
लकड़ी.....जिन्दगी हाल्लिलुयाह (4)

1. तेरे लहू से धुलने वाला, रुतबा तेरा जाने
तेरे कलाम को पढ़ने वाला,
जात तेरी पहचाने
कुद्दूस (4) वो ही.....हाल्लिलुयाह

2. कदमों से तेरे जो भी लिपटे,
ताजा मन वो ही पाए,
परस्तीश की माला जपने वाला,
भरपूर जीवन पाएं (2)
कुद्दूस (4) वो ही.....हाल्लिलुयाह

3. पर्दा फटा, फटी कब्र,
मौत पे फतहा पायी,
कुरबान होकर तूने यीशु,
मेरी जान बचायी
कुद्दूस (4) वो ही.....हाल्लिलुयाह

(13)

रूह आ (4) रूहे पाक खुदाबन्दा तू आ !
जान जिस्म और रूह में तू बस जा !
आ.....आ.....आ रूह आ (2)

1. रूह के शोले,
लपक-लपक जब आते हैं (2)
बन्धन सारे टूटते गिरते जाते हैं (2)
आ.....आ.....आ.....आ।

2. बारिश होगी रूहे पाक के बादल से (2)
खुल जाएंगे मेले मन भी अन्दर से (2)
आ.....आ.....आ.....आ।

3. रूह की सूरत में यीशू जब आएगा (2)
तहस-नहस होगा शैतान झुक जाएगा(2)
आ.....आ.....आ.....आ।

(14)

यही हुआ है, रख लहू के नीचे,
यही सदा है, रख लहू के नीचे,
न जा तू दरिंदे, रख लहू के नीचे,
खुदा के बरे, रख लहू के नीचे,
रख लहू.....नीचे।
लहू के नीचे-नीचे,
यीशु के पीछे-पीछे।
पवित्र आत्मा के संग,
मसीह के पीछे-पीछे।
यही हैं आशा मेरी,
खुदा का चेहरा देखूँ।
मोहब्बत से भरा वो,

खुदा का बर्रा देखूँ।
रख लहू.....नीचे।

1. लहू ये पवित्र यहोवा का है।
लहू ये खुदाबन्द मसीह का है।
लहू में है शक्ति, मसीह का मसा है (2)
खुदा के बर्रे.....नीचे।

2. लहू को प्रकारे, लहू से धूले,
लहू की हिफाज़त में, चलने चलें,
लहू से मोहब्बत की कलियां खिले (2)
खुदा के बर्रे.....नीचे।

3. लहू ही गुनाहों को देता मिटा,
लहू ही बीमारों को देता शिफा,
लहू ही यहोवा से देता मिला (2)
खुदा के बर्रे.....नीचे।

(15)

धन्यवाद (2) यीशु तेरा धन्यवाद (2)

1. यीशु तेरी करुणा से,
मैं जीवन जीता हूँ। (2)
यीशु तेरी कृपा से,
मैं आगे बढ़ता हूँ। (2)
इसलिए तेरे उस नाम का,
करते हैं हम धन्यवाद (2)
धन्यवाद.....धन्यवाद।

2. फूलों में रंग तूने डाला,
पंछी को गाना तूने सिखाया (2)
सागर से गहरा प्यार तेरा,
आसमानों से तू है ऊँचा (2)
इसलिए तेरे उस नाम का
करते हैं हम धन्यवाद (2)
धन्यवाद.....धन्यवाद !
यीशु तेरी करुणा से.....धन्यवाद।

(16)

बचाने आज इन्सानों को,
वो दर्दे जहाँ आए,
मुबारक हो जमीन वालों,
मसीहा ए जमा आए।
वो मेरे आका, वो मेरे मौला,
वो मेरे हुक्म
राह आए ! कहाँ मैं हूँ,
कहाँ वो है, कहाँ से वो, कहाँ आए।
सलीबी मौत को पाना
कोई मज़ाक नहीं (3)
हयात अपनी लुटाना
कोई मज़ाक नहीं (3)

1. नहीं है कोई भी दुनिया,
दुनिया में शानिए यीशु (3)
कब्र के मुरदे,
जिलाना कोई मज़ाक नहीं। (3)

2. बची हयात तो चेलो ने
कह दिया उस दम (3)
भँवर से कश्ती,
बचाना कोई मज़ाक नहीं (3)

3. ये इख्तीयार मिला है,
हमारे मुज़ी को (3)
नजात सबको दिलाना
कोई मजाक नहीं। (3)

4. हजूदे नासरी रुह से,
खुशादा वरना (3)
नदि पे चलके दिखाना,
कोई मज़ाक नहीं (3)

5. सलाम हमसे अदब की,
शमाए रौशन है (3)
हवा में क्षमा जलाना,
कोई मज़ाक नहीं (3)
सलीबी.....नहीं।।

(17)

सुबह हो या शाम, रात और दिन
तेरा ही नाम, तेरा ही नाम।
यीशू मेरे, यीशू मेरे (2)
भजता रहूँ, तेरा नाम (2)
सुबह....

1. तू हर दिल में, तू जग जग में,
इस दुनिया के हर एक कद में (2)
यीशु मेरे तू है सबका मालिक,
तुझसे ही है मेरे प्राण।
भजता रहूँ तेरा नाम।

2. तेरी प्रशंसा, नित दिन गाऊँ,
तेरी ही गरिमा, जग में सुनाऊं (2)
यीशू तू है मेरे जीवन का मालिक।
तुझसे ही है मेरे प्राण।
भजता रहूँ तेरा नाम।

(18)

बार-बार बहा लहू यीशू का,
तेरी शिफा के लिए
मेरी शिफा के लिए
बेकरार बहा लहू यीशू.....लिए।।

1. माथे से टपका, जहन आजाद हो,
चहरे से टपका, रूप आबाद हो,
रूप आबाद हो।
धार-धार बहा लहू.....लिए।।

2. हाथों से निकला, बाहों में लेने
पैरों से निकला,
रस्ता बनाने - रस्ता बनाने
तार तार बहा लहू.....लिए।।

3. भीगा लहू से सर, मुक्ति दिलाई
तोड़ा बदन तो
कीमत चुकाई - कीमत चुकाई
सवादार बहा, लहू..... लिए।।

4. पीठ पल्ले खारियां, खून बहाए
पसली का खून देखो,
दुल्हन सजाए - दुल्हन सजाए,
आर-पार बहा.....लिए।।

5. मार तूने खाई, शिक्षा मैंने पाई,
लहू से तेरे मैंने, जिंदगी है पाई (2)
बेरोजगार बहा लहू यीशु का,
तेरी शिफा के लिए मेरी शिफा के लिए।

6. क्रूस पे तूने यीशु, खून बहाया,
पापों के जाल से है, मुझको छुड़ाया (2)
लगातार बहा लहू यीशू का।

7. कांटों का ताज तूने, सिर पर उठाया,
जीवन का ताज मेरे
सिर पर लगाया (2)
हर एक बार बहा लहू यीशु का।

(19)

ये दाने या बड़ी धर्मशाला (2)
यहाँ पर कोई आ रहा है,
कोई खा रहा है (4)

1. धर्मशाला पे स्टेशन लगा है (2)
आता जाता मुसाफिर खड़ा है (2)
दो घड़ी का है मेहमान यहां पर (2)

हर एक कारोबार करता यहाँ पर (2)
अपनी करनी में खरा रहा है (2)
यहाँ पर कोई आ.....है।

2. अनन्त जीवन की गाड़ी खड़ी है (2)
जिसमें यीशु की आशीष पड़ी है (2)
मार्ग, आय और जीवन यीशू है (2)
कोई आ रहा.....है।

3. दिल अपना लगा ले वहाँ पर (2)
यीशू राजा बुलाता जहाँ पर (2)
कर तैयारी जाने की वहाँ पर (2)
राजा यीशू है आता यहाँ पर (2)
ताज आसमानी पाए तू वहाँ पर। (2)
यहाँ पर कोई आ.....है।

(20)

आँखों को बंद कर लू,
यीशू तुझे जाने न दूँ (4)
आँखों को बंद कर लू, कर लू।
आँखों को.....दूँ।
ओ न जाने दूँ,
यीशु मुझे जाने न दूँ (2)

1. साँसों में मेरी, साँसे है तेरी
तू ही बसा है, आँखों में मेरी
आँखों को बंद कर लू.....दूँ।।

2. पलकों के दरवाजे से मैं
ले लूँ दिल के अन्दर (2)
दिल तो मेरे यीशु जो है,
तेरा ही तो मंदिर (2)
अपने हर कण-कण में,
दिल की हर धड़कन में (2)
तेरी धड़कन मैं रख लूँ यीशु.....दूँ।।

3. तू ही मेरा गीत है,
और तू ही है संगीत (2)
तू ही मेरी जीत है,
और तू ही मन का मीत (2)
अपने हर गीत में, उसके संगीत में (2)
तेरा संगीत भर लूँ यीशु.....दूँ।।

4. दिल की चाहत, यही तमन्ना,
बस एक आरजू (2)
मेरे दिल की बस्ती में,
अब दिखे तू ही हर सू (2)
देखूँ अब मैं जिधर, पाऊँ तुझे उधर (2)
बस अब मैं हूँ और एक तू यीशु.....दूँ।।

(21)

तेरा फजल मेरे लिए काफी है (2)
तेरे लहू से मिली मुझे माफी है (2)
तेरा.....
तारीफ हो खुदा के बर्रे की (4)
तेरा.....है।

1. मेरा फिरिया देने वाला,जिंदा है जिंदा है।
मेरी हयात का बानी,
जिंदा है जिंदा है जिंदा है।
तेरा फजल.....

2. मेरी शिफा का अम्बा, यीशु है, यीशु है।
मेरी नज़ात का चश्मा,
यीशु है, यीशु है।
तेरा फजल.....

3. घूरे से उठाया मुझको-यीशु ने, यीशु ने।
पापों से छुड़ाना मुझको,
यीशु ने, यीशु ने, यीशु ने
तेरा फजल.....

(22)

सुन-सुन क्या कहती है,
मेरे दिल की ये धड़कन (4),
धक-धक धड़कन (3) (2)
दीवाना यीशु का मैं,
दीवाना यीशु का (2)
ओ हो हो (4) ओ हो हो।

1. वो है अल्फा, वो ओमेगा,
सुबह का तारा, यीशु है (2)
वो जीवन का जल भी, जीवन की रोटी,
जग का उजाला, यीशु है (2)
वो ही खुदा हैं जिंदा खुदा। (2)
सुन सुन क्या करती है,
मेरे दिल की ये सरगम (4)
दीवाना यीशु.....का। (2)

2. उसने अपने केवल शब्दों में,
सारा जहाँ बनाया है (2)
वन में फूल, उड़ते पंछी
उसकी महिमा गाते हैं (2)
वो ही खुदा है, सच्चा खुदा (2)
बनना है मुझको तो यीशू तेरा (4)

3. वो है राजा, मुक्तिदाता,
तारण हारा यीशू है (2)
मेरा खल भी, मेरी चट्टाना,
मेरा सहारा, यीशू है (2)
मेरा खुदा है, सबका खुदा (2)
करता यूँ मैं अपनी जुबां से
बस ये हर पल (4)

(23)

ले चल मुझे (2)
तू है जहाँ, ले चल मुझे
ले चल मुझे (2)
तेरे सिंहासन के पास ले चल मुझे

1. मैं तेरे पास आता हूँ पवित्र दिल से,
आराधना मैं करता हूँ प्रेमी मन से।
तुझे ढूंढता हुआ, तुझे चाहता हुआ,
मुझे खींच ले में दौड़ूँगा (2)
ले चल मुझे (2).....

2. तेरे पवित्र स्थान में, तूँ मुझै ले चल,
तुझे देखना में चाहता हूँ,
हर घड़ी हर पल-पल
ले चल मुझे (2).....

3. जैसे हिरनी पानी के लिए,
प्यासा में भी हूँ
तेरे लिए
तुझे ढूँढता हूँ हुआ.....

(24)

न कभी वो भूलेगा,
न कभी वो छोड़ेगा (2)
यीशू मसीह है वफादार (4)

1. दूध पीते बच्चे को,
भूल जाए माँ अगर (2)
तरस न खाए वो तो,
रहम के बेटे पर (2)
अपने हाथों पे खादी,
देखी सूरत जो तेरी (2)
करे न तेरा इन्कार। (4)

2. हार रोज हमारा यीशु,
बोल उठाता है (2)
उकाब की मानिन्द अपने,

पैरों पे बैठाता (2)
मन्ना स्वर्गीय खिलाता,
आबे हैयात पिलाता है (2)
करता है बेहद प्यार। (4)

3. अन्धकार की दुनिया में,
नूर बनाकर (2)
खुशबू कला में हर,
जहाँ में फैलाकर (2)
देता अपनी फतह,
ताकी बन जाये गवाह (2)
सबका है परवरदीगार। (2)

4. थोथे लहू से तेरी, सारी बदगारी (2)
चंगा करे वो तेरी, सारी बीमारी (2)
हुआ क्रूस पे कुर्बान,
ताकी बच जाये जहान (2)
करता है तेरा इन्तज़ार। (4)

(25)

हर मुसीबत में हमको संभाला,
यीशु मैं रखवाला।

1. हर मुसीबत में वो काम आना हमें (2)
अपने-अपने खुदा ने बचाया हमें (2)
मरते.....मुझे (2)
रखवाला, यीश है रखवाला।

2. जब महिमा का दीदार हो जाएगा।
तेरा बिगड़ा हुआ काम बन जाएगा।

3. वो धरती कायनात वो सरकार है
वो निराला जीवन का दरबार है
ओ रब, ओ रब.....रखवाला।
ओ रखवाला, मेरा रखवाला।

(26)

मेरे जीवन का मकसद तू है,
मेरे जीने का कारण तू है,
मैं जीयू या मरो,
वो तेरे लिए है, तू मेरा प्रभु (2)

1. पिछला सब भूलकर,
मैं आगे दौड़ा चलूँ,
जो मेरे लिए धन था,
उसको मैं त्याग दूँ,
कि मैं पाऊँ उससे वो रस्ता,
दौड़ा मैं जाऊँ।
मैं जीयूँ.....प्रभु
मेरे.....प्रभु

2. मुझ पर हुई है कृपा,
बेकार न जाने दूँ,
जिसने मुझे है चुना,
उसकी ओर मैं बढ़ूँ,
देखूँ तेरी सलीब पर,
खींचाँ मैं जाऊँ
मैं जीयूँ.....प्रभु
मेरे.....प्रभु
तू मेरा प्रभु (3)

(27)

यीशु मेरा मीठा पानी है,
जो पीएं बच जाएगा (2)
चश्मा बहता है, बहता जाएगा (2)
यीशु मेरा.....

1. ये है दरिया, साफ है करता (2)
उजड़ा गुलशन, शादाब है करता (2)
चश्मा बहता है, बहता जाएगा (2)
यीशु मेरा.....

2. जीवन जल है, बेकीमत है (2)
प्यास रहे न ऐसी रहमत है (2)
जिंदगी देता है, देता जाएगा (2)
यीशु मेरा.....

3. कड़वाहट सब दूर करेगा, (2)
जीवन में सरूर भरेगा। (2)
जिंदा दरिया है, जिंदा कर जाएगा (2)
यीशु मेरा.....

(28)

यीशु तेरा नाम सबसे ऊँचा है (4)

1. जिस नाम में है मुक्ति (2)
जिस नाम में है शक्ति (2)
जिस नाम में है शान्ति (2)
देता वो नाम चंगाई
जिस नाम में है जिन्दगी यीशु है वो नाम
जिस नाम में है बन्दगी यीशु है वो नाम
यीशु.....है (4)

2. बीमारी से, गरीबी से,
श्रापों से है छुड़ाता
वो नाम हैं जो, अन्धों को
रौशनी भी है देता
जिस नाम में है जिन्दगी,
यीशु है वो नाम
जिस नाम में है बन्दगी,
यीशु है वो नाम
यीशु.....है (4)

(29)

को.: कितना हसीन वादा
ये किया खुदाबन्द ने,
जहाँ दो या तीन जमा हो
मैं हूँ हाजिर उनमें।

1. तुझे अकेला न छोड़ूँ मैं
रुह अपनी भेज (2)
तुझे अनाथ भी न छोड़ूँ
एक मददगार भेज (2)
यीशु के सिवा ये कब है
बात कही किसने
जहाँ दो या तीन.....

2. दस्तक वो देता है,
चाहे हर दिल में आना (2)
भरता उसको रूह से अपनी
जिसने उसे जाना (2)
जिसका बने है माली
वो कलियाँ लगे खिलने
जहाँ दो या तीन.....

(30)

सेनाओं का यहोवा हमारे संग-संग हैं।
याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है।

1. जिसने आकाश बनाया (2)
जिसने पृथ्वी बनायी (2)
जो सर्वशक्तिमान प्रभु है (2)
वो यहोवा हमारे संग-संग है। (2)

2. समुद्र को जिसने दो भागा (2)
जंगल से मार्ग को निकाला (2)
हर वायदे को करता है पूरा (2)
वो यहोवा हमारे संग-संग है। (2)

3. लाज़र को जिसने जिलाया (2)
जक्कई को जिसने बचाया (2)
जिसके लिए सब है संभव (2)
वो यहोवा हमारे संग-संग है। (2)

(31)

मेरे जीवन में यीशू तेरा नाम,
जलाल पाता रहें (2)
मेरा उठना बैठना और (2)
चलना तुम्हें भाता रहे।
मेरे जीवन.....रहे। (2)

1. बेमिसाल है तू मैं मिसाल बनूं,
तू कामिल है, मैं भी कमाल बनूँ (2)
बेमिसाल है.....कमाल बनूँ।
दुनिया का नूर है यीशू,
मेरी राहें सजाता रहे। (2)
मेरा उठना.....
2. मेरी सोचों में तू, मेरे ख्वाबों में तू,
मेरी सोचो.....तू। (1)
जब भी तुझे पुकारूँ,
तेरा रुह मुझपे आता रहे। (2)
मेरा उठना.....
3. जिंदगी भर तेरे गीत गाता रहूँ,
तू सुनता रहे, मैं सुनाता रहूँ (2)
जिन्दगी भर.....सुनाता रहूँ। (1)
जब गीत तेरे गाऊँ,
तेरा रूह मुझमें बसता रहे। (2)
मेरा उठना.....

(32)

आखरी नरसिंगा फूका जाने वाला है,
तेरा मेरा सबका यीशू आने वाला है (2)
तू कहां होगा (4)

1. पहले जो मसीह में मुर्दे जी उठेंगे, (2)
बाकी जो हम जिन्दा में बदल जाएंगे (2)
पल भर में देखो,
ये सब कुछ होने वाला है।
तू कहाँ होगा (4)
2. तेरे दिल के सारे गम बदल जाएंगे (2)
बीत गए जो लम्हे तेरे पास न आएंगे (2)
दुनिया में तू तन्हा ही रह जाने वाला है।
तू कहाँ होगा (4)
3. तेरी दौलत, तेरी शौहरत
काम न आएगी (2)
ये सब चीजें प्यारे,
तेरे साथ न जाएगी (2)
सब चीजों का खात्मा
जल्दी होने वाला है।
तू कहाँ होगा (4)

(33)

तेरे दर पे मैं आया मसीहा,
तेरे दर से न जाऊँगा खाली।

1. इबने आदम से लेके, इब्राहिम संग चला
याकूब के संग चला (2)
मूसा के संग चला
दाऊद के संग चला (2)
इबने मरियम के राज दुलारे,
तेरे दर से न जाऊँगा खाली।
2. अन्धे देखने लगे हैं (2)
बहरे सुनने लगे हैं
लंगड़े चलने लगे हैं (2)
कोढ़ियों को चंगा किया।
मुर्दे जिलने लगे हैं (2)
मुक्तिदाता यीशु प्यारे (2)
तेरे दर से ना जाऊँगा, खाली (3)

(34)

यीशु ने हमें छुड़ाया है (2)
पापों के चाल से (2)
यीशु ने हमें बचाया है (2)
शैतान की चाल से (2)
तो गाओ हाल्लिलुयाह (8)

1. हमने शान्ति पाई है, यीशु के नाम से,
हमने पायी है क्षमा मुक्ति श्रापों से,
तो गाओ हाल्लिलुयाह (8)
2. अब हम न डरेंगे, यीशु जो साथ है,
शैतान से हम लड़ेंगे, यीशु के नाम से
तो गाओ हाल्लिलुयाह (8)
3. शालोम, शान्ति और सलाम,
लाएँ हैं आपके नाम,
शालोम, शान्ति और सलाम,
मेरे यीशु का पैगाम
तो गाओ हाल्लिलुयाह (8)

(35)

दिवानी हुई है (2)
यीशु से मिलकर आई,
दिवानी हुई है (2)
दिवानी (5) हुई है (2)

1. भरने गयी थी पानी, अपने लिए वो (4)
जिन्दगी का पानी (2)
पीकर के आई दिवानी
दिवानी.....है।
2. आँसुओं से धोकर पाँव,
इत्र है उण्डेला (4)
नाम यीशु का लेकर (2)
जिन्दगी है पायी
दिवानी हुई.....है।

(36)

तू हममें बढ़ता चल,
हम तुझमें खो जाए (2)
हम तुझमें खो जाए,
हम तुझमें खो जाए
होए (तू हममें.....जाए (2)

1. और हम भी बदल जाएँ,
तेरी समरूपता में (2)
जीवन ये बदल जाए, तेरी समानता में
हम तुझमें जागा करे और तुझमें सो जाए,
होए, तू हममें.....जाए।
2. मैं वचनों के पग में रहूँ,
ये चाहत है अपनी-अपनी
मैं तेरे कदमों से लिपटा रहूँ,
ये मोहब्बत है अपनी।
तू हममें उभर जाए, हम तुझमें हो जाए।
होए...तू हममें.....जाए।
3. तू हमको ताका करे,
हम तुझको ताका करें (2)
अपनी चाहतों से हम तेरी पूजा करे।
तेरे प्यार को पाए
ऐसे वचनों को बो जाए।
होए...तू हममें.....जाए।
4. तेरी शौहरत को प्रभु -
दिन रात बढ़ाएंगे (2)
तेरे वचनों को प्रभु -
दिन-रात रिझाएंगे।
भजनों को सुनकर के,
हम तुझमें खो जाएं।
होए...तू हममें.....जाए।

(37)

है दुनिया का राजा यीशु,
आन है तेरे वो, न अब तू ये
यीशू तुझे प्यार करता,
यीशू मुझे प्यार करता,
वो सबसे है प्यार करे,
आज खुशियाँ मनाओ लोगों।

1. अपनी जाल सूली पे देके,
प्यार किया सबको, न अन्त है।
यीशू तुझे.....लोगों।

2. वो मेरी महान हमेशा,
वो मेरी, वो मेरी पलान हमेशा
है सराहै वो, न अनतूरा।

3. है खुदा का एक ही बेटा,
है खुदा का, है खुदा का एक ही बेटा।
गणतंत्र वो, न अन्त थे।

4. अब तो सारी दुनिया में बस,
यीशु-यीशु को न अन्त में।

(38)

खोया था मैं मिला हूँ,
अन्धा था देखता हूँ(2)
है मसीह का प्यार ऐसा (2)
पापी था बच गया हूँ(3)

1. खतरों से आया, मुश्किल से आया।
मुझको यहाँ तक अनुग्रह लाया।
अनुग्रह ही घर ले जाएगा मुझको। (2)
यीशु के दर आया हूँ।
पापी था बच गया हूँ (2)

2. यीशु का है एक वादा,
उसका वचन है अब मेरी आशा।
वचनों से उसके आज़ाद होकर (2)
जिन्दा मैं हो गया हूँ।
पापी था बच गया हूँ। (2)

3. दुनिया की राहों में भटका मैं कितना,
खुदा को मिटाया, कुछ भी न पाया।
नीचे गिरा था, टूटा हुआ था (2)
देखो मैं अब जुड़ गया हूँ।
पापी था बच गया हूँ। (2)

(39)

हो तेरी स्तुति और आराधना,
करता हूँ तुझसे, मैं ये प्रार्थना।
महिमा से अपनी तू इस जगत को भर,
जो भी तू चाहे, तू यहाँ पे कर।।
हल्ले.....हल्लेलूयाह.....(4)

1. करुणा से तेरी, मेरा दिल ये गाता है,
राह बनकर मेरी, तू ही बचाता है।
जब मैं पुकारूँ, तू दौड़ आता है,
जब मैं गिरूँ, मुझे उठाता हैं।।

2. सारे जहाँ में, तुझसा कोई नहीं,
तुझको छोड़ कोई, प्रभु है ही नहीं।
घुटने मैं टेकूँ, बस तेरे सामने,
तू है मेरा खुदा, तू मेरा पिता।।

(40)

यीशु नाम मिला (2)
मेरा जीवन संवर गया (2)

1. तूने लहू के कतरों को,
मेरे लिए बहा दिया, (2)
तूने जान बदन देकर,
यीशु मुझको बचा लिया। (2)
तेरे लहू से (2)
यीशू के लहू से, महसी के लहू से।
मेरा जीवन सँवर गया (2)
यीशु.....गया।

2. तेरा नाम जो लेता है,
वो जिंदगी पाता मैं, (2)
तेरी राहों में चलकर,
रूह ईनाम में पाता है। (2)
तेरे रूह से (2)
खुदा के रूह से, मसीह के रूह से।
मेरा जीवन संवर गया (2)
यीशु.....गया।

3. यीशु तेरी हुज़ूरी में,
कुदरत और जलाल हैं (2)
यीशु तेरे ही हाथों में,
मुझ ज़ात कमाल है (2)
तेरे छूने से (2)
खुदा के छूने से, मसीह के छूने से।
मेरा जीवन सँवर गया (2)
यीशु.....गया।

4. यीशु अब मेरे जीवन का,
एक तू ही सहारा है,
मेरे जीवन की कश्ती का,
यीशु तू ही किनारा है।
यीशु तू मिला (2)
हाँ मुझे तू मिला, यीशू तू मिला।
मेरा जीवन सँवर गया (2)
यीशु.....गया। (3)

(41)

यीशु बुला रहा (2)
तेरा नाम ले लेकर (2)
तुझे यीशु बुला रहा (2)

1. क्या पाएगा तू,
जीतकर इस दुनिया को (2)
क्या लाभ होगा,
खोकर आत्मा को। (2)
तू आजा यीशु के पास,
तुझे यीशु बुला रहा। (2)

2. चोर आया चोरी करने,
घातक या करने, (2)
यीशु आजा जीवन देने,
बहुतायत का जीवन देने (2)
तू आजा यीशु के पास,
तुझे यीशु बुलाया। (2)

(42)

आता हूँ मैं यीशु नाम से,
करता हूँ मैं यीशु नाम से (2)
यीशु नाम के आगे,
हर घुटना टेक जाए (2)
यीशु मसीह खुदा है,
हर ज़ुबान ये गाए (2)
यीशु नाम (2)
सबसे प्यारा यीशु नाम (2)

1. पहने हूँ मैं रूह के कपड़े,
हाथों में दो धारी तलवार,
यीशु नाम से तोड़ दिए हैं,
मैंने दुश्मन के सबक चार।
यीशु नाम से खोला,
हर बरकत खुल जाए (2)
यीशु नाम से डाटा,
शैतान नज़र न आए (2)

यीशु नाम (2) सबसे.....से

2. बदरूरों की रौंदी जाओ,
साँपों को पैरों से कुचलो,
इक्तयार थे यीशु मसीह ने,
हमें दिया है और ये क्या है।
शैतान की चालों से,
कुछ नुकसान न होगा (2)
नाम हमारा जन्नत में,
यीशु ने लिखा है (2)
यीशु नाम (2) सबसे.....से

3. मुक्त किया है यीशु नाम ने,
छुड़ा लिया है यीशु नाम ने।
यीशु नाम, सबसे प्यारा,
सबसे मीठा सबसे ऊंचा,
सबसे अच्छा, ताकत वाला,
बरकत वाला, कुदरत वाला,
कुव्वत वाला, शिफा देता,
मुक्ति देता, माफी देता, शांति देता।

(43)

दुआ से बढ़कर कोई दवा नहीं,
यीशु से बढ़कर कोई दुआ नहीं (2)

1. कबूल कर ली मे लिए सूली भी,
क्या-क्या दुख उसने सहा नहीं (2)
कुपिओं में आओ तेल भर लो,
कि अब और वक्त बचा नहीं। दुआ....

2. क्यों घुट के जीते रहते हैं लोग,
सब कुछ मसीह से क्यों कहा नहीं (2)
तू जब तक मसीह को न दे दे ये जीवन,
तब तक ये वफा-वफा नहीं। दुआ....

3. वो दोस्त भी है और रहनुमा भी,
अपना तो कोई उसके सिवा नहीं। (2)
डाली बनकर उससे टूटा नहीं,
कोई पेट उसके बगैर फूला नहीं। दुआ..

4. तू परमेश्वर, अनेक प्रभु से,
अपने सारे मन से प्रेम रख (2)
शांति का परमेश्वर आप ही,
तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे। दुआ....

(44)

1. तेरे आसन के पास आऊँ,
कृपा मिलती है, (2)
तेरे चरणों पास बैठूँ,
शांति मिलती है। (2)
तेरे शरीर में मैं आ जाऊँ,
तू मिलता है (2)

तू ही है यहोवा शालोम, प्रभु मेरी शांति,
जो मेरे मन में आई, मसीहा को जानकर
तू ही रे यहोवा शामा, प्रभु मेरे करीब है
वादा विचारे मुझमें, तेरे भान रहूँ सड़ा।

2. तेरे इनको छूलू, प्यार मिलता है (2)
तेरे हाथों को मैं थामू,
सहारा मिलता है (2)
तेरी आँखों में मैं देखूँ,
तृप्त होता हूँमैं (2)

तू ही यहोवा तेरी, प्रभु मेरा चरवाहा
रही चटाई में यहोवा,
सुखदाई जल पिलाता
तू ही यहोवा, यीरे, प्रभु जो मुझै है देता,
जरूरत को पूरा करता,
महिमा के धन से।
तेरे आसन.....मिलता है।

(45)

को.: जब गम की घटा छाये
जब आँसुओं की बरसात हो,
जब दु:ख की अग्नि जलाये तुम्हें
जब जीवन में तूफान हो।
प्रार्थना करो - (3)

1. है यीशु का ये वादा,
मांगों तो पाओगे (2),
अगर रात को रोना पड़े,
सुबह मगर हँसोगे (2)
हिम्मत ना हारो, विश्वास करो,
प्रार्थना करो। (2)

2. पूरे मन से यकीन करो
और दो धन्यवाद,
सुनता है यीशु प्रार्थना,
वो ही निभाता है साथ (2)
मायूस न हो, आँहे न भरो,
प्रार्थना करो। (2)

(46)

जब याद मसीह की आती है,
तो आँख मेरी भर जाती है।
दिल होके मगन ये कहता है,
और रुह भी यही गाती है
अपनी रूह से भरके यीशु,
मुझे बना दे ऐसा दिवाना (2)
जैसे शमा के आजू-बाजू है,
रूह में परवाना (4)
तेरे प्रेम को छोड़ के यीशु,
और कहीं न मुझको अब जाना
मुझे मस्त बना दें, मस्त बना दें,
बना दे मस्ताना (4)
बना दे मस्ताना (4)
मुझे मस्त.....मस्ताना।।

1. काजल डालू फिर-फिर आए,
सुरमा सहा न जाए (2)
जिन नैनों में यीशु बसे हों,
उनमें भला अब कौन समाए
मुझे मस्त.....मस्ताना।।

2. जो मेरा यीशु ने अपनी पिलायी,
होश न खोने देती,
अपने परायों के दर्मिया वो
रूसवा न होने देती।
अब यारो और अर्यारों के संग,
कैसा मेरा पीना-पिलाना (2)
यीशु नाम में इतना सुरूर है,
क्या देगा मैखाना (4)
क्या देगा मैखाना (4)
मुझे मस्त.....मस्ताना। (4)

3. बब्बर शेर की मस्जिद है,
वो जो है घात में बैठा
विश्वासी कब मिल जाए उसे,
उसकी ताक में बैठा।
मेरे दिल के हर कोने में भर दे,
बाइबल का तू इतना खजाना
मुझे शैतान की किसी चाल से है
मात नहीं खाना।
है मात नहीं खाना (4)
मुझे मस्त.....मस्ताना। (4)

मेरा मुझमें कुछ नहीं,
सबकुछ है यीशु तेरा

तेरा तुझको सौंप दूँ मैं,
क्या लागे है मेरा।।

4. मेरे गुनाहों के दागों को,
खून से मिटाया तुमने।
पाँव के भी लायक नहीं था,
सीने से लगाया तुमने।।
तेरी बातों को तेरी यादों को,
यीशु मैंने ऐसा सुख जाना
किसी ताकत से किसी कुव्वत से,
मुमकिन है नहीं पाना (2)
मुमकिन है नहीं पाना (4)
मुझे मस्त.....मस्ताना। (4)

(47)

तू मेरा शरणस्थान, तू मेरा गढ़ है।(2)
संकट में मेरा दोस्त, मेरा प्रभु। (2)
आराधना करूँ, मैं पूरे दिल से, (1)
मैं तुझे ढूँढूगा, सम्पूर्ण जीवन में, (1)
तेरी सेवा करूँगा,
मेरी सारी चीजों से (1)
मैं हूँ यहाँ (1)
मैं हूँ यहाँ प्रभु (3) मैं हूँ यहाँ।

1. उद्धारक मेरा तू, मेरी चंगाई है, (1)
संकट में सामर्थ है, मेरा प्रभु। (1)
आराधना.....यहाँ।

2. तू मेरा चरवाहा, मुझको चराएगा, (1)
मुझको संभालेगा, मेरा प्रभु।
आराधना.....यहाँ।

(48)

ये जिंदगी, तेरी महिमा,
गाती रहे अब सदा (2)
जब तक जीयू, तेरी महिमा,
करता रहूँ, ऐ खुदा (2) ये जिंदगी....

1. जब से है छुआ तूने मुझे,
नई साँसें जैसे फिर से आ गई (2)
जब से है थामा हाथ तेरा,
बन्द राहे जैसे फिर से खुल गई (2)
तू ही प्रभु, मेरे यीशु,
तेरे सिफा न होगा कोई। (2)
ये जिंदगी....

2. जब भी पुकारा, मैंने तुझे,
मेरी हर दुआ को तूने है सुना, (2)
हर एक कदम पर साथ रहा,
पास तुमको मैंने महसूस किया। (2)
अब हो सन्ना, तेरी खुदा,
इस जिंदगी को, तुमको दिया (2)
ये जिंदगी....

(49)

सुबह सवेरे आँख खुली तो यीशु था,
मीठी नींद की गहराईयों में यीशु था,
यीशु था (2)

1. इब्राहम,इसहाक,याकूब का जिन्दा खुदा
मूसा की जलती झाड़ों में यीशु था।
चलते फिरते बैठते उठते, यीशु था।
तन्हाइयों में भी दु:ख में भी, यीशु था।

2. उसकी आँखें आग के शोला की मानिन्द
शदरक मेशक की भट्टी में यीशु था।
आग और रुह से बपँतिस्मा जो देता था,
एक सौ बीस में रुह में उतरा यीशु था।

3. पाप सभी के जिसने उठाए, सूली पर,
मेरा आका, मेरा मुंजी यीशु था
मौत के साया की वादी, मैं साथ हूँ मैं,
कहने वाला तुझको, मुझको यीशु था।

(50)

मेरे गुनाह की ली नूने सज़ा,
चाबुकी मार से
कुछ न दिया मैंने कुछ न किया,
बदले में प्यार के
ये क्या किया तूने क्यों ये किया, (2)
जान देके तूने ये जीवन दिया (2)

1. दर्द था मेरा जो तूने सहा
चढ़के सलीब पर (2)
कर्ज किया मेरा तूने अदा,
कांटों और कीलों पर (2)
फिर भी न कम हुआ प्रेम तेरा,
जान देके तूने ये जीवन दिया। (2)

2. मरते हुए माफ करके गया,
जुल्मोसितम मेरे, (2)
मेरे लिए तूने खाई सदा,
दुनिया की ठोकरें (2)
फिर भी न कम हुआ प्रेम तेरा,
जान देके तूने ये जीवन दिया। (2)

(51)

मेरी रूह खुदा की प्यासी है,
मेरी रूह (2)
जैसे हिरनी पानी के नालों को
तरसती है मेरी रूह (2)
खुदा की प्यासी है।
मेरी रूह.....प्यासी (2)

1. रात और दिन आँसू बहते हैं,
दुनिया वाले सब कहते हैं।
है कौन कहाँ है तेरा खुदा।
क्यों है इतना बेचैन ये दिल,
क्यों जां ये गिरती जाती है।
होगा किस दिन दिदार तेरा,
कब होगा मिलना रूह करूं,
मेरी रूह.....

2. यदा की जमीन से गाऊँगा,
कोहे निज़गार से गाऊँगा
गहराओ से गहराओ तक।
रात और दिन होगा तेरा कम,
मैं गीत दुआ के गाऊँगा।
वो मुझपे करे अपनी रहमत,
है मेरी अब ये आरजू।
मेरी रूह.....

3. दुश्मन की मलामत पीर सी है
क्यों उसके जुल्म का सूख करूँ
चट्टान है मेरी मेरा खुदा
वो मुझसे ये हरदम कहते हैं
है कौन कहाँ है तेरा खुदा,
होगा किस दिन दिदार तेरा,
मेरे टूटे दिल की आस है तू
मेरी रूह.....

(52)

जय जयकार (3) यीशु तेरी जय जयकार
यीशु तेरी जय-जय (2)
यीशु तेरी जय-जयकार।
जय जयकार (3) यीशु तेरी जय-जयकार

1. अनुग्रहकारी विधाता है,

भला तो सबका चाहता है
वो ही करता है, उद्धार।

2. अति करुणामय दयालु है,
क्रोध विलम्ब से करता है, (2)
सबसे करता है प्यार।

3. गिरते हुओं को उठाता है, (2)
भला वो सबका चाहता है, (2)
महिमा उसकी अपार। (2)

(53)

तेरी हुजूरी का बादल
ज़ोर से बरसे (2)
तेरे लहू से खुदाबन्द (2)
हर एक दिल भी धुले।
तेरी.....बरसे।।

1. यीशु तू प्यार का दरिया है,
और सच्चाई का रस्ता है (2)
अबदी जीवन कर एक को तू (2)
तुझसे मुफ्त मिले।

2. बारिश को रूके पाक की,
चुम्बश को खरे पाक की (2)
हर एक दिल में ऐ यीशु (2)
रूह की आग जले।

3. खून में तेरे कुदरत है,
दिलों को बदलने की ताकत है (2)
तेरे लहू की ये नदियां (2)
सुबहो शाम बहें।

(54)

जलवा तेरा जलवा,
यीशु तेरा जलवा (2)
यीशु है जिन्दा खुदा (2)
है उसी का ये चर्चा।
जलवा तेरा जलवा,
यीशु तेरा जलवा (2)

1. तेरी सूरत देखकर,
डाकू भी बदल गया (2)
दोज़क को जाता वो,
जन्नत में पहुँच गया (2)
तेरा रहम उस पर, कुछ ऐसा हो गया(2)
तेरे जलवे के नूर से,
वो दिवाना हो गया - गया।।

2. यीशु ने क्रूस पर, लहू जो बहा दिया (2)
और पापियों के लिए
कफ्फारा दे दिया (2)
तेरे लहु के रंग में पापी भी रंग गया (2)
तेरे रंग में रंगने से,
करता है वो सजदा-सजदा।

3. तेरे नूर से रौशन, भारत को होना है (2)
हमी को जाकर के,
वचनों को बोना है (2)
तेरे जलवे की चाहत में,
ये जहाँ भी खो गया (2)
तेरे प्यार की चाहत में,
मैं दीवाना हो गया - गया।

4. इस जीत के लिए,
यीशु ने जान दी हैं। (2)
और जान देकर के पहचान दे दी है (2)
मेरा सर यीशु के सज़दे में,
कुछ ऐसे झुक गया (2)
कि मेरे भी सिर पर,
जीवन का ताज सब दिया (2)

(55)

आना वाला है मसीह अपने लोगों के लिए
देने को जीवन अनन्त स्वर्ग में,
संसार से मन फिरा लो
यीशु को हृदय में बसा लो।

1. आएगा जब वो कैसा होगा कमाल (2)
देखेगी दुनिया रोएगा शैतान (2)
अब भी है मौका कर ले तू तौबा (2)
गुनाह की राह से मुँह फेर ले अपना।
संसार.....

2. आएगा होके बादलों पे सवार (2)
ले जाने हमको यीशु अपने संसार (2)
देखेगी दुनिया प्रभु यीशु की महिमा(2)
तब फिर न कहना हम थे पापी हम नदान
संसार.....

आने वाला.....
देने को जीवन अनन्त स्वर्ग में (3)

(56)

बदल गया, बदल गया
मेरा सारा जीवन बदल गया (2)
रूहेपाक दी संदात दे नाल (20
उड़ते बादल बदल गया।

1. इक-इक बूँद दे बिछने देखो,
(सावा रूकिया) (2)
किला जो कबूद ते कालिया दावा,
(राता मुकिया) (2)
दिल है विच मुड, बसदा देखे (2)
दिल की धड़कन बदल गया।

2. ओदे-पाक लहू दे नाल,
(मिलिया शिफाया) (2)
लहू दी कुर्बानी दे नाल,
(मिटिया खटावा) (2)
तौबा जदौदी किते मेरा (2)
सारा तन मन बदल गया।

3. प्याला लहू दे पीके मेरा
(बंदर बनया) (2)
किता ते रहम यीशु मेरे ते
(मैं छुड़िया) (2)
ढलदा जावा यीशु विच मैं (2)
हुलिया सारा बदल गया।

(57)

तेरे लहू के वसीले,
हो गए पाप क्षमा,
तेरी सलीब से यीशु
पा गए रोगी शिफा।
तेरा लहू(3) करता है पाप क्षमा।।

1. हड्डियों में जा, जो न हो,
यीशु का खून मांगले,
दर्द बयान जो न हो,
यीशु का खून मांग ले (2)
दिल को सकून जो न दो,
नीच का खून मांग ले।
बहता लहू (3) देता है इसको शिफा।

2. लहू की कीमत जरा,
मरियम की ममता से पूछ
एकलौते बेटे का दाम,
पाक यहोवा से पूछ
पूरी शिफा का पैगाम,
काँटों से कोढ़ों से पूछ (2)
पाक लहू (3) तुमको भी देगा आराम।

3. सोने और चाँदी से भी,
यीशु का खून कीमती।
घोड़ों और रथों से भी,
यीशु का खून कीमती।
रिश्तों और नातों से भी,
यीशु का खून कीमती (2)
जिन्दा लहू (3) देता है हमको पनाह।

(58)

तेरे लहू से पाप धोता हूँ(2)
तू बढ़ता जा मैं कम होता हूँ(2)
तू बढ़ता जा (3) मैं कम होता हूँ(2)

1. तेरा कलाम दिल में रखा है (2)
तेरा हर एक वादा सच्चा है (2)
तेरा ही नाम सबसे अच्छा है (2)
अपनी खुदी से हाथ धोता हूँ (2)
तू बढ़ता जा मैं कम होता हूँ। (2)

2. तेरे कलाम से शिफा होती (2)
तेरे कलाम राहों की ज्योति (2)
तेरा कलाम है हसीन मोती (2)
दिल की माला में पिरोता हूँ (2)
तू बढ़ता जा मैं कम होता हूँ। (2)

(59)

भूल सकते नहीं हम वफाएं तेरी,
सारी दुनिया लिया करती है
बलाएं तेरी।
जर्रा-जर्रा तेरे जलवे से
मुनव्वर देखा (2)
चार सू गूँजती फिरती है सदाएं तेरी।
चीज़ क्या तुमने कीमती दे दी (3)
चीज़.....दे दी (2)
गुनहगारों को मखलसी दे दी (3)

1. जो तरसते थे, रोशनी के लिए (3)
उनकी आँखों को रोशनी दे दी। (3)

2. और क्या चाहिए सबूते वफा (3)
मेरे यीशु ने जान भी दे दी (3)

3. मुर्दा लाज़र को मेरे यीशु ने (3)
कब्र पे जाके जिंदगी दे दी (3)

4. मैंने माँगी थी रहनुमाई सलाह (3)
मेरे मुंजी ने शायरी दे दी। (3)

(60)

लहू के बगैर न, शिफा न नज़ात है(2)
तौबा के साथ, ये तो मुफ्त सौगात है(2)
लहू के.....है।

1. एक तू ही बचे ना,
बचेगा कुल घराना (2)
लहू की कुदरत को, तूने न पहचाना।
वादों का सच्चा और सच
उसकी बात है (2)
तौबा.....

2. एक ही बार उसने, लहू को बहाया (2)
बन्धनों को तोड़ के है, बाप से मिलाया।
हुआ अब सवेरा, खत्म हुई रात है (2)
तौबा.....

3. प्यारे तू क्यों सोचे,
खुदाबन्द तुझसे दूर है (2)
मुक्ति फज़ल से मिले,
उसके हुजूर है
ईमान जो लाए खुदाबन्द
उसके साथ हैं (2)
तौबा.....

अनुक्रमणिका

Part III : नए आत्मिक मसीही गीत

गीत	*गीत नं.*	*गीत*	*गीत नं.*
अ		आत्मा से अभिषेक कर	201
अपने वादे न पूरा कर दे	60	आ पाक रुह, दर्शन अपना दे प्रभु	220
अपने रुह की आग से	89	आ पाक रुह मेरा	241
अपनी महिमा तू ले	127	आसमान और जमीन	256
अपनी रहमत बनाए	208	आओ करे धन्यवाद	259
अपनी सारे बोझ	228	आ खुदावन्द आ	268
अजब नशा है	262	आजा आजा जल्दी आजा	287
अम्बर से ऊँचा	286	**इ**	
आ		इंतजार कर रहा तेरा	187
आदर और महिमा	19	**ऐ**	
आत्मा की आग	42	ऐ हमारे बाप जो	109
आएगा राजा मेरा	45	ऐ खुदा मुझे आशीष कर	175
आओ गाए मिलके	68	**क**	
आ रहा है	90	कप्तान है यीशु हमारा	1
आया है आया है मेरा	94	कौन मसीह मुझे तेरे	20
आ गया है	98	कब्र तेरी	25
आया है आया है मुंजी	99	क्यों डरता है	85
आत्मा से सच्चाई से	130	कितना महान है प्रभु	100
आराधना यीशु मसीह की	158	कितना प्यारा है यीशु	103
आनंद से हूँ करता भक्ति	160	क्या जा पाऊँगा	184
आ पाक रूह	168	क्या मैं दे सकता तुझको	189
आओ गाएँ सन्ना	169	कभी न मुझे वो	210

गीत	गीत नं.
कितना प्रेम किया	212
कितना प्यारा तेरा नाम	217
करते हैं आराधना	237
ख	
खाली हाथ न जाएंगे	5
ग	
गलत ले लिए पंगा	71
गर तेरी राहों पर चलना	143
गाओ हाल्लेलूयाह	144
गुनाहों को मेरे मिटा	165
गाऊ तेरे गीत	223
गुरूर करो तो ऐसा	252
घ	
घबराना नहीं रुक जाना नहीं	180
च	
चाहे खाऊ चाहे पिऊ	29
चाहिए मुझको तेरे साथ	73
चाहे जो हो कितने गम	172
चले आओ	211
चढ़ गया क्रूस पर	266
छ	
छू पाक रुह	58
छू पाक रुह, ऐ पाक रुह	116
छूले ऐ पाक रुह	281
ज	
जीवन की नदी	2
जीवन देता है जो नाम	7
जब तू है चरवाहा	18
जो कर सकता है तेरे	37
जयवंत से बढ़कर	40
जीवन मैं देता हूँ	61
जखमी हुआ	65
जीत गया	83
जीना है बस तेरे लिए	104
जिंदगी यीशु है	117
जिस नाम से	123
जय जय बोलू	132
जीवन में तेरी है महिमा	171
जिम्मेदार हो मालिक	182
जलवा दिखा यीशु	254
जय हो जय हो	264
जो तू है मेरे संग	270
जिंदा है जिंदा है	279
जिंदगी को बदल दिया	284
जाम लहू का पीकर	294
ठ	
ठनठनाता पीतल हूँ	24
त	
तेरे वचन पे आस	12
तेरी जय जय हो यीशु	15
तुझसे ही है मेरी	22
तेरे जैसा बनना है	27
तेरी दया के सिंहासन	30
तुझको देना चाहता है	41
तेरी सूरत मुझे चाहिए	53
तू महान यीशु	74
तुझे देता हूँ जीवन	75
तेरी प्रशंसा करूं	79
तेरी स्तुति करूं	92
तेरे हाथों की रचना हूँ	114
तेरे सिवा कोई नहीं	118
तेरी हुजूरी में प्रभु कैसा	120
तेरा लहू	125
तेरी जय जय हो	139
तू है पवित्र	147
तू मेरी राह की ज्योति	164
तुझे छूना चाहता हूँ	174
तुझसे जुदा होकर	190
तू है मेरा प्रभु	192
तू स्तुति के योग्य है	198
तू विषय है	203
त्वाडे रुह दा मसा	205
तैयार हर मेरे हृदय को	222
तेरी हुजूरी में प्रभु	232
तू ही मेरा गीत है	240
तेरे बिना मैं शून्य हूँ	249
तेरा भरना जरूरी है	253
तेरी स्तुति करूँ	257
तू है स्तुति के योग्य	271
तू है सर्वशक्तिमान	272
तेरा सिवा मसीहा नहीं	276
तुझे आदर मिलता रहे	280
तेरी रुह मेरी ताकत है	282
तुझसे दूर होकर मैं	285
तेरे नूर से यीशु	290
तेरी रुह से ही ऐ खुदा	292
तेरा लहू यीशु मसीहा	295
थ	
थोड़े से ही इस संसार	161
द	
देकर लहू तूने अपना	16
दर सज गया है	46
दिल से मेरा विश्वास	56
दिल भी तेरा	87
दूर मत कर अपनी हुजूरी	146
दर्शन को मैं तेरे	156
दरबार में मेरे	195
ध	
धन्य धन्य धन्य तेरा नाम	23

गीत	गीत नं.
धन्यवाद धन्यवाद	148
धन्य धन्य धन्य धन्य तू	219
धन्य हूँ मैं जो	239
न	
न रथो पे प्रभु	36
नहीं जावांगा	50
नाम यीशु है सबसे प्यारा	63
न मैं दाएं चलू	72
न तो बल से, न शक्ति से	136
नरसिंगा फूका जाने वाला	155
नहीं नहीं मैं कुछ नहीं	185
नाम में यीशु तेरे	207
निर्भर तुझ पे मैं	235
न लौटूंगा, न लौटूंगा	258
नाम नाम नाम	261
नई है जिंदगी अब	297
प	
पापों की क्षमा	6
पत्थर की कोई	26
प्रभु मेरे तू	39
प्यासी हिरनी की तरह	70
पहचान लिया मैंने	86
पूरे दिल से	106
पाक रुह दरबार में	107
पाक खुदा, सच्चा खुदा	124
पापियों से प्यार करता	138
पाक रुह, पाक रुह	173
प्रेम को अपने उड़ैल	191
प्रेम बिना है	199
पाक रुक मुझे तेरी	221
प्यार खुदा का	233
पूरे मन से	234
पाक घर से न निकल	243
पाक रुह का मसा	244
परदेसी हूँ मैं यहाँ	289
फ	
फिर पैदा होना चाहता है	95
ब	
बारिश रूह की बरसा	54
बल्ले बल्ले यीशु	82
बदल गया जीवन	105
बंधन सारे खोलता है	134
बहुत जरूरत है	151
बोलो यीशु के लहू	167
बदला हुआ जीवन मेरा	177
बना नदियों सा जीवन	216
बढ़ते चलो	226
बनाया गया है	246
भ	
भेटों को मेरी	197
भाग यहाँ से तू शैतान	204
म	
मेरे यीशु ने तुझको शैतान	8
मार्ग तू सत्य तू	10
मेरे जीवन को मेरे	14
मुझे देश में अपने	17
मेरी चाहत भी है तू	31
मुख पे तू मेरे	38
मेरा चलना मेरा फिरना	55
माँ की तरह मुझको	59
मेरा राजा मुक्तिदाता	62
मोहे लगन लगी है	76
मेरे देश भारत को	88
मेरी शान यीशु	91
मेरे यीशु तू मेरा	102
मेरे जीवन में मेरे प्रभु	110
मेरा राजा यीशु मुक्तिदाता	112
मेरा पहला आखिरी प्यार	115
मुझे मेरा मूंजी	131
मेरे पापों के ही कारण	142
मत डर मत डर आगे बढ़	149
मुझे माफ कर दे यीशु	152
माँ से भी ज्यादा	154
मिट्टी हूँ बस	163
मैं भवन हूँ तेरा	176
मेरी प्रार्थना तू सुन ले	179
मेरा यीशु जीवन है	181
मैं तो तेरी भेड़ हूँ	183
मंदिर को अपने भरदे	200
मेरी सोचों से बढ़कर	215
मैं भजता नाम यीशु	218
मुझे तेरे जैसा बनना है	225
मेरे जीने की वजह	230
मुक्ति देता तेरा लहू	231
मेरे यहोवा तू मेरी	236
मेरा जीवन यीशु के लिए	242
मेरे जीने से	250
मेरे यीशु मसीह तेरे	251
मेरी जिंदगी का मालिक	260
मिलने को तुझसे वो	265
मुझको तो बस	269
मैं तेरे गीत गाता हूँ	278
मुझे जीवन जीना सिखा	293
मेरा जिंदा खुदा	298
मेरे दिल को जांच ले	300
य	
यीशु तेरा धन्यवाद	13
यीशु यीशु मेरा मालिक	43
यीशु नाम से है जिंदगी	51
यीशु मेरे प्रभु	64

गीत	गीत नं.
यहोवा तेरी जय हो	69
यीशु तू ही रब है	77
यीशु नाम से खोलता हूँ	80
यीशु तेरे नाम से	84
यीशु यीशु यीशु यीशु	122
यीशु नाम को ऊँचा	126
यीशु जिंदा खुदा	166
यीशु तेरी जय जय हो	188
यीशु तू है, सिर्फ तू	194
यीशु प्रभु कितना प्यारा	229
यीशु जलाल में	247
यीशु नाम को लेकर	248
यीशु के नाम से	263
यीशु जी तेरी	274
यीशु जी तेरा प्रेम	277
यीशु नाम से	288
यीशु नाम यीशु नाम	291
यीशु तू ही तो है	299
यहूदा का शेर-ए-बब्बर	296
र	
रहम की तेरी करम की तेरी	11
राजाओं का तू है राजा	44
रुहे पाक खुदावन्दा	57
रात दिन यीशु तेरा	78
राजा मेरा राजा मुक्तिदाता	111
राजाओं का राजा	224
राजाओं का है राजा	267
ल	
लहू से तेरे धुलकर	4
लहू को तेरे मैं	33
लहू चाहिए	35
लहू से अपने धोले मुझे	47
लहू से अपने तूने	67
लहू की कीमत की पहचान	202
लहू लहू	213
लहू का चश्मा बहता	245
लहू ने तेरे यीशु मसीह	255
लहू से अपने साफ करके	273
लहू को पुकारता हूँ	283
व	
विनती को मेरी	32
श	
शुक्रिया, शुक्रिया, शुक्रिया	128
स	
सूखी भूमि की तरह	3
सारे जहाँ में जलवा	9
सिर्फ तेरी ही कब्र है खाली	49
सुबह सवेरे आँख जो खोलूँ	66
सारे गुनाहों से	93
सारी महिमा	96
सब नामों से ऊँचा यीशु	113
साँसों पे अपनी मैंने	119
सागर से गहरा	121
सेनाओं का खुदा तू है	133
साँसों पे मैंने लिखा	135
सब नामों से ऊँचा है यीशु	137
सानू डर नहीं शैतान दा	150
सब नाम में तेरा नाम है	214
सारी स्तुति के योग्य तू	153
सबसे है निराला	159
स्वर्ग से सुंदर	178
सबसे बढ़कर यीशु	186
संग तेरे मैं चलू	206
सामना कौन कर पाएगा	227
सृष्टि गा रही	238
सिर्फ तेरी हुजूरी में	275
ह	
हिम्मत बांधो	21
होसन्ना हाल्लेलूयाह	
28हम्दो सन्ना हो तेरी	34
हम जय जय करते	48
हुकुमत भी तेरी है	52
हाथ पकड़ ले यीशु	81
हाल्लेलूयाह हाल्लेलूयाह	101
हाल्लेलूयाह-2 अब्बा पिता	108
हाल्लेलूयाह आमीन	129
होसन्ना करते यीशु तेरी	141
हर पल सम्भालता है	157
हो धन्यवाद	162
हर पल मुझ पर	170
हम बन्द यीशु के है	193
हृदय से करता हूँ	196
हर पल संभालता हूँ	209
क्ष	
क्षमा करो प्रभु पाप	97

Part III : नए आत्मिक मसीही गीत

(1)

कप्तान है यीशु हमारा,
हमें बढ़ते जाना है (2)
यीशु ही है खुदा,
ये सबको बताना है (2)

1. लंगड़ों को चलना सिखाया,
अंधों को आंखें दी,
भूखों को खाना खिलाया,
मुर्दों को जिंदगी दी (2)
यीशु ने क्या-क्या,
दुनिया को बताना है (2)
यीशु ही.....है।।

2. आँधी को डाँट थमाया,
कोढ़ी को शुद्ध किया,
पानी पर चलकर दिखाया,
उसको दाखरस बना दिया (2)
उससे डरते है तूफान भी,
ये सबको बताना है (2)
यीशु ही.....है।।

3. दलदल से हमको उठकर,
चट्टान पे बैठा दिया,
उसने क्रूस पर जान को देकर,
हमें बाप से मिला दिया (2)
जिंदा है आज भी यीशु,
सारे जहाँ को बताना है (2)
यीशु ही.....है।।

(मरकूस 16:15)

यीशु ने अपने चेलों से कहा, "तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।"

(2)

जीवन की नदी मेरे अन्दर है,
जीवन का सोता मेरे अन्दर है। (2)
क्योंकि पवित्र आत्मा (2) तू मेरे अन्दर है।
जीवन की.....है।

1. प्रेम की नदी मेरे अन्दर है,
प्रेम का सोता मेरे अन्दर है। (2)
क्योंकि पवित्र आत्मा (2)
तू मेरे अन्दर है।
जीवन की.....है।

2. सामर्थ की नदी मेरे अन्दर है,
सामर्थ का सोता मेरे अन्दर है। (2)
क्योंकि पवित्र आत्मा (2)
तू मेरे अन्दर है।
जीवन की.....है।

3. संयम की नदी मेरे अन्दर है,
संयम का सोता मेरे अन्दर है। (2)
क्योंकि पवित्र आत्मा (2)
तू मेरे अन्दर है।
जीवन की.....है।

(यूहन्ना 7:38)

यीशु ने कहा, जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है, उसके हृदय से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेगी।

(3)

सूखी भूमि की तरह प्रभु,
मैं प्यासा हूँ तेरे लिए (2)
रूह की मुझे मामूरी दे,
पूरी शिफा के लिए। (1)
सूखी.....लिए

1. मेरी आँखों को छू, मेरे कानों को छू,
मेरी जुबां को छू।
मेरे हाथों को छू, मेरे पैरों को छू,
मेरे लबों को छू,
मेरा दिल भी तेरे लिए प्रभु,
मेरी जान भी है
तेरे लिए (2)
रूह की.....लिए।

2. मुझे राह दिखा, उसपे चलना सिखा,
अपनी मर्जी मुझे तू बता।
मुझे खुद में बड़ा, अपना दर्शन दिखा
तेरे जैसा मुझे तू बना।
मैं गाऊं तेरे लिए प्रभु,
मैं जीऊं तेरे लिए (2)
रूह की.....लिए।

(भजन संहिता 143:6)

मैं तेरी ओर अपने हाथ फैलाए हुए हूँ, सुखी भूमि के समान मैं तेरा प्यास हूँ।

(4)

लहू से तेरे धुलकर मैं,
साफ हो गया हूँ,
तेरी आत्मा को पाकर प्रभु मैं,
भरपूर हो गया हूँ। (2)
मैं भरपूर हो गया हूँ।

1. पापों में जीवन था मेरा,
राह में था अंधेरा
करता था जो चाहता था,
मैं मेरा न रहा अब प्रभु मैं,
तेरा हो गया हूँ (2)
लहू.....गया हूँ।।

2. सुनी जो तेरी कहानी,
तुझे दे दी अपनी जवानी
तुझे सौंपता हूँ प्रभु मैं,
मेरी पूरी ये जिन्दगानी
दीवाना तेरा हो गया हूँ प्रभु मैं,
तुझमें खो गया हूँ (2)
लहू.....गया हूँ।।

(1 यूहन्ना 1:7)

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चले, तो एक-दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(5)

खाली हाथ न जाएंगे, (2)
यीशु तेरे दरबार से
तेरी रुह से भरकर जाएंगे (2)
आज तेरे दरबार से
खाली हाथ.....से।

1. तेरी रुह से भरे बिना नहीं जाएंगे,
तेरी मर्जी को जाने बिना,नहीं जाएंगे (2)
तेरे प्रेम को भरकर जाएंगे (2)
आज तेरे दरबार से।
खाली.....से।।

2. आज बंधन भी सारे, खुल जाएंगे,
दिल के गम मेरे सारे, बदल जाएंगे (2)
तेरे आनन्द से भरकर जाएंगे (2)
आज तेरे दरबार से।
खाली.....से।।

3. यीशु नाम से तूफान, थम जाएंगे,
मेरे रोग भी सारे चले जाएंगे (2)
पूरी शिफा लेके जाएंगे (2)
आज तेरे दरबार से।
खाली.....से।।

(प्रेरितों के काम 2:2,3,4)

एकाएक आकाश से बड़ी आँधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ और उससे सारा घर जहाँ वे बैठे थे, गूँज गया। और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरा। वे सब पवित्रात्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दो, वे अन्य-अन्य भाषा बोलने लगे।

(6)

पापों की क्षमा, यीशु के लहु में है,
रोगों की शिफा, यीशु के लहु में है। (2)
मेरे दिल को सुकून देने की ताकत,
यीशु के लहू में है। (2)
पापों की क्षमा.....है।

1. लहू ये तेरा कीमती है, सोने से ज्यादा,
लहू ये तेरा कीमती है,चाँदी से ज्यादा(2)
शान्ति और आराम, यीशु के लहू में है
पूरी शिफा का पैगाम, यीशु के लहू में है
मेरे दिल.....है।
पापों की क्षमा.....है।

2. अपनी सोचो को मैं तेरे, लहू में लाता हूँ।
अपनी बातों को मैं तेरे,
लहू में लाता हूँ। (2)
जिन्दगी का मुकाम, यीशु के लहू में है।
मेरी हर पहचान, यीशु के लहू में है।
मेरे दिल.....है।
पापों की क्षमा.....है।

(यशायाह 53:5)

परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, कि उसके कोड़े खाने से हमें चंगे हो जाए।

(7)

जीवन देता है जो नाम (2)
वो है यीशु का नाम,
मेरे यीशु का नाम (4)

1. नामों में ये नाम है ऊँचा,
इससा नहीं है कोई नाम दूजा। (2)
सबसे ऊँचा है, जो नाम (2)
वो है यीशु का नाम,
मेरे यीशु का नाम। (4)

2. सारी मुसीबत दूर है करता,
जीवन में खुशियाँ है भरता। (2)
सबसे मीठा है जो नाम (2)
वो है यीशु का नाम,
मेरे यीशु का नाम। (4)

3. मुझको शिफा तेरे नाम से मिलती,
रूह की मुझको कुव्वत मिलती (2)
सबसे सुन्दर है जो नाम (2)
वो है यीशु का नाम,
मेरे यीशु का नाम (4)

(यूहन्ना 1:12)

परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।

(8)

मेरे यीशु ने मुझको शैतान,
क्रूस पे हराया है(2)
सुन शैतान, तू हारा हुआ है। (4)

1. न जरूरत, मुझको तुझसे
जरा भी डरने की,
अब तो बस एक ही ख्वाइश है,
तुझे कुचलने की (2)
मेरे यीशु ने क्रूस पर तेरा,
तमाशा बनाया है (2)
सुन शैतान, तू हारा हुआ है। (4)

2. अब न तेरी, मीठी बातों में मैं आऊँगा।
अब न तेरी मेज से,
मैं कुछ भी खाऊँगा। (2)
यीशु के लहु ने जलते तेरे,
तीरों को बुझाया है (2)
सुन शैतान, तू हारा हुआ है। (4)

3. हर बीमारी को यीशु के नाम से डाटूंगा
हर लड़ाई को यीशु के नाम से जीतूंगा (2)
यीशु के लहू में मैंने
अपना जीवन छुपाया है (2)
सुन शैतान, तू हारा हुआ है। (4)

(रोमियों 16:20)

शान्ति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पाँवों से शीघ्र कुचलवा देगा। हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुम्तह तुम पर होता रहे।

(9)

सारे जहाँ में जलवा
मसीह का छाने वाला है(2)
मेरा यीशु फिर से आने वाला है(4)

1. बादलों पर आएगा वो,
संग मुझे ले जाएगा वो (2)
एक पल में मेरा, रूप सारा,
बदलने वाला है (2)
मेरा यीशु फिर से आने वाला है। (4)

2. अपने प्रभु के संग रहूँगा,
संतों से मैं बातें करूंगा। (2)
जल्दी ही मेरे सारे दु:खों का
अन्त होने वाला है (2)
मेरा यीशु फिर से आने वाला है। (4)

3. आँसू न होंगे, दु:ख न होगा,
सूरज न होगा, चाँद न होगा। (2)
एक नई दुनिया मेरा प्रभु जी
बनाने वाला है (2)
मेरा यीशु फिर से आने वाला है। (4)

(प्रकाशित वाक्य 22:12)

देख, मैं शीघ्र आने वाला हूँ और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिए प्रतिफल मेरे पास है।

(10)

मार्ग तू, सत्य तू, जिन्दगी भी है तू (2)
सिर्फ तू यीशु, सिर्फ तू। (2)

1. पाप है हरता, श्राप है हरता
सारी खताए, माफ है करता (2)
शांतिदाता है तू, मुक्तिदाता है तू।
सिर्फ तू, यीशु सिर्फ तू। (2)

2. आशीषों की बारिश करता,
जीवन में खुशियां है भरता (2)
जान तू, शान तू, आन तू, मान तू।
सिर्फ तू यीशु, सिर्फ तू। (2)

(यूहन्ना 14:6)

यीशु ने कहा, "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।"

(11)

रहम की तेरी, कसम की तेरी
तेरे मसा की जरूरत है।
यीशु जी मुझे तेरी जरूरत है। (2)

1. मिलती रहे, बरकत तेरी,
होती रही, रहमत तेरी (2)
कुव्वत की तेरी, कुदरत की तेरी,
तेरी शिफा की जरूरत है। यीशु जी....।

2. मिलती रहे, शफकत तेरी,
होती रहे, शौहरत तेरी (2)
हिफाजत की तेरी, रिफाकत की तेरी,
तेरी वफा की जरूरत है। यीशु जी.....।

3. जय जय बोलू, अब्बा तेरी,
जय जय बोलू, यस्सू तेरी, (2)
मोहब्बत की तेरी, शिरकत की तेरी,
सिर्फ एक तेरी ही जरूरत है।यीशु जी.।

(यशायाह 40:31)

परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

(12)

तेरे वचन पे आस लगी है,
मेरी रूह को खुदा की प्यास लगी है (2)

1. जीवन की रोटी की भूख लगी है,
जीवन के पानी की प्यास लगी है, (2)
वादों पे तेरे आस लगी है,
मेरी रुह को खुदा की प्यास लगी है (2)

2. हिम्मत मुझे वचन से है मिलती,
बरकत मुझे वचन से है मिलती, (2)
बातों की तेरी आस लगी है,
मेरी रुह को खुदा की प्यास लगी है (2)

(मती 5:6)

धन्य है वे, जो धर्म के भूखे और प्यासे है, क्योंकि वे तृप्त किये जाएंगे।

(13)

यीशु तेरा धन्यवाद, प्रभु तेरा धन्यवाद (2)

1. राजाओं के राजा का धन्यवाद,
प्रभुओं के प्रभु का धन्यवाद।। (2)

2. मुक्तिदाता यीशु का धन्यवाद,
जीवनदाता यीशु का धन्यवाद।। (2)

3. तेरे कोढ़े खाने का धन्यवाद,
तेरे खून बहाने का धन्यवाद।। (2)

(भजन संहिता 136:3)

जो प्रभुओं का प्रभु है, उसका धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है।

(14)

मेरे जीवन को मेरे प्रभु जी,
तुझको मैं देता हूँ। (2)

1. आँखों से देखूँ, जो तू चाहें,
होठों से बोलूँ, जो तुझको भाए,
अपने दिल को, मेरे प्रभु जी,
तुझको मैं देता हूँ।

2. रूह में तू बसजा, यीशु मेरे,
सोचो को छू ले, मुन्जी मेरे,
अपनी रुह को, मेरे प्रभु जी,
तुझको मैं देता हूँ।

3. जीवन से मेरे, तू महिमा पाए,
तुझमें ये जीवन, बढ़ता ही जाए,
अपनी देह को, मेरे प्रभु जी,
तुझको मैं देता हूँ।

(रोमियों 12:1)

इसलिए हे भाईयों, मैं तुमसे परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित और पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ।

(15)

तेरी जय जय हो यीशु (2)
जय यीशु।। (8)

1. जिसकी महिमा अपरम्पार
शान्ति का जो है राजकुमार। (2)
वो है, मेरा प्रभु यीशु (2)
जय यीशु।। (8)

2. जो मेरे कारण घायल हुआ,
जो मेरे कारण कुचला गया। (2)
वो है, मेरा प्रभु यीशु (2)
जय यीशु।। (8)

(प्रकाशितवाक्य 17:14)

वे मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा, क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु और राजाओं का राजा है, और जो बुलाए हुए और चुने हुए और विश्वासी है वे उसके साथ है, वे भी जय पाएँगे।

(16)

देकर लहू तूने अपना,
मेरा दाम चुकाया है,
अपनी जान को कर कुबा,
मेरी जॉ को बचाया है।

1. पीठ पे कोढ़ों की मार को खाया,
सिर पर कांटों का ताज उठाया,
क्रूस पे कलवरी के तूने,
मेरा बोझ उठाया है।

2. निर्बल से मुझको बलवान बनाया,
निर्धन से मुझको धनवान बनाया,
रूह से अपनी, भरकर तूने,
मुझे खुद में मिलाया है।

(प्रकाशित वाक्य 5:9)

वे यह गीत गाने लगें "तू इस पुस्तक के लेने और इसकी मुहरें खोलने के योग्य है, क्योंकि तूने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति में से परमेश्वर के लिए लोगों को मोल लिया है।

(17)

मुझे देश में अपने जाना है,
मैं तो परदेसी हूँ।
ये दुनिया न मेरा ठिकाना है,
मैं तो परदेसी हूँ।

1. आएगा यीशु, मुझे ले जाने को,
संतों संग स्वर्ग में, होसन्ना गाने को(2)
मुझे अबदी जीवन पाना है,
मैं तो परदेसी हूँ।

2. कितना वो सुन्दर, समा होगा,
मेरे संग मेरा, खुदा होगा। (2)
ये जहाँ मेरे लिए बेगाना है,
मैं तो परदेसी हूँ।

(1 पतरस 2:11)

हे प्रियों, मैं तुमसे विनती करता हूँ कि तुम अपने आपको परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।

(18)

जब तू है चरवाहा मेरा,
मुझे कैसी घटी होगी।
यीशु मसीह मुन्जी मेरा,
मुझे कैसी कमी होगी।।

1. हर अन्धकार की ताकत से,
मुझको बचाता है,
शैतान की हर एक चाल से,
मुझको छुड़ाता है।
जब प्यारा यीशु साथी मेरा,
मुझे कैसी दिक्कत होगी।

2. जब-जब गिरता हूँ मुझको, तू उठता है,
जब-जब पुकारूँ मैं तुझको,
तू मेरी सुनता है।
जब पाक रूह है साथी मेरा,
मुझे कैसी फिकर होगी।

(भजन-संहिता 23:1)

यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।

(19)

आदर और महिमा, यीशु के लिए,
स्तुति प्रशंसा, यीशु के लिए।
हा-हाल्लेलूय्यां, हा-हालेलूय्यां।

1. जीवन की रोटी, यीशु ही है,
जीवन का जल भी, यीशु ही है।
धन्यवाद की भेंटे, यीशु के लिए,
होठों के बलिदान, यीशु के लिए।
हा-हालेलूय्यां, हा-हालेलूय्यां।

2. मार्ग, सत्य, जीवन, यीशु ही है।
जगत की ज्योति यीशु ही है।
मेरी आराधना, यीशु के लिए,
मेरा दिल, मेरी जान, यीशु के लिए।
हा-हालेलूय्यां, हा-हालेलूय्यां।

(रोमियों 11:36)

क्योंकि उसी की ओर से, और उसी के द्वारा और उसी के लिए सब कुछ है। उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे आमीन।

(20)

कौन मसीह मुझे तेरे,
प्रेम से जुदा करेगा (2)
कौन तेरे जैसी यीशु (2)
मुझसे वफा करेगा।

1. न अकाल, न बीमारी,
न गरीबी, न लाचारी। (2)
कौन तेरे जैसी यीशु (2)
मुझपे दया करेगा।

2. न हि संकट, न हि जोखिम,
न हि मृत्यु, न हि जीवन। (2)
कौन तेरे जैसी यीशु (2)
मुझपे कृपा करेगा।

(रोमियो 8:35, 37)

कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम या तलवार? परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है,जयवन्त से भी बढ़कर है।

(21)

हिम्मत बांधो, जगत को यीशु ने,
जीत लिया है। (2)

1. निरुपाए हो तो, निराश न हो,
गिरे हो अगर, उठो, आगे बढ़ो। (2)
तेरी हर निराशा को यीशू ने,
जीत लिया है। (2)

2. व्याकुल हो, विश्वास करो,
बीमारी में हो तो, प्रार्थना करो। (2)
तेरी हर बीमारी को यीशु ने,
जीत लिया है। (2)

(यूहन्ना 16:33)

संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढस बाँधो, मैंने संसार को जीत लिया है।

(22)

तुझसे ही है, मेरी सुबह,
तुझसे ही हर शाम,
गाता हूँ मैं गीत तेरे ही (2)
भजता तेरा नाम।।
मैं भजता तेरा नाम।।

1. चाहे मैं आकाश में जाऊँ, हैं वहाँ भी तू,
चाहे मैं सागर में उतरूँ,
है वहाँ भी तू। (2)
सारी सृष्टि तेरी रचना,
सबसे तू महान। (2)

2. मेरा सारा चलना-फिरना, देखता है तू,
मेरे मन की ख्वाहिशों को,
जानता है तू (2)
मेरा मुझमें कुछ नहीं अब,
सब है तेरे नाम। (2)

(भजन संहिता 148:13)

यहोवा के नाम की स्तुति करो, क्योंकि केवल उसी का नाम महान है, उसका ऐश्वर्य पृथ्वी और आकाश के ऊपर है।

(23)

धन्य (3) तेरा नाम, धन्य है तेरा नाम,
यीशु तू है महान (2)

1. जीवन का मेरे, तू संगीत है,
तू ही तो मेरा, सच्चा मीत है। (2)
तू ही तो है सर्वशक्तिमान,
धन्य है तेरा नाम, यीशु तू है महान।।

2. यहोवा के दूतों, उसको धन्य कहो,
हे सारी पृथ्वी, उसको धन्य कहो। (2)

तू ही तो है, करुणा-निधान,
धन्य है तेरा नाम, यीशु तू है महान।।

(भजन संहिता 103:1)

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह और जो कुछ मुझ में है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे।

(24)

ठनठनाता पीतल हूँ और
झनझनाती झाँझ हूँ,
प्रेम बिना यीशु तेरे मैं,
मुर्दा हूँ, बेजान हूँ।।

1. चाहे हटा दूँ, पहाड़ों को मैं,
चाहे भेद की बाते बोलूं।।
चाहे जलाने दे दूँ, देह को,
चाहे दौलत बाँट दूँ।।
प्रेम बिना.....बेजान हूँ।।
2. प्रेम तेरा न कभी ये टलता,
न कभी ये मिटता है।
प्रेम की तेरी रीत निराली,
इससे न अन्जान हूँ।।
प्रेम बिना.....बेजान हूँ।।

(1 कुरिन्थियों 13:1)

यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियों बोलूँ और प्रेम न रखूँ,वो मैं ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झाँझ हूँ।

(25)

कब्र तेरी, मेरे यीशु जी,
आज भी खाली है(2)
तू कितना जलाली है(2)

1. पाप न करके, पापी बना तू,
कोढ़ों का दर्द सहा,
हाथों और पैरों में, कीले ठुकवाई,
क्रूस पे खून बहा।
प्रेम की तेरी, मेरे प्रभु जी,
रीत निराली है (2)
तू कितना जलाली है (2)
2. जिन्दा होकर, मेरे यीशु ने,
मौत को मार दिया,
क्रूस पे देकर, जान अपनी,
हमको बचा लिया,
डूबती तूने, कश्ती मेरी,
प्रभु सम्भाली हैं (2)
तू कितना जलाली है (2)

(मरकुस 16:4,6)

जब उन्होंने आँख उठाई, तो देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ है, वह बहुत ही बड़ है। स्वर्गदूत ने उनसे कहा, "चकित मत हो, ढूँढती हो। वही जी उठा है, यहाँ नहीं है, देखो, यह वह स्थान है, जहाँ उन्होंने उसे रखा था।

(26)

पत्थर की कोई मूरत नहीं,
वो जिन्दा खुदावन्द मेरा है।
मेरी रूह में उसकी रूह बसी है,
मेरे दिल में उसका बसेरा है।।

1. पत्थर का मुँह तो रहता है,
पर बोल नहीं वो सकता है,
पत्थर की आँख वो रहती है,
पर देख नहीं वो सकता है,
मेरा यीशु देखता है मुझको,
और बात वो मुझसे करता है।
मेरी रूह.....बसेरा है।।
2. पत्थर के हाथ वो रहते हैं,
पर कर वो कुछ नहीं सकता है,
पत्थर के पांव वो रहते हैं,
पर चल वो कभी नहीं सकता है,
मेरी यीशु छूता है मुझको,
और साथ वो मेरे चलता है।
मेरी रूह.....बसेरा है।।

(प्रकाशित वाक्य 1:18)

मैं मर गया था, और अब देख मैं युगानुयुग जीवता हूँ, और मृत्यु और अधोलोक की कुन्जियाँ मेरे ही पास है।

(27)

तेरे जैसा बनना है, तेरा संग मुझे चाहिए,
तेरे जैसा दिखना है,
तेरा रंग मुझे चाहिए। (2) यीशु मेरे (4)

1. तेरे बिन मैं कुछ नहीं,
बिन तेरे कहीं सुख नहीं (2)
मेरे गीत में मुझे प्रभु,
तेरा संगीत चाहिए (2)
यीशु मेरे (4)
2. तुझमें ही मेरी जीत है,
तू ही मन का मेरे मीत है (2)
मुझे तुझमें बढ़ना है,
तेरा दर्शन चाहिए (2)
यीशु मेरे (4)

(2 कुरिन्थियों 3:18)

परन्तु जब हम सबके उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, वो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश करके बदलते जाते हैं।

(28)

होसन्ना हालेलूय्यां (2)

1. राजाओं का राजा है,
प्रभुओं का वो प्रभु है। (2)
2. शक्ति का वो राजा है,
मेरा जीवन दाता है। (2)
3. अनुग्रहकारी विधाता है,
पापों को मेरे मिटाता है। (2)
4. प्यार वो मुझसे करता है,
क्रोध विलम्ब से करता है। (2)
5. विनती वो मेरी सुनता है,
करुणा वो मुझ पर करता है। (2)

(मंत्री 21:9)

जो भीड़ आगे-आगे जाती और पीछे-पीछे चली आती थी,पुकार-पुकारकर कहती थी, दाऊद के सन्तान को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है,आकाश में होशाना।

(29)

चाहे खाऊँ, चाहे पीऊँ,
तुझे महिमा उससे मिलें,
जीवन में करूँ मैं, जो कुछ भी,
यीशु महिमा तुझको मिलें।

1. मैं गाऊँ बस, अब तेरे लिए,
मैं नाचूँ बस, अब तेरे लिए,
चाहे चलूँ, चाहे बैठूँ,
तुझे महिमा उससे मिलें।

2. आखों से देखूं मैं, तेरे लिए
कानों से सुनूँ मैं, तेरे लिए
चाहे सोचू, चाहे बोलू,
तुझे महिमा उससे मिलें।

(1 कुरिन्थियो 10:31)

सो तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो।

(30)

तेरी दया के सिंहासन के पास मैं आता हूँ,
भजता तेरा नाम, तेरे ही गीत गाता हूँ।

1. मेरी आशा तू ही है, तू ही मेरी आँस है,
मेरी ताकत तू ही है, तू ही मेरी सॉस है,
अपने जीवन को मैं तेरे, हाथ में देता हूँ।
भजता तेरा नाम तेरे ही, गीत गाता हूँ।

2. नाम में ऐसी कुदरत है,
पूरी होती हसरत है,
लहु में ऐसी कुव्वत है,
मिलती मुझे हिफाजत है।
लेकर तेरे नाम को तेरे, लहु में आता हूँ।
भजता तेरा नाम तेरे ही, गीत गाता हूँ।

(इब्रानियो 4:16)

इसलिए आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाब बांधकर चले कि हम पर दया हो और वह अनुग्रह पाए जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करें।

(31)

मेरी चाहत भी है तू,
मेरी राहत भी है तू,
तू ही है प्रभु मेरी ताकत,
मेरी आरजू है तू।

1. माफ भी करता, साफ भी करता (2)
पार भी करता तू।
तू ही है प्रभु मेरी ज्योति,
मेरा हमराही है तू।

2. मेरी हर एक सांस में तू है,
मेरी हर एक बात में तू है। (1)
जीवन मेरा तू।
मेरे गीतों में बस तू ही प्रभु,
मेरे दिल में यीशु तू।

(भजन संहिता 28:7)

यहोवा मेरा बल और मेरी ढाल है, उस पर भरोसा रखने से मेरे मन को सहायता मिली है, इसलिए मेरा हृदय प्रफुल्लित है, और मैं गीत गाकर उसका धन्यवाद करूँगा।

(32)

विनती को मेरी, तू सुन ले प्रभु
तेरे दर पर आया हूँ। (2)
तन, मन, धन, सब तुझे देता हूँ(2)
तेरे दर पर आया हूँ।

1. सब कुछ है तेरा, मेरे प्रभु,
मैं तुझे क्या दे सकता हूँ। (2)
हृदय अर्पण को लाया हूँ। (2)
तेरे दर पर आया हूँ।

2. सागर तू दया का,
मेरे प्रभु, तुझमें डूबा हूँ। (2)
जीवन अर्पण को लाया हूँ (2)
तेरे दर पर आया हूँ। (2)

(भजन संहिता 143:1)

हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन, मेरे गिड़गिड़ाने की ओर कान लगा। तू जो सच्चा और धर्म है, इसलिए मेरी सुन ले।

(33)

लहू को तेरे मैं पीता हूँ और
देह को तेरी खाता हूँ(2)
सारी खताओं को मानकर,
तेरे पास प्रभु मैं आता हूँ।

1. अब मेरा जीना तुझमें मसीह,
अब मेरा मरना तुझमें मसीह, (2)
तू ही है मसीह जीने की वजह
तुझ ही में मरना चाहता हूँ।

2. आज तेरी फिर कुर्बानी हो,
याद प्रभु मैं करता हूँ। (2)
यीशु तू प्रभु मेरा है,
दुनिया से ये कहना चाहता हूँ।

(यूहन्ना 6:54)

जो मेरा माँस खाता और मेरा लहू पीता है, अनन्त जीवन उसी का है, और मैं उसे अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँगा।

(34)

हम्दा सन्ना हो तेरी, पाक यहोवा मेरे,
रखता ईमान मैं तुझ पर,
जपता नाम को तेरे।

1. यहोवा यिरे तू है,
जरूरत को पूरा करता जो है।
यहोवा निस्सी तू है,
शत्रु पे जीत दिलाता जो है।

2. यहोवा राफा तू है,
मुझको चंगा करता जो है।
यहोवा शम्मा तू है,
संग-संग मेरे रहता जो है।

3. यहोवा शालोम तू है,
शांति से अपनी भरता जो है।
यहोवा रोही भी तू है,
मेरा अच्छा चरवाहा जो है।

(भजन संहिता 86:12, 13)

हे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर, मैं अपने सम्पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूंगा, और तेरे नाम की महिमा सदा करता रहूँगा। क्योंकि तेरी करुणा मेरे ऊपर बड़ी है, और तूने मुझे अधोलोक की तह में जाने से बचा लिया है।

(35)

लहू चाहिए, मुझे लहू चाहिए,
खुदा के बर्रे का लहू चाहिए। (2)

1. रूहे पाक ने दे दी जमानत है,
लहू पाक ने दे दी हिफाजत है। (2)
मसा चाहिए, मुझे मसा चाहिए (2)
खुदा के बर्रे का लहू चाहिए।

2. लहू में तेरे कुव्वत है,
अजब, कमाल, कुदरत है। (2)
फजल चाहिए, मुझे फजल चाहिए (2)
खुदा के बर्रे का लहू चाहिए।

3. लहू तेरा पापों का धोता है,
रोगों को दूर भी करता है। (2)
शिफा चाहिए, मुझे शिफा चाहिए (2)
खुदा के बर्रे का लहू चाहिए।

(1 पतरस 1:18, 19)

हमारा छुटकारा चाँदी-सोने अर्थात् नाशवान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ, पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने, अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ है।

(36)

न रथों पे प्रभु न हि घोड़ों पे, (2)
इमान मेरा, यीशु तुझे पे ही है। (2)

1. तू ही तो है, जो बदलना नहीं, (2)
तेरा कलाम, भी टलता नहीं (2)
तेरा कलाम, भी टलता नहीं (1)
न बल पे प्रभु, न हि धन पे
ईमान मेरा, यीशु तुझे पे ही है। (2)

2. ये जहाँ तो सारा, मिट जाएगा,
कुछ भी तो काम, में न आएगा। (2)
कुछ भी तो काम, में न आएगा। (1)
न खुद पे प्रभु, न किसी और पे
ईमान मेरा, यीशु तुझे पे ही है। (2)

(भजन संहिता 20:7)

किसी को रथों का और किसी को घोड़ो का भरोसा है, परन्तु हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।

(37)

जो कर सकता है, तेरे पाप क्षमा (1)
वो है यीशु मसीह (2)
जो दे सकता है, रोगों से शिफा (1)
वो है यीशु मसीह (6)

1. कष्टों से वो दूर है कर करता,
दिल को सूकन से अपने भरता। (2)
जो बन सकता है, तेरे गम की दवा (1)
वो है यीशु मसीह (2)
जो कर सकता है,
माफ एक और दफा (1)
वो है यीशु मसीह (6)

2. गिरते हुओं को, वो है उठाता,
बोझ दिलों से दूर हटाता। (2)
जो कर सकता है, तुझपे अपनी दया (1)
वो है यीशु मसीह (2)
जो दे सकता है, तुझको जीवन नया (1)
वो है यीशु मसीह (6)

(प्रेरितों के काम 4:12)

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

(38)

मुख पे तू मेरे पहरा बैठा,
मेरे होठों को छूले पवित्रात्मा (2)

1. पापों को अपने मैं मानता हूँ,
जो मैंने बोला, वो जानता हूँ। (2)
शुद्ध मन तू मुझमें उत्पन्न कर,
मुझको तू दे दे, स्थिर आत्मा। (2)

2. दुनिया की बातों से क्या, मुझको लेना
तेरे वचन को मैं थामता हूँ। (2)
सामर्थ से अपनी मुझको तू भर
सुन ले प्रभु मेरी प्रार्थना। (2)

(भजन संहिता 141:3)

हे यहोवा ! मेरे मुख पर पहरा बैठा मेरे होठों के द्वार की रखवाली कर।

(39)

प्रभु मेरे तू सर्वशक्तिमान है,
यीशु मेरे तू कितना महान है। (2)

1. दुखियों के तू दुःख है हरता,
पतितों के तू बचाता प्राण। (2)
भटके हुओं को राह दिखाता,
निबुर्दियों को देता ज्ञान
प्रभु मेरे तू बड़ा दयावान है,
यीशु मेरे तू कितना महान है। (1)

2. फँसे हुओं को किनारा देता,
रोगी पर देता ध्यान। (2)
टूटे हुओं को सहारा देता।
भक्तों को तू रखता मान (1)
प्रभु मेरे तू करुणा निधान है,
यीशु मेरे तू कितना महान है। (1)

(भजन संहिता 147:5)

हमारा प्रभु महान और अति सामर्थी है, उसकी बुद्धि अपरम्पार है।

(40)

जयवन्त से भी मैं, बढ़कर हूँ,
यीशु मसीह तुझमें,
अब एक नहीं मैं, सृष्टि हूँ,
यीशु मसीह तुझमें। (2)

1. अपने रूप में मुझे बनाया,
रूह से अपनी मुझे जिलाया। (2)
चुना हुआ एक वंश हूँ,
यीशु मसीह तुझमें।

2. पापों के जाल से मुझे छुड़ाया,
आग की झील से मुझे बचाया। (2)
अधर्मी से धर्मी हूँ, यीशु मसीह तुझमें।

3. आशा से अपनी आशान्वित किया,
आनन्द से अपने आनन्दित किया। (2)
सियोन देश का वासी हूँ,
यीशु मसीह तुझमें।

(रोमियों 8:37)

परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हमसे प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर है।

(41)

तुझको देना चाहता है, सब आशीषे वो (2)
क्या है कहता यीशु तुझसे, सुन जरा तू वो।
जरा गहरे में ले चल (2)
जरा गहरे में, जरा गहरे में (6)
आ... जरा गहरे में ले चल (2)

1. माफ करना चाहता है,
साफ करना चाहता है (2)
तुझको भरना चाहता है,
अपनी रूह से वो (2)
क्या है कहता यीशु तुझसे,
सुन जरा तू वो।
जरा गहरे में ले चल (2) जरा.....

2. विनती सुनना चाहता है,
मुक्ति देना चाहता है (2)
पूरी करना चाहता है, हर उम्मीदे वो (2)
क्या कहता यीशु तुझसे, सुन जरा तू वो।
जरा गहरे में ले चल (2) जरा.....

(लूका 5:4)

यीशु ने शमौन से कहा, गहिरे में ले चल, और मछलियां पकड़ने के लिए अपने जाल डालो।

(42)

आत्मा की आग लगा दे,
मेरे यीशु प्यारे मसीहा (2)
फिर से वो जलवा दिखा दे (2)
मेरे यीशु प्यारे मसीहा।
आत्मा की आग लगा दे,
मेरे यीशु प्यारे मसीहा (2)

1. पापों से हमको क्षमा दे,
   रोगों से सबको शिफा दे (2)
   बदरूहों से है जो सताए,
   नजात तू उनको खुदा दे (2)
   फिर से वो जलवा.....।
   आत्मा की.....
2. अन्धों को फिर से दे आँखें,
   गूँगों को बोली तू दे दे (2)
   जिसकी भी नहीं फँसी है,
   तूफान से उसको बचा ले (2)
   फिर से वो जलवा.....।
   आत्मा की.....
3. वो ही आत्मा की आग तू दे दे,
   रूहे पाक से हमको तू भर
   जरूरत है तेरी मसीहा,
   तेरा जलवा तू हमको दिखा दे (2)
   फिर से वो जलवा.....।
   आत्मा की.....

(प्रेरितों के काम 2:3)

और उन्हें आग की सी जीभे फटती हुई दिखाई दी, और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।

(43)

यीशु-यीशु, मेरा मालिक तू बन जा (2)
मुझे राह दिखा, उसपे चलना सिखा,
मेरा राहबर तू बन जा।
यीशु-यीशु, मेरा मालिक तू बन जा (2)

1. राह की रौशनी, तू ही तो है,
   जीवन की रोटी भी, तू ही तो है। (2)
   रौशनी तू दिखा, कलामे पाक सिखा।
   मेरा चारागर तू बन जा।
   यीशु-यीशु, मेरा मालिक तू बन जा(2)
2. तुझमें है कुव्वत, तुझमें क्षमा,
   तुझमें है कुदरत, तुझमें शिफा (2)
   लहू से धोधे मुझे, रूह से भर दे मुझे,
   मेरी सांसों में तू बस जा।
   यीशु-यीशु, मेरा मालिक तू बन जा(2)

(यूहन्ना 14:6)

यीशु ने कहा, "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ।"

(44)

राजाओं का, तू है राजा
प्रभुओं का प्रभु तू है,
तू ही अल्फा, तू ओमेगा,
आदि और अन्त तू है। (2)

1. शक्ति तेरी अपार है, बुद्धि असीमित हैं।
   करुणा तेरी सदा की है,
   हर जगह तू उपस्थित है। राजाओं का...
2. स्वर्ग तेरा सिंहासन है, पृथ्वी तेरी चौकी,
   जीवन का जल तू है,
   तू ही जीवन की रोटी। राजाओं का.....।

(भजन 136:3)

जो प्रभुओं का प्रभु मैं, उसका धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है।

(45)

आएगा राजा मेरा,
बादलों पे होके सवार (2)
संग मेरे होगा, यीशु मेरा,
मैं करुंगा उसका दीदार (2)

1. मेरे सारे गम, मिट जाएंगे,
   मेरे सारे रोग, भी चले जाएंगे (2)
   यीशु के नाम की होगी पुकार,
   मैं करूंगा उसका दीदार। (1)
   आएगा राजा.....।
2. दुनिया ये सारी, मिट जाएगी,
   नई एक दुनिया, बन जाएगी (2)
   खुशियों की होगी बहार,
   मैं करूंगा उसका दीदार। (1)
   आएगा राजा.....।

(प्रकाशित वाक्य 22:20)

हाँ, मैं शीघ्र आने वाला हूँ। आमीन् ! हे प्रभु यीशु आ।

(46)

दर सज गया है, स्वर्ग खुल गया है (2)
यीशु जी आइए, यीशु जी आइए।
अपना जलवा हमें भी तो दिखलाइए
यीशु जी आइए, यीशु जी आइए (4)

1. चार दिन का पड़ा था, वो मुर्दा वहाँ,
   तूने रहमों करम की थी,
   डाली निगाह (2)
   ऐसा रहमत हमें भी तो दिखलाइए।
   यीशु जी.....
2. जैसे मूसा पे चमकी, तेरी रौशनी,
   जैसे नबियो पे तेरी थी,
   रहमत बनी। (2)
   ऐसी रहमत हमें भी तो दिखलाइए।
   यीशु जी.....
3. तेरी कुव्वत बड़ी, तेरी कुदरत बड़ी,
   तू है सबसे बड़ा,तू जलाली मसीह।(2)
   तेरा जलवा हमें, भी तो दिखलाइए।
   यीशु जी.....

(प्रेरितों 7:56)

देखो, मैं स्वर्ग को खुला हुआ, और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा देखता हूँ।

(47)

लहू से अपने, धोले मुझे तेरे,
पास मैं आता हूँ।
तुझ ही से है, आशा मेरी तेरे,
गीत मैं गाता हूँ।

1. मेरे लिए तूने मार खाई,
मेरे लिए तू जख्मी हुआ
मेरे लिए तूने खाए कोढ़े,
मेरे लिए तेरा खून बहा
चरणों में अपने, लेले मुझे,
तेरे पास मैं आता हूँ।
तुझ ही.....।

2. जीवन का दिया ताज मुझको,
ताज काँटों का खुद ने लिया,
हाथों पैरों में कीले गड़ी थी,
फिर भी सबको माफ किया।
बाहों में अपनी ले ले मुझे,
तेरे पास मैं आता हूँ।
तुझ ही.....।

3. मरके भी तू जिंदा हुआ,
मौत को तूने हरा दिया,
वादे को अपने पूरा किया और
रूह को अपनी भेज दिया।
रूह से अपनी भर दे,
मुझे तेरे, पास मैं आता हूँ।
तुझ ही से है, आशा मेरी,
तेरे, गीत मैं गाता हूँ।

(1 यूहन्ना 1:7)

यीशू का लहू, हमें हमारे सारे पापों से शुद्ध करता है।

(48)

हम जय जय करते, यीशु तेरी (4)
हमें जय भी वो मिलती है, जय से तेरी (2)

1. चाहे मुसीबत जो भी आए,
मुख से जय तेरी हट न पाए (2)
चाहे शैतान कितना सताए,
जय जयकार तेरी हम गाए। (1)
होती रहे रहमत तेरी,
होती रहे बरकत तेरी,
हम जय जय करते.....।

2. जय जयकार के नारे लगते,
दु:ख, गम सारे, कटे के गिरते (2)
दूर है होती, हर एक बीमारी,
जय जयकार तेरी जब करते। (1)
होती रहे शफरत तेरी,
होती रहे शौहरत तेरी,
हम जय जय करते

(1 कुरि. 15:57)

परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जीवन्त करता है।

(49)

सिर्फ तेरी ही, कबर है खाली,
इसलिए तेरे दर पे खड़े हैं। (2)
एक तू ही, जिंदा मसीहा
बाकि सारे तो, मुर्दे पड़े हैं। (2)

1. तू है परमप्रधान, तू है करुणा निधान,
तू है कितना बड़ा,
तू है कितना महान। (2)
एक तू ही है सच्चा मसीहा (2)
बाकि सारे तो झूठे पड़े हैं।

2. तू है सिरजनहार, तू है पालनहार,
तू है तारणहार, तू है मेरा आधार (2)
एक तू ही है पाक मसीह (2)
बाकि सारे तो पापी पड़े हैं।

(लूका 24:2)

उन्होंने पत्थर को कब्र पर से लुढ़का हुआ पाया।

(50)

नहीं जावंगा, नहीं जावंगा,
पाक रूह दे मसा बिड़, नहीं जावंगा (2)
अब जीना मरना, ते सब तेरे नाल (2)
दर नू तेरे छड़ ते मैं, किथ्ये जावंगा। (1)

1. पाक रूह दे मसा विच बरकत है,
पाह रूह दे मसा विच रहमत है। (2)
दे दे मसा दे दे (2)
दे दे मसा दे, मसा दे, मसा दे दे (2)

2. पाक रूह दे मसा विच कुव्वत है,
पाक रूह दे मसा विच कुदरत है। (2)
दे दे मसा दे दे (2)
दे दे मसा दे, मसा दे, मसा दे दे (2)

3. पाक रूह दे मसा विच शफकत है,
पाक रूह दे मसा विच शिरकत है। (2)
दे दे मसा दे दे (2)
दे दे मसा दे, मसा दे, मसा दे दे (2)

(प्रेरितों 2:17)

परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंड़ेलूंगा।

(51)

यीशु नाम में है जिंदगी,
यीशु नाम में है बंदगी,
यीशु नाम में है रौशनी,
यीशु नाम में है ताजगी।
मैं बोलू यीशु-यीशु (8)

1. नाम यीशु का सबसे आला,
नाम यीशु का सबसे सुन्दर। (2)
मैं बोलूं यीशु-यीशु (8)

2. नाम यीशु से, मिलती हिम्मत,
नाम यीशु से, मिलती बरकत। (2)
मैं बोलू यीशु-यीशु (8)

3. नाम यीशु का मेरी शिफा है,
नाम यीशु का मेरी बका हैं। (2)
मैं बोलू यीशु-यीशु (8)

(रोमियों 10:13)

जे कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।

(52)

हुकूमत भी तेरी है,
और कुव्वत भी तेरी है (2)
मैं भी तो हूँ तेरा (2)
मेरी जिंदगी तेरी है।

1. रहमत भी, तेरी प्रभु,
और बरकत भी, तेरी है। (2)
आसमा भी तेरा (2)
ये जमीन भी तेरी है। हुकुमत.....

2. मेरा दिल भी है तेरा प्रभु,
मेरी जान भी तो तेरी है। (2)
मेरा जिस्म तेरा मंदिर (2)
मेरी रूह भी तेरी है। हुकुमत.....

(भजन 62:11)

परमेश्वर ने एक बार कहा है, और दो बार मैं ने यह सुना कि सामर्थ्य परमेश्वर का है।

(53)

तेरी सूरत मुझे चाहिए,
तेरी सीरत मुझे चाहिए,
है यही बस तमन्ना मेरी,
तेरे रुह का मसा चाहिए,
पाक रूह का (3) मसा चाहिए (2)
पाक रूह का मसा चाहिए (4)(ऊँचा)
पाक रूह का मसा चाहिए(4)(नीचों)

2. बंगला–गाड़ी
3. रूतबा–पैसा
4. आई–फोन – लैपटॉप

(मती 6:33)

पहले तुम परमेश्वर के राज्य और धर्म की खोज करो, तो ये सारी वस्तुएँ भी तुम्हें दे दी जाएंगी।

(54)

बारिश रूह की बरसा (4)

1. धोता हूँ मैले पापों को (2)
साफ मैं खुद को करता (2)
कहता हूँ खुदाबन्द तुझसे (2)
लहू तू मुझपे बरसा (1)
बारिश रूह की बरसा (4)

2. रूह का तेरे मैं हूँ प्यासा (2)
आस मैं तुझसे रखता (2)
कहता हूँ खुदावन्द तुझसे (2)
रूह तू मुझपे बरसा (1)
बारिश रूह की बरसा (4)

(इफिसियों 5:18)

दाखरस के मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।

(55)

1. मेरा चलना मेरा फिरना (2)
मेरा जीना मेरा मरना (2)
सब है यीशु तेरे लिए (1)
यीशु तेरे लिए (8)

2. मेरी मुक्ति, मेरी शक्ति (2)
मेरी शान्ति, मेरी भक्ति (2)
सब है यीशु तेरे लिए (1)
यीशु तेरे लिए (8)

3. सारी स्तुति, सारी जीवन (2)
सारा बल और सारा तन मन (2)
सब है यीशु तेरे लिए (1)
यीशु तेरे लिए (8)

(1 कुरिन्थिओं 10:31)

जो कुछ तुम करो, परमेश्वर की महिमा के लिए करो।

(56)

दिल से मेरा विश्वास है, और
मुँह से अंगीकार (2)
लहू से तेरे मिली है क्षमा,
लहू से मिला है करार (2)

1. मेरी हिम्मत, लहू से ही है,
मेरी ताकत, लहू से ही है (2)
लहू से तेरे, खिली कलियाँ,
लहू से आयी है बहार (1) दिल से.....

2. मरहम और दवा, लहू में ही है,
मुकम्मल शिफा, लहू में ही है (2)
लहू से तेरे, मिली खुशियाँ,
लहू से मिला है, दुलार (1) दिल से.....

(1 यूहन्ना 1:7)

यीशु का लहू हमें हमारे सारे पापों से शुद्ध करता है।

(57)

रूहे पाक खुदावन्दा, मैं हूँ तेरा बन्दा (2)
मैं हूँ तेरा बन्दा (4)

1. तुझसे ही मेरी आस लगी है,
तेरे रूह की प्यास लगी है। (2)
कर दे सब चंगा, मैं हूँ तेरा बन्दा (1)
रूहे पाक.....बन्दा।

2. अपने रूह की आग से भर दे,
अपने जैसा मुझको कर दे (2)
अब न रहूँ अन्धा, मैं हूँ तेरा बन्दा (1)
रूहे पाक.....बन्दा।

(रोमियों 1:6)

जिनमें से तुम भी यीशु मसीह के होने के लिए बुलाए गए हो।

(58)

छू पाक रूह (4) मुझे छू (4)

1. छूने से तेरे बरकत मिले,
छूने से तेरे हिम्मत मिले (2) मुझे छू (4)
छू पाक रूह.....।

2. छूने से तेरे कुव्वत मिले,
छूने से तेरे रहमत मिले (2) मुझे छू (4)
छू पाक रूह.....।

3. छूने से तेरे चंगाई मिले,
छूने से तेर रिहाई मिले (2) मुझे छू (4)
छू पाक रूह.....।

(2:17)

परमेश्वर कहता मैं, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा।

(59)

माँ की तरह मुझको, प्यार करता यीशु (4)
प्यार करता यीशु (4)

1. छोड़े, न त्यागे, न भूले मुझे,
हाथों में अपने, संभाले मुझे। (2)
माँ की तरह मुझको,
तसल्ली है देता यीशु (1)
माँ की तरह मुझको,
प्यार करता यीशु (2)

2. कष्टों से मेरे, छुड़ाता मुझे,
पंखों में अपने, छुपाता मुझे। (2)
माँ की तरह मुझको,
दुलार करता यीशु (1)
माँ की तरह मुझको,
प्यार करता यीशु (2)

(यशायाह 49:15)

माता अपने दूध पिउवे बच्चे को भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता।

(60)

1. अपने वादे नू पूरा कर दें,
सब नू अपनी रूह नाल भर दे (2)
रूह नाल भर दे। (8)

2. बोझ न सारे दूर तू कर दे,
दिल विच खुशी सुकून तू भर दे (2)
रूह नाल भर दे (8)

3. साड्डी उम्मीद नू पूरा कर दें,
अपने रूह की आग से भर दें (2)
रूह नाल भर दें (8)

(प्रेरितो 2:17)

परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा।

(61)

जीवन मैं देता हूँ, यीशु तुझे,
चरणों में रहना है, तेरे मुझे (2)
और नहीं कुछ तमन्ना मेरी,
जीना-मरना तुझमें नहीं।।

1. दुनिया से मुझको, न कुछ आस है,
मेरा प्रभु जब, मेरे पास हैं। (2)
खुद को मैं देता हूँ, यीशु तुझे,
चरणों में रहना.....
2. जीवन का मेरे, तू आधार है,
यीशू तू पहला, मेरा प्यार है। (2)
दिल को मैं देता हूँ, यीशु तुझे,
चरणों में रहना.....

(फिलिपियो 1:21)

मेरे लिए जीवित रहना मसीह और मर जाना लाभ है।

(62)

मेरा राजा, मुक्तिदाता,
जीवनदाता, शान्तिदाता (2)
यीशु-यीशु (4)

1. जो है मेरा, सिरजनहारा (2)
जो है मेरा, पालनहारा (2)
यीशु-यीशु (4)
2. जो है मेरा तारणहारा
जो है मेरा खेवनहारा (2)
यीशु-यीशु (4)
3. जो है मेरा, एक सहारा,
जो है मुझको, सबसे प्यारा (2)
यीशु-यीशु (4)

(यशायाह 9:6)

हमें एक पुत्र दिया गया है, और प्रभुता उसके कांधे पर होगी और उसका नाम अद्‌भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता और शक्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

(63)

नाम यीशु है, सबसे प्यारा,
नाम यीशु है, सबसे न्यारा, (2)
लगा-यीशु नाम का जयजयकारा। (2)

1. नाम यीशु का मेरा सहारा,
नाम यीशु का तेरा सहारा (2)
लगा-यीशु नाम का जयजयकारा (2)
2. नाम यीशु का मेरा कफ्फारा,
नाम यीशु का तेरा कफ्फारा (2)
लगा-यीशु नाम का जयजयकारा (2)
3. नाम यीशु ने मुझे सवारा,
नाम यीशु ने तुझे सवारा (2)
लगा-यीशु नाम का जयजयकारा (2)

(प्रेरितों 4:12)

स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(64)

यीशु मेरे प्रभु, तूने ये क्या कर दिया,
प्यार ने तेरे मुझे, दिवाना कर दिया (2)
दिवाना कर दिया (8)

1. मेरी सांसों को, दिवाना कर दिया,
मेरी धड़कन को, दिवाना कर दिया(2)
2. मेरी सोचो को, दिवाना कर दिया,
मेरी बातों को, दिवाना कर दिया (2)
3. मेरे गाने को, दिवाना कर दिया,
मेरे नाचने को, दिवाना कर दिया (2)
4. मेरे बैठने को, दिवाना कर दिया,
मेरे चलने को, दिवाना कर दिया (2)

(फिलिपियो 1:21)

मेरे लिए जीवित रहना मसीह और मर जाना लाभ है।

(65)

जख्मी हुआ कोड़ों से तू,
कीलों से ठोका गया,
वो दर्द था मेरा जो तूने सहा, और
मुझे बचा लिया। (2)

1. पापों से तूने छुड़ाया मुझे,
और श्रापों को तोड़ दिया,
जाता था मैं अनन्त आग में,
मेरा रस्ता मोड़ दिया, (2)
थूका गया तुझपे प्रभु,
तेरी दाड़ी को नोचा गया,
वो दर्द था मेरा.....
2. बोझ को मेरे, उठाया तूने,
मौत को मार दिया,
कर्ज किया तूने अदा और
लहू को बहा दिया (2)
पसली में तेरे मेरे प्रभु,
भाले को घोपा गया,
वो दर्द था मेरा.....

(यशायाह 53:5)

वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया, हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, कि उसके कोढ़े खाने से हम चंगे हो जाए।

(66)

सुबह सवेरे आँख जो खोलू (2)
बोलू मैं यीशु-यीशु (2) यीशु-यीशु (8)

1. दिल से बोलू, जान से बोलू (2)
बोलू मैं यीशु-यीशु (2)
यीशु-यीशु (8)
2. उठते बोलू, बैठते बोलू (2)
बोलू मैं यीशु-यीशु (2)
यीशु-यीशु (8)
3. हाथों को अपने, उठाके बोलू (2)
बोलू मैं यीशु-यीशु (2)
यीशु-यीशु (8)
4. आवाज उठाके, जोर से बोलू (2)
बोलू मैं यीशु-यीशु (2)
यीशु-यीशु (8)

(रोमियो 10:13)

जे कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।

(67)

लहू से अपने, तूने प्रभु,
मेरी रंगत बनाई है।
बिगड़ी सूरत, मेरी प्रभु,
तूने फिर से सजाई है। (2)

1. पापों को धोकर, साफ किया,
गुनाहों को सारे, माफ किया (2)
लहू से अपने, तूने प्रभु,
मेरी कीमत चुकाई हैं,
बिगड़ी सूरत मेरी प्रभु,
तूने फिर से सजाई है।
लहू से.....है।

2. हाथों से अपने, बनाया मुझे,
राहों पे चलना, सिखाया मुझे (2)
लहू से तेरे, मेरे प्रभु, मैंने पाई रिहाई है।
बिगड़ी सूरत मेरी प्रभु,
तूने फिर से सजाई है।
लहू से.....है।

(1 यूहन्ना 1:7)

यीशु का लहू, हमें हमारे सारे पापों से शुद्ध करता है।

(68)

आओ गाए, मिलके गाए (2)
हो सन्ना राजा यीशु की (1)
हो सन्ना (3) राजा यीशु की (2)

1. मेरे होठों से, मेरी जुबां से,
हो सन्ना, राजा यीशु की,
मेरे दिल से, मेरी जान से,
हो सन्ना, राजा यीशु की।
हो सन्ना (3) राजा यीशु की (2)

2. मेरी सांसों से, मेरी बातों से,
हो सन्ना, राजा यीशु की,
मेरे देने से, मेरे गाने से,
हो सन्ना, राजा यीशु की।
हो सन्ना (3) राजा यीशु की (2)

(मती 21:9)

और जो भीड़ आगे जाती और पीछे-पीछे आती थी, पुकार-पुकार कर कहती थी, कि दाऊद के संतान को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना।

(69)

यहोवा तेरी जय हो,
तेरे नाम की जय जय हो (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो (2)

1. यहोवा यिरे तू है,
मुझे सब कुछ देता है (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो (2)

2. यहोवा निस्सी तू है,
तू मुझको विजय देता है (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो। (2)

3. यहोवा राफा तू है,
तू मुझको शिफा देता है (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो। (2)

4. यहोवा रोही तू है,
तू मेरा चरवाहा है (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो (2)

5. यहोवा शम्मा तू है,
तू मेरे संग संग रहता है (2)
तेरी जय जय हो (4)
तेरे नाम की जय जय हो (2)

(भजन 86:12)

मैं अपने सम्पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूंगा, और तेरे नाम की महिमा सदा करता रहूँगा।

(70)

प्यासी हिरणी की तरह प्रभु
मैं प्यासा हूँ तेरे लिए (2)
पाक रूह (2) मैं प्यासा हूँ तेरे लिए।
मैं प्यासा हूँ तेरे लिए (6) मैं प्यासा (3)
हूँ तेरे लिए (2)
मैं प्यासा हूँ तेरे लिए (4)

1. हृदय को अपने मेरे प्रभु,
मैं लाता हूँ तेरे लिए (2)
जीवन को अपने मेरे प्रभु,
मैं देता हूँ तेरे लिए (2)
पाक रूह.....लिए।

2. हाथों को अपने मेरे प्रभु,
मैं उठाता हूँ तेरे लिए (2)
भेटों को अपनी मेरे प्रभु,
मैं लाता हूँ तेरे लिए (2)
पाक रूह.....लिए।

(भजन 86:12)

जैसे हिरणी नदी के लिए हांफती है, वैसे ही, है परमेश्वर, मैं तेरे लिए हांफता हूँ।

(71)

गलत ले लिया पंगा तूने, आज तो तू गया।
सुन शैतान (2) तू फिर से हार गया (2)

1. देख यीशु के नाम से मैंने (2)
तुझको हरा दिया (2) सुन शैतान (2)
तू फिर से हार गया।

2. देख यीशु के लहू से मैंने (2)
तुझको हरा दिया (2) सुन शैतान (2)
तू फिर से हार गया।

3. पाक रूह के मसा से मैंने (2)
तुझको हरा दिया (2) सुन शैतान (2)
तू फिर से हार गया।

(रोमियो 16:20)

शांति का परमेश्वर शीघ्र ही शैतान को हमारे पैरों तले कुचलवा देगा।

(72)

न मैं दाएँ चलूँ, न मैं बाएँ चलूँ,
तेरी राह से मेरे यीशु,
न कभी मैं डिगू, न कभी मैं हटूँ,
तेरी राह से मेरे यीशु।

1. रात-दिन मैं प्रभु, तेरे पीछे चलूँ,
तेरी राह में मेरे यीशु,

न कभी मैं डिगू, न कभी मैं हटूँ,
तेरी राह से मेरे यीशु।

2. तेरी मर्जी प्रभु, मैं पूरी करूँ,
तेरी राह में, मेरे यीशु,
न कभी मैं डिगू, न कभी मैं हटूँ,
तेरी राह से मेरे यीशु।

(यशायाह 30:21)

और जब कभी तुम दाहिनी या बायीं ओर मुड़ने लगो, तब तुम्हारे पीछे यह वचन तुम्हारे कानों में पड़ेगा, मार्ग यही है, इसी पर चलो।

(73)

चाहिए मुझको, तेरा साथ
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (2)
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (4)
चाहिए मुझको.....हाथ।

1. सामर्थ से तेरी, ये दुनिया बनी है,
सामर्थ से तेरी, बना इन्सान। (2)
सामर्थ हो तेरी, हो तेरा साथ
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (1)
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (4) चाहिए.....

2. सामर्थ से तूने, हमको छुड़ाया,
सामर्थ से तूने, हमको बचाया। (2)
सामर्थ हो तेरी, हो तेरा साथ
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (1)
सामर्थी यीशु, तेरा हाथ (4) चाहिए.....

(भजन 118:16)

यहोवा का दाहिना हाथ महान हुआ है, यहोवा के दाहिने हाथ से पराक्रम का काम होता है।

(74)

तू महान है यीशु, तू महान (4)

1. महान है यीशु, तेरा नाम
महान है यीशु, तेरे काम (2)

2. मेरे लिए दी, तून जान
लहू का दिया, तूने दाम (2)

3. तूने रखी यीशु, मेरी आन
कितनी निराली, तेरी शान (2)

(लूका 1:32)

वह महान होगा और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा।

(75)

तुझे देता हूँ, जीवन ये मेरा,
जो चाहे, इससे कर (2)
तेरी मर्जी को पूरा कर (2)
तेरी मर्जी को पूरा कर (2)

1. जो चाहता हूँ, तू जानता हैं।
जो कहता नहीं, पहचानता है। (2)
जो चाहे, तू वो कर (2)
तेरी मर्जी को पूरा कर (2)

2. मेरी सोचो को, तू जानता हैं।
हालत को मेरी, पहचानता है। (2)
जो चाहे, तू वो कर (2)
तेरी मर्जी को पूरा कर (2)

(मत्ती 6:10)

तेरा राज्य आए, तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हों।

(76)

मोहे लगन लगी है, यीशु की (4)
जै जै बोलू यीशु की (4)
मोहे लगन लगी (4) (2)
मोहे लगन लगी है, यीशु की (4)

1. मिलने की तुझसे, लगन लगी,
छूने की तुझको, लगन लगी (2)

2. गीतों की तेरे, लगन लगी,
कलाम की तेरे, लगन लगी (2)

3. प्रेम की तेरे, लगन लगी,
रूह की तेरे, लगन लगी (2)

(भजन 63:1)

मेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है।

(77)

यीशु तू ही रब है (2)
यीशु तू ही सब है (1)
यीशु तू ही रब है (2)

1. तू ही आदि, अन्त तू ही है (2)
तू ही अल्फा, ओमेगा तू है (2)
तू ही तब था, तू ही अब है (1)
यीशु तू ही.....है।

2. तू ही राजा, प्रभु तू ही है (2)
तू ही दाता, पिता तू ही है (2)
तू ही तब था, तू ही अब है (1)
यीशु तू ही.....है।

(यूहन्ना 14:6)

यीशु ने कहा, मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ।

(78)

रात-दिन यीशु तेरा,
मैं नाम जपता हूँ (2)
तुझपे ही यीशु मैं मेरा (2)
ईमान रखता हूँ (1)
रात-दिन.....जपता हूँ। (2)

1. तुझसे ही उम्मीद टिकी हैं,
तुझसे ही मेरी आस लगी है, (2)
तुझपे ही यीशु मैं मेरा (2)
ईमान रखता हूँ। (1) रात-दिन.....

2. तुझसे ही मुझे क्षमा मिली हैं,
तुझसे ही मुझे शिफा मिली हैं (2)
तुझपे ही यीशु मैं मेरा (2)
ईमान रखता हूँ। (1) रात-दिन.....

(भजन 145:2)

प्रतिदिन मैं तुझको धन्य कहा करूंगा, और तेरे नाम की स्तुति सदा सर्वदा करता रहूंगा।

(79)

तेरी प्रशंसा करूँ, तेरी स्तुति करूँ
हाथों को अपने, उठाकर यीशु,
तेरी आराधना करूँ (2)

1. तू है महान, सर्वशक्तिमान,
तुझसे प्रार्थना करूँ,
तू बढ़े, जीवन में मेरे,
ये ही कामना, मैं करूँ।

2. दुष्ट के हर, वार का मैं,
दृढ़ता से सामना करूँ,
महिमा मिले, जीवन से तुझे,
यही याचना मैं करूँ। (2)

(भजन 134:2)

अपने हाथ पवित्र स्थान में उठाकर यहोवा को धन्य कहो।

(80)

यीशु नाम से खोलता हूँ,
मुकम्मल शिफा को यहाँ
यीशु नाम से बाँधता हूँ,
अंधकार की सब शक्तियाँ।

1. यीशु चाहता नहीं, मैं पापों में जीऊं,
यीशु चाहता नहीं, मैं रोगों में जीऊं (2)
यीशु नाम से डाटता हूँ,
दूर हो सब बीमारियाँ (2)
यीशु नाम से बाँधता हूँ
अंधकार की सब शक्तियाँ

2. यीशु चाहता नहीं,
मैं कुढ़-कुढ़ के जीऊँ,
यीशु चाहता नहीं,
मैं मर-मर के जीऊँ,
यीशु नाम से बाँधता हूँ,
अंधकार की सब शक्तियाँ

(मत्ती 18:18)

जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे वह स्वर्ग में बँधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे वह स्वर्ग में खुलेगा।

(81)

हाथ पकड़ ले यीशु,
मेरा हाथ पकड़ ले यीशु (6)

1. सागर में मैं डूब न जाऊँ,
दुनिया में मैं खो न जाऊँ (2)
लहू से अपने धोके मुझको
साफ तू कर दे यीशु (2)

2. साथ मैं तेरे बढ़ता जाऊँ,
रूह से तेरी भरता जाऊँ (2)
मुझको अपनी पाक रूह के
मसा से भर दे यीशु (2)

(भजन संहिता 63:8)

मुझे तू अपने दाहिने हाथ से थामे रखता हैं।

(82)

बल्ले बल्ले यीशु, बल्ले बल्ले (6)
यीशु ने कर दी बल्ले-बल्ले (4)
बल्ले बल्ले यीशु, बल्ले बल्ले (4)

1. साड्डी बीमारी, चंगी कर दी,
साड्डी गरीबी, दूर है कर दी (2)
यीशु ने कर दी बल्ले-बल्ले (4)
बल्ले बल्ले यीशु, बल्ले बल्ले (4)

2. दिल नू मेरे हिम्मत दे दी,
रूह विच मेरे कुव्वत भर दी (2)
यीशु ने कर दी बल्ले-बल्ले (4)
बल्ले बल्ले यीशु, बल्ले बल्ले (4)

(फिलि 4:4)

प्रभु में सदा आनन्दित रहो, मैं फिर कहता हूँ आनन्दित रहो।

(83)

जीत गया जे यीशु साड्डा,
ते मैं वी जी गया (2)
नवीं हो गई जिंदगी, साड्डा,
दुखड़ा बीत गया (1)
जी गया जे यीशु साड्डा।

1. मुझे छुड़ाने पाप से,
लहू उसने बहा दिया,
बोझ मेरे कंधों से,
सारा उसने हटा दिया। (2)
जिन्दा है जे यीशु साड्डा,
मौत नू हरा दिया। (2)
नवीं हो गई.....।

2. लहू से धोके यीशु के,
बेटा अपना बना लिया,
रूह से भरकर अपनी उसने,
मुझको खुद में मिला लिया। (2)
जलाली है जे यीशु साड्डा,
जलाल दे गया (2)
नवीं हो गई.....।

(2 कुरिन्थिओं 5:17)

सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई है, देखो वे सब नई हो गई।

(84)

यीशु तेरे नाम से काम है होते (2)
यीशु तेरे नाम से लंगड़े चलते (2)
यीशु तेरे नाम से मुर्दे जिलते (2)
यीशु तेरे नाम से काम है होते (4)

1. नाम यीशु से मुक्ति पाते,
नाम यीशु से शक्ति पाते (2)
यीशु तेरे.....होते।

2. नाम यीशु से माफी पाते,
यीशु जैसा शाफी पाते (2)
यीशु तेरे.....होते।

(प्रेरितों के काम 4:12)

और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

(85)

क्यूँ डरता है (4)
साथ यीशु जब तेरे है,
साथ यीशु जब मेरे है (2)
क्यूं डरता है (2)

1. रोते-रोते सोता है,
रोते-रोते उठता है। (2)
क्यूं डरता है.....।

2. कुढ़ते-कुढ़ते जीता है,
कुढ़ते-कुढ़ते मरता है (2)
क्यूं डरता है.....।

3. रोते-रोते जाता है,
रोते-रोते आता है। (2)
क्यूं डरता है.....।

(1 पतरस 3:14)

और यदि तुम धर्म के कारण दुःख भी उठाओ, तो धन्य हो, पर उन के डराने से मत डरो, और न घबराओ।

(86)

पहचान लिया, मैंने प्यार तेरा,
ओ मेरे प्रभु यीशु, जे जान लिया,
और मान लिया तू है मेरा प्रभु यीशु। (2)
तू है मेरा प्रभु यीशु (2)

1. शांतिदाता, मुक्तिदाता, मेरा प्रभु यीशु।
प्रेमदाता,जीवनदाता,मेरा प्रभु यीशु।(2)

2. सृजनहारा, पालनहारा, मेरा प्रभु यीशु।
तारणहारा, राजदुलारा, मेरा प्रभु यीशु।

(फिलिपियो 2:10)

जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और जो पृथ्वी के नीचे है, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें।

(87)

दिल भी तेरा, मेरे यीशु
जान भी तेरी, मेरे यीशु (2)
यीशु यीशु मेरे, यीशु यीशु (4)

1. मेरे राजा, मेरे यीशु
मेरे दाता, मेरे यीशु (2)
यीशु – यीशु मेरे, यीशु यीशु (4)

2. मेरे शाफी, मेरे यीशु,
मेरे दुल्हे, मेरे यीशु (2)
यीशु – यीशु मेरे, यीशु यीशु (4)

(रोमियो 1:6)

जिनमें से तुम भी यीशु मसीह के होने के लिए बुलाए गए हों।

(88)

मेरे देश भारत को, आशीष दे प्रभु,
अपनी महिमा से, भर दे प्रभु। (2)

1. तेरे नाम को फैलाए हम,
तेरे काम को फैलाए हम (2)
तू अपने लोगों को, अभिषेक दे प्रभु(1)
अपनी महिमा से भर दे यीशु। (1)

2. नाम गूँजे यीशु जब,
दूर हो अंधियारा सब (2)
तू अपने लोगों को, तेरा नाम दे प्रभु (1)
अपनी महिमा से भर दे प्रभु। (1)

(व्यवस्था विवरण 28:3)

धन्य हो तू नगर में, धन्य हो तू खेत में।

(89)

अपने रूह की आग से
भर दे यीशु मुझको (2)
भर दे, भर दे, भर दे मुझको। (4)

1. पाप को मेरे माफ कर दें,
दाग को मेरे साफ कर दें। (2)
लहू से अपने धोके यीशु,
नया बना दे मुझको। (2)
भर दे भर दे, भर दे मुझको। (4)

2. सोचो को तू नया बना दे,
रूह को मेरी नया बना दे। (2)
अपनी रूह से भर के यीशु,
रूहानी कर दे मुझको। (2)
भर दे, भर दे, भर दे मुझको। (4)

(प्रेरिता के काम 2:3)

और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरीं।

(90)

आ रहा है (2)
दुल्हा मेरा आ रहा है।
आ रहा है (2)
यीशु मेरा आ रहा है।

1. शान से देखो, बादलों पर,
दुल्हा मेरा आ रहा है।
मुझको अपने साथ ले जाने,
यीशु मेरा आ रहा है।

2. मुझको पूरी शांति देने,
दुल्हा मेरा आ रहा है।
मुझको पूरी खुशी देने,
यीशु मेरा आ रहा है।

(मत्ती 26:64)

अब से तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दाहिनी बैठे, और आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।

(91)

मेरी शान यीशु, मेरी आन यीशु,
मेरा मान यीशु, मेरी जान यीशु। (2)
यीशु, यीशु (4)

1. जीवन की रोटी, यीशु ही है,
जीवन का जल भी, यीशु ही है (2)
मेरी शान.....।

2. मेरा सहारा, यीशु ही है,
तेरा सहारा, यीशु ही है। (2)
मेरी शान.....।

3. राजाओं का राजा, यीशु ही है,
प्रभुओं का प्रभु, यीशु ही है। (2)
मेरी शान.....।

(यूहन्ना 6:35)

यीशु ने कहा, जीवन की रोटी मैं हूँ। तो मेरे पास आएगा, वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा।

(92)

तेरी स्तुति करूं, तेरी महिमा करूं,
तेरी जयजयकार करूं,
मेरे यीशु तेरे गीतों को गाऊँ,
तेरे नाम को ऊँचा करूँ,
यीशु (3) मेरे यीशु (2)

1. आवाज को अपनी ऊँचा करूँ,
हाथों को अपने ऊँचा करूँ। (2)
यीशु (3) मेरे यीशु (2)

2. तेरी ही राह, पे मैं चलूँ,
मर्जी को तेरी, पूरा करूँ। (2)
यीशु (3) मेरे यीशु (2)

(भजन संहिता 33:3)

यहोवा के लिए नया गीत गाओ, जयजयकार के साथ भली भांति बजाओ।

(93)

सारे गुनाहों से, तेरा लहू
यीशु मुझे धोता है। (2)
दिल में सुकून, मुकम्मल शिफा
तेरा लहू देता है। (1)
तेरा लहू देता है (2)
तेरा लहू देता है (2)
तेरा लहू देता है (2)

1. बन्धन को सारे खोलता है,
रूह से मेरी वो बोलता है। (2)
तेरा लहू देता है (2)

2. देह को मेरी वो मांजता है,
हालत को मेरी वो जानता है।
तेरी लहू देता है (2)

(1 यूहन्ना 1:7)

यीशु का लहू हमें, हमारे सारे पापों से शुद्ध करता है।

(94)

आया है(3)
मेरा यीशु आया है(2)

1. पापियों को बचाने को,
   गिरते हुओं को उठाने को (2)
2. बोझों को सबके उठाने को,
   पापों से सबको छुड़ाने को। (2)
3. वादे को पूरा करने को,
   रूल कुद्दूस से भरने को। (2)
   आया है (3) मेरा यीशु आया है (2)

(मत्ती 18:20)

क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते है, वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।

(95)

फिर पैदा होना चाहता है(2)
दिल में तेरे मसीहा (2)

1. तारा बनके फिर वो,
   राह दिखाना चाहता है। (2)
2. आशीषों से मुझको वो,
   फिर से भरना चाहता है। (2)
3. आज तेरे दिल में वो,
   फिर से आना चाहता है। (2)

(प्रकाशित वाक्य 3:20)

देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ, यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा, और वह मेरे साथ।

(96)

सारी महिमा, यीशु को मिलें,
सारा आदर, यीशु को मिले। (2)
यीशु को मिले, सिर्फ यीशु को मिले (4)

1. मेरी आराधना, यीशु को मिले
   मेरी स्तुति, यीशु को मिले (2)
   यीशु को मिले सिर्फ यीशु को मिले(4)
2. धन्यवादी भेंटे, यीशु को मिले,
   होठों के बलिदान, यीशु को मिले (2)
   यीशु को मिले सिर्फ यीशु को मिले(4)
3. मेरा पूरा दिल भी, यीशु को मिले,
   मेरी पूरी जान भी, यीशु को मिले (2)
   यीशु को मिले सिर्फ यीशु को मिले(4)

(1 कुरिन्थिओं 10:31)

तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो।

(97)

क्षमा करो प्रभु, पाप मेरे
लो जन्म यीशु, दिल में मेरे (2)
लो जन्म यीशु, दिल में मेरे (2)
क्षमा.....मेरे।

1. नया बना दो, तन को मेरे,
   नया बना दो, मन को मेरे। (2)
   दूर करो प्रभु, दोष मेरे।
   लो जन्म.....मेरे।
2. जीवन मेरा, नाम तेरे,
   आऊँ प्रभु मैं, काम तेरे (2)
   मेरे राजा, स्वामी मेरे।
   लो जन्म.....मेरे।

(इफिसियो 3:17)

विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे।

(98)

आ गया है(3)
देखो मेरा यीशु आ गया है।

1. मेरा पालनहारा, आ गया है।
   मेरा तारणहारा, आ गया है।
2. राजाओं का राजा, आ गया है।
   प्रभुओं का प्रभु, आ गया है।
3. जीवनदाता यीशु आ गया है।
   मुक्तिदाता यीशु आ गया है।
4. शांति देने यीशु, आ गया है।
   चंगा करने यीशु, आ गया है।
5. दु:खों को मिटाने, आ गया है।
   शैतान को हराने, आ गया है।

(मत्ती 18:20)

क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं, वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।

(99)

आया है(3)
मुन्जी यीशु मेरा आया है।
लाया है(3)
संग अपने खुशियाँ वो लाया है।

1. पापों को हरने, वो आया है।
   श्रापों को हरने, वो आया है।
   आया है.....है।
2. मुक्ति देने वो आया है।
   शांति देने वो आया है।
   आया है.....है।
3. जीवन की रोटी, वो लाया है।
   जीवन का जल, वो लाया है।
   आया है.....है।

(मत्ती 18:20)

क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते है, वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।

(100)

कितना महान है प्रभु, तेरा प्यार (4)
कितना अनोखा यीशु, तेरा प्यार (4)

1. सागर से भी, ये गहरा है।
   आसमां से भी, ये ऊँचा है।
   तेरा प्यार.....।
2. प्यार तेरा, ही सिखाता है।
   प्यार तेरा, ही बढ़ता है।
   तेरा प्यार.....।
3. प्यार तेरा, निराला है।
   सबसे ये, आला है।
   तेरा प्यार.....।

(यूहन्ना 3:16)

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि, उसने अपने एकलौटे बेटे को दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

(101)

हालेलुय्या (2)
राजा यीशु की स्तुति करो। (2)
उसकी महिमा करो, प्रशंसा करो,
उसका जयजयकार करो,
हालेलुय्या.....।

1. स्तुति के योग्य, यीशु ही हैं।
   महिमा के योग्य, यीशु ही है।
   उसकी महिमा.....।
2. आदि और अन्त, यीशु ही है।
   अल्फा, ओमेगा, यीशु ही है।
   उसकी महिमा.....।
3. जीवन की रोटी, यीशु ही है।
   जीवन का जल, यीशु ही है।
   उसकी महिमा.....।

(भजन संहिता 100:1)

हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा का जयजयकार करो।

(102)

मेरे यीशु तू मेरा मेरे यीशु मैं तेरा (2)
मेरा दिल भी है तेरा
मेरा जीवन भी तेरा (2) मेरे यीशु.....

1. तू ही राजा, यीशु मेरा,
   तू ही दाता, यीशु मेरा। (2)
2. तू ही है, मुक्तिदाता मेरा,
   तू ही है, जीवनदाता मेरा। (2)
3. तू ही है, सृजनहारा मेरा,
   तू ही है, पालनहारा मेरा। (2)

(फिलिपियो 1:21)

मेरे लिए जीना मसीह और मरना नफा है।

(103)

कितना प्यारा है यीशु मेरा,
कितना सुन्दर है यीशु मेरा (2)
यीशु मेरा (4)

1. मेरा गढ़ है, यीशु मेरा,
   मेरी शरण है, यीशु मेरा
   यीशु मेरा (4)
2. मेरी ज्योति है, यीशु मेरा,
   मेरा बल है, यीशु मेरा (2)
   यीशु मेरा (4)
3. मेरी चट्टान, यीशु मेरा,
   मेरा चरवाहा, यीशु मेरा (2)
   यीशु मेरा (4)

(भजन संहिता 18:2)

यहोवा मेरी चट्टान और मेरा गढ़ और मेरा छुड़ाने वाला है, मेरा ईश्वर, मेरा चट्टान है, जिसका मैं शरणागत हूँ, वह मेरी ढाल और मेरी मुक्ति का सींग और मेरा ऊँचा गढ़ है।

(104)

जीना है बस तेरे लिए,
मरना यीशु तेरे लिए (2)
तेरे लिए सिर्फ तेरे लिए (2)

1. जीवन को जीना है, तेरे लिए
   गीतों को गाना है, तेरे लिए। (2)
   तेरे लिए.....।
2. मेरी शक्ति, तेरे लिए,
   मेरी भक्ति, तेरे लिए। (2)
   तेरे लिए.....।
3. सारा आदर, तेरे लिए,
   सारी महिमा, तेरे लिए (2)
   तेरे लिए.....।

(फिलि. 1:21)

मेरे लिए जीना मसीह और मरना नफा है।

(105)

बदल गया जीवन मेरा,
यीशु तेरे आने से (4)
सँवर गया तन मन मेरा,
तेरे लहू बहाने से (4)

1. कोढ़े बदन पे, खाने से,
   काँटों का ताज, उठाने से (2)
2. पीठ पे क्रूस, उठाने से,
   कीलों को, ठुकवाने से (2)
3. पापों का बोझ, हटाने से,
   शैतान को, हराने से (2)

(इफिसियो 2:13)

तुम जो पहले दूर थे, मसीह यीशु में, उसके लहू के द्वारा नजदीक हो गए हो।

(106)

पूरे दिल से, पूरे मन से,
तेरी आराधना, मैं करूँ।

1. पूरे तन से, पूरे बल से,
   तेरी आराधना, मैं करूँ।
   तेरी आराधना मैं करूँ (4)
2. पूरे दिल से, पूरे मन से,
   तेरी आराधना मैं करूँ (4)

(मत्ती 22:37)

तू अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।

(107)

पाक रूह दरबार में तेरा,
खैरमकदम करते हैं।
तेरे मसा को चाहते हैं (2)
पाक रूह दरबार में तेरा,
खैरमकदम करते हैं।

1. तेरी कुव्वत चाहते हैं।
   तेरी कुदरत चाहते हैं।
2. तेरी बरकत चाहते हैं।
   तेरी रहमत चाहते हैं।
3. तेरी शफरत चाहते हैं।
   तेरी शिरकत चाहते हैं।

(1 कुरिन्थिओं 14:1)

आत्मिक वरदानों की धुन में रहो।

(108)

हालेलुय्या, हालेलुय्या (8)

1. अब्बा पिता, तेरी जय हो (4)
2. यीशु प्रभु, तेरी जय हो (4)
3. पवित्र आत्मा, तेरी जय हो (4)

(भजन 100:1)

हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा का जयजयकार करो।

(109)

ऐ हमारे बाप,
तू जो आसमान में है। (1)
तेरा नाम पाक माना जाए,
तेरी बादशाहत आए (2)

1. जैसे तेरी मर्जी, आसमान में पूरी होती,
वैसे तेरी मर्जी, जगत में पूरी हो जाए (1)
तेरा नाम.....बादशाहत आए (2)
2. दिन भर की रोटी हमारी,
आज हमको मिल जाए,
सब पर रहम हो तेरा,
सबको ये रोटी मिल जाए (1)
तेरा नाम.....बादशाहत आए (2)
3. जिस तरह हम अपने,
अपराधी को माफ करते,
उस तरह सब हमारे,
अपराध भी माफ हो जाए (1)
तेरा नाम.....बादशाहत आए (2)
4. बुराई से हमको बचा तू,
परीक्षा में हमको न ला,
बादशाहत, कुदरत, जलाल,
तेरा है तुझको मिल जाए (1)
तेरा नाम.....बादशाहत आए (2)

(110)

मेरे जीवन में मेरे यीशु,
तेरी मर्जी पूरी हो। (2)
मेरे यीशु, मेरे यीशु (4)

1. तू वो कर, जो करना चाहे,
मैं वो करूँ, जो तुझको भावे (2)
मेरे घर में मेरे यीशु,
तेरी मर्जी पूरी हो। (1)
मेरे जीवन.....हों।
2. ले चल वहाँ, जहाँ तू चाहे,
वैसे ले महिमा, जैसे तू चाहे (2)
तेरे भवन में मेरे यीशु,
तेरी मर्जी पूरी हो। (1)
मेरे जीवन.....हों।

(मत्ती 9:10)

तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे ही पृथ्वी पर भी पूरी हो।

(111)

राजा, मेरा राजा
मुक्तिदाता, यीशु है। (2)

1. जीवन की रोटी, यीशु है।
जीवन का जल, यीशु है। (2)
2. मेरी चट्टान, यीशु है,
मेरा गढ़, यीशु है। (2)
3. मेरी शरण, यीशु है,
मेरी लगन, यीशु है। (2)

(यूहन्ना 6:35)

यीशु ने उनसे कहा, "जीवन की रोटी मैं हूँ, जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा न होगा।"

(112)

मेरा राजा यीशु, मुक्तिदाता यीशु,
पालनहारा यीशु, तारणहारा यीशु (2)

1. दु:ख में मेरे तसल्ली है देता यीशु,
अपने पंखों तले है छिपाता यीशु (2)
2. क्षमा पापों से मुझको है देता यीशु,
शिफा रोगों से भी मुझको देता यीशु (2)
3. रोटी जीवन की भी तो है मेरा यीशु,
जल जीवन का भी तो है मेरा यीशु (2)

(भजन संहिता 87:7)

गवैये और नृतक दोनों कहेंगे, "हमारे सब सोते तुझी में पाए जाते हैं।"

(113)

सब नामों से ऊँचा, यीशु नाम है,
सब नामों से अच्छा, यीशु नाम है (2)

1. सब नामों से सुन्दर, यीशु नाम है (2)
यीशु नाम है, यीशु नाम है (2)
2. सब नामों से प्यारा, यीशु नाम है (2)
यीशु नाम है, यीशु नाम है (2)
3. सब नामों से मीठा, यीशु नाम है (2)
यीशु नाम है, यीशु नाम है (2)

(प्रेरितो के काम 4:12)

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(114)

तेरे हाथों की रचना हूँ प्रभु,
तेरे लहू का खरीदा हूँ (2)
तेरे रूह से जिन्दा हूँ प्रभु,
यीशु तेरा बन्दा हूँ। (2)
मैं गाऊँ हो सन्ना
गाऊ हो सन्ना (2)
तेरे हाथों की.....

(भजन संहिता 100:3)

निश्चय जानो कि यहोवा ही परमेश्वर है। उसी ने हमको बनाया,और हम उसी के है, हम उसकी प्रजा और उसकी चराई की भेड़ें हैं।

(115)

मेरा पहला-आखिरी,
प्यार यीशु है (2)

1. मेरी उम्मीद, मेरा सहारा,
सब कुछ यीशु है। (2)
मेरा पहला.....है।
2. मेरी ज्योति, मेरी राहा,
सब कुछ यीशु है। (2)
मेरा पहला.....है।
3. मेरी शिफा और मेरी बका,
सब कुछ यीशु है। (2)
मेरा पहला.....है।

(मत्ती 22:37)

उसने उससे कहा, "तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।"

(116)

छू पाक रूह (4) ऐ पाक रूह (4)
छू पाक रूह (4)

1. मेरी आंखों को छू,
मेरे होठों को छू,
छू पाक रूह।

2. मेरी सोचो को छू,
ख्यालों को छू,
छू पाक रूह।

3. मेरे हाथों को छू,
मेरे कानों को छू,
छू पाक रूह।

(गलतियो 5:16)

पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरा न करोगे।

(117)

जिंदगी यीशु है, बन्दगी यीशु है,
मेरा तो हर उम्मीद,
हर खुशी यीशु है। (2)

1. राह की ज्योति, यीशु ही है,
जीवन की रोटी, यीशु ही है। (2)
राजगी यीशु है, ताजगी यीशु है,
मेरी तो.....।

2. मुक्ति और बल यीशु ही है,
जीवन का जल यीशु ही है। (2)
तसल्ली यीशु है, रोशनी यीशु है,
मेरी तो.....।

(यूहन्ना 8:12)

यीशु ने फिर लोगों से कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ, जो मेरे पीछे हो लेगा वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पायेगा।"

(118)

तेरे सिवा, कोई नहीं, मेरे खुदा (2)

1. राह की रोशनी तू है,
तू ही मेरी जिंदगी है। (2)
कमजोरी में मेरा बल है,
तू ही मेरी बन्दगी...
मेरे खुदा। तेरे सिवा.....।

2. तुझसे ही हर खुशी मेरी,
तुझसे ही उम्मीदे हैं,
और तुझसे ही हर शाम है,
और तुझसे ही हर सुबह...
मेरे खुदा। तेरे सिवा.....।

(यूहन्ना 8:12)

यीशु ने फिर लोगों से कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ, जो मेरे पीछे हो लेगा वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।"

(119)

साँसों पे मैंने अपनी
मैंने लिखा नाम तेरा है। (2)
मेरा मुझमें कुछ न रहा,
सब कुछ तेरा है। (2)

1. आखों पे अपनी मैंने
लिखा नाम तेरा है।
कानों पे अपने मैंने
लिखा नाम तेरा है।(2)
मेरा मुझमें.....है।

2. होठों पे अपने मैंने
लिखा नाम तेरा है।
सोचो पे अपनी मैंने
लिखा नाम तेरा है। (2)
मेरा मुझमें.....है।

(गलतियो 2:20)

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है, और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिए अपने आपको दे दिया।

(120)

तेरी हुजूरी में प्रभु कैसे समा होगा (2)
कैसा समा होगा (4)
तेरी हुजूरी...होगा।

1. सुन्दर जिंदगी होगी, सुन्दर समा होगा,
संग मेरे राजा यीशु, मेरा खुदा होगा (2)
कैसा समा होगी (4) तेरी हुजूरी.....

2. जिन्दगी ये छोटी सी है, खत्म हो जाएगी,
दुनिया की ये सारी चीजें,
काम न आएगी (2)
कैसा समा होगी (4) तेरी हुजूरी.....

(भजन संहिता 16:11)

तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा, तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है, तेरे दाहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है।

(121)

सागर से गहरा, पर्वतों से ऊंचा (2)
यीशु प्यार तेरा (2)

1. चलते-चलते गिरता हूँ तो,
प्यार तेरा उठाता है।
जब भी मुसीबत, में हूँ पड़ता
प्यार तेरा संभालता है। (2)
यीशु प्यार तेरा (2) सागर से.....

2. तेरे वचन की राहों पर
प्यार तेरा चलता है,
दुनियादारी की बातों से,
प्यार तेरा बचाता है। (2)
यीशु प्यार तेरा (2) सागर से.....

(रोमियो 5:8)

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए भरा।

(122)

यीशु-यीशु, यीशु-यीशु
एक तू ही है सहारा मेरा (2)

1. जीवनदाता मेरा, मुक्तिदाता मेरा
शांतिदाता है, यीशु मेरा। (2)

2. पालनहारा मेरा, तारणहारा मेरा
सृजनहारा है, यीशु मेरा। (2)

3. तू है राजा मेरा, तू हैं शाफी मेरा
पाक खुदाबन्दा, यीशु मेरा। (2)

(यूहन्ना 14:6)

यीशु ने उससे कहा, "मार्ग और सत्य और जीवन में ही हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।"

(123)

जिस नाम से पहाड़ हिल जाते
जिस नाम से मुर्दे मिल जाते (2)
वो है यीशु का नाम
मेरे यीशु का नाम (4)

1. जिस नाम से अंधे देख पाते,
जिस नाम से लंगड़े चल पाते (2)
वो है.....नाम।

2. जिस नाम से बहरे सुन पाते
जिस नाम से गूंगे बोल पाते (2)
वो है.....नाम।

3. जिस नाम से हम मुक्ति है पाते
जिस नाम से हम शक्ति है पाते (2)
वो है.....नाम।

(प्रेरितों के काम 4:12)

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा उद्धार पा सके।

(124)

पाक खुदा, सच्चा खुदा,
जिंदा खुदा, यीशु मेरा (2)

1. हम्दों सिवाइश हो तेरी,
तू ही इसी के काबिल है।

2. लहू में तेरे कुदरत है,
नाम में तेरे कुव्वत है।

3. कलाम में तेरे बरकत है।
दिल को देता हिम्मत है।

(प्रकाशित वाक्य 1:8)

प्रभु परमेश्वर, जो है और जो था और जो आने वाले हैं, जो सर्वशक्तिमान है, यह कहता है, "मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।"

(125)

तेरा लहू यीशु तेरा लहू (4)

1. पाप मिटाता है, तेरा लहू,
कुव्वत दिलाता है, तेरा लहू (2)

2. हिम्मत दिलाता है, तेरा लहू,
जीना सिखाता है, तेरा लहू (2)

3. सुकून से भरता है, तेरा लहू,
जुनून से भरता है, तेरा लहू (2)

4. हड्डियों में जां देता तेरा लहू,
पूरी शिफा देता, तेरा लहू (2)

5. बन्धन तोड़ता, तेरा लहू,
सम्बंध जोड़ता, तेरा लहू (2)

(इफिसियो 2:13)

पर अब मसीह यीशु में तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हैं।

(126)

यीशु नाम को ऊँचा है करते (2)

1. जिस नाम से मुक्ति हम पाते
जिस नाम से शक्ति हम पाते
उस नाम को ऊँचा है करते - (2)
यीशु नाम.....।

2. जिस नाम से क्षमा हम पाते
जिस नाम से शिफा हम पाते
उस नाम को ऊँचा है करते (2)
यीशु नाम.....।

3. जिस नाम से चंगाई है पाते
जिस नाम से रिहाई है पाते (2)
उस नाम को ऊँचा है करते (2)
यीशु नाम.....।

(प्रेरितों के काम 4:12)

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(127)

अपनी महिमा तू ले मेरे जीवन से (2)

1. वैसे चला जैसे तू चाहे
वैसे बना जैसे तू चाहे
अपनी आराधना ले, मेरे जीवन से।
अपनी महिमा.....।

2. बोली मेरी तुझको भावे
सीरत मेरी तुझको भावे
अपनी स्तुति तू ले, मेरे जीवन से।
अपनी महिमा.....।

(इफिसियो 2:10)

क्योंकि हम उसके बनाए हुए है और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिए सृजे गए जिन्हें परेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिए तैयार किया।

(128)

शुक्रिया, शुक्रिया, शुक्रिया (2)

1. लहू को तूने अपने बहाया
मुझको पापों से है छुड़ाया (2)
करता तेरा शुक्रिया (2)

2. गिरा हुआ था मुझको उठाया,
उठाकर मुझको चलना सिखाया (2)
करता तेरा शुक्रिया (2)

3. अपने रूप में मुझे बनाया,
अपने प्रेम को मुझे दिखाया (2)
करता तेरा शुक्रिया (2)

(भजन 103:1)

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह और जो कुछ मुझमें है, वह उसके पवित्र नाम का धन्य कहे।

(129)

हालेलुय्या आमीन (4)

1. राजाओं के राजा को, हालेलुय्या,
प्रभुओं के प्रभु को, हालेलुय्या,
हालेलुय्या आमीन (4)

2. मुक्तिदाता यीशु को, हालेलुय्या,
शांतिदाता यीशु को, हालेलुय्या (2)
हालेलुय्या आमीन (4)

3. पालनहारा प्रभु को, हालेलुय्या,
तारणहारा प्रभु को, हालेलुय्या (2)
हालेलुय्या आमीन (4)

(प्रकाशितवाक्य 19:1)

इसके बाद मैंने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊँचे शब्द से यह कहते सुना, "हल्लिूयाह। उद्धार और महिमा और सामर्थ्य हमारे परमेश्वर ही की है।"

(130)

आत्मा से, सच्चाई से,
यीशु की स्तुति करूं,
पूरे दिल से, पूरे मन से
यीशु की स्तुति करूं।।

1. पूरे तन से, पूरे बल से
यीशु की स्तुति करूं,
पूरे दिल.....।

2. पवित्र दिल से, प्रेमी मन से
यीशु की स्तुति करूँ।
पूरे दिल.....।

(यूहन्ना 4:24)

परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसकी आराधना करने वाले आत्मा और सच्चाई से आराधना करे।

(131)

मुझे मेरा मुंजी मिल गया (1)
मुझे मेरा शाफी मिल गया (1)
मुझे मेरा खुदा मिल गया (1)
मुझे यीशु मसीह मिल गया (2)

1. खोया हुआ था, अंधियारे में,
कोई उम्मीद न थी,
यीशु आया, ज्योति बनके
रास्ता मिल गया।

2. अब तो जीना, अब तो मरना
सब मसीह में है।
यीशु आया जीवन बनके,
एक मकसद मिल गया।

(1 यूहन्ना 5:12)

जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है, और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।

(132)

जय जय बोलू, तेरी
तेरी जय जय बोलूं यीशु (4)

1. राजाओं के राजा की, जय जय बोलूं
प्रभुओं के प्रभु की, जय जय बोलूं (2)
जय जय बोलूं.....।

2. जीवनदाता यीशु की, जय जय बोलूं,
मुक्तिदाता यीशु की, जय जय बोलूं (2)
जय जय बोलूं.....।

3. पालनहारे यीशु की, जय जय बोलूं
तारणहारे यीशु की, जय जय बोलूं (2)
जय जय बोलूं.....।

(भजन संहिता 149:1)

याह की स्तुति करो। यहोवा के लिए नया गीत गाओ, भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ।

(133)

सेनाओं का खुदा है तू,
यहोवा (2)
सारी पृथ्वी का राजा है तू,
यहोवा (2)
यहोवा (4)

1. समुद्र को चीरता तू,
यहोवा (2)
पहाड़ों को तोड़ता तू,
यहोवा (2)
यहोवा (4)

2. गिरे हुओं को उठाता है तू,
यहोवा (2)
बिगड़े हुओं को बनाता मैं तू,
यहोवा (2)
यहोवा (4)

(भजन संहिता 84:8)

हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन, हे याकुब के परमेश्वर, कान लगा।

(134)

बन्धन सारे जो खोलता है
रूह से मेरी जो बोलता है (2)
वो है तेरा लहू, यीशु तेरा लहू (4)

1. पापों को मेरे मिटा देता है,
रोगों से मुझको शिफा देता है। (2)
वो है.....।

2. दिल को मेरे सुकून देता है,
जिस्म को मेरे जो जान देता है। (2)
वो है.....।

3. मुसीबत से मुझको बचा लेता है,
शत्रु से मुझको बचा लेता है (2)
वो है.....।

(1 यूहन्ना 1:7)

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चल तो एक-दूसरे से सहभागिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(135)

सांसों पे मैंने जिसका नाम लिखा,
वो है मेरा यीशु मसीह।
धड़कनों पे मैंने जिनका नाम लिखा,
वो है मेरा यीशु मसीह।।

1. पापों से मुझे जो छुड़ा सकता है,
मृत्यु से मुझे जो बचा सकता है। (2)
वो है मेरा यीशु मसीह।।

2. रोगों से मुझे जो छुड़ा सकता है,
शत्रु से मुझे जो बचा सकता है। (2)
वो है मेरा यीशु मसीह।।

3. जो मुझको खुदा से मिला सकता है,
मेरी नैया को पार लगा सकता है। (2)
वो है मेरा यीशु मसीह।।

(यूहन्ना 14:6)

यीशु ने उससे कहा, मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।।

(136)

न तो बल से, न शक्ति से
हो जाएगा, तेरे रूह से। (2)
पाक रूह से यीशु (8)

1. बड़ा पहाड़ भी टल जाएगा,
बड़ा समुद्र भी बट जाएगा (2)
पाक रूह से यीशु - (8) न तो.....

2. बेटा तेरा कहलाऊंगा,
ताज जीवन का पाऊँगा। (2)
पाक रूह से यीशु। (8) न तो.....।

(जकयहि 4:6)

तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, "जरूब्बाबेल के लिए यहोवा का यह वचन है : न तो बल से और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।

(137)

सब नामों से ऊँचा है, यीशु का नाम
सब नामों से सुन्दर है यीशु का नाम (2)

1. यीशु नाम में ही मिलती है क्षमा
यीशु नाम में ही मिलती है शिफा (2)
सब नामों.....।

2. यीशु के नाम को रखा सबसे आगे
यीशु नाम से ही शैतान भागे (2)
सब नामों.....।

3. यीशु नाम से ही मिलती जिंदगी,
यीशु नाम से ही मिलती बंदगी (2)
सब नामों.....।

(प्रेरितों के काम 4:12)

किसी दूसरे द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

(138)

पापियों से प्यार करता,
पापों से उद्धार करता
प्यारा यीशु मसीहा। (2)

1. आजा उसके पास वो तुझे पुकारता
तेरे सारे पापों का धोना चाहता (2)
प्यारा यीशु मसीह। (2)

2. तेरी सारी, चिंता, तो हटाएगा,
तुझको अपने, पंखों में,वो छिपाएगा(2)
प्यारा यीशु मसीहा। (2)

3. तुझे कभी भी न छोड़ेगा,
तुझे कभी भी न त्यागेगा। (2)
प्यारा यीशु मसीहा। (2)

(लूका 19:10)

"क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढने और उनका उद्धार करने आया है।"

(139)

तेरी जय जय हो (4)

1. राजाधिराजा की जय जय हो,
मेरे महाराजा की जय जय हो (2)

2. जिंदा खुदावन्द की जय जय हो,
पाक खुदावन्द की जय जय हो (2)

3. करुणनिधान की जय जय हो,
परमप्रधान की जय जय हो (2)

(भजन संहिता 149:1)

याह की स्तुति करो। यहोवा के लिए नया गीत गाओ, भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ।

(140)

बहुत जरूरत है दुनिया की,
मेरी बस एक ही जरूरत है।
तेरे मसा की पाक रूह जी
बस एक जरूरत है।

1. कोई चाहता है सोना,
कोई चाहता है चाँदी,
कोई चाहता है बंगला,
कोई चाहता है गाड़ी।
मेरी बस एक ही.....।

2. कोई चाहता बनना ऐसा,
कोई चाहता बनना वैसा।
जाने ये जुनून है कैसा
सब ही चाहते रूतबा पैसा।
मेरी बस एक ही.....।

(मत्ती 6:33)

इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।।

(141)

होसन्ना करते यीशु तेरी हम पूरे दिल से
होसन्ना करते यीशु तेरी हम पूरे मन से (2)

1. चरणों में तेरे आता यीशु, तू मेरा राजा है,
विनती तुझसे करता यीशु,
तू मुक्तिदाता है (2)
आराधना करते यीशु तेरी,
हम पूरे.....। (1)

2. मेरे जीवन का यीशु, एक तू ही सहारा है,
मेरी जीवन नैया का,
एक तू ही किनारा है। (2)
प्रार्थना करते यीशु तेरी,
हम पूरे.....। (1)

(मरकुस 11:9)

जो उसके आगे आगे जाते और पीछे पीछे चले आते थे, पुकार-पुकार कर कहते जाते थे, "होशाना ! धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।

(142)

मेरे ही पापों के कारण
मेरा यीशु कुरबान हुआ। (2)

1. पीठ पे कोढ़ों को मारा गया
चेहरे पे उसके थूका गया (2)
मेरे ही रोगों के कारण
मेरा यीशु कुरबान हुआ।

2. हाथों में कीलों को ठोका गया,
पैरों में कीलों को ठोका गया (2)
मेरे ही अधर्म के कारण,
मेरा यीशु कुरबान हुआ।

3. सिर पर काटों को गाड़ा गया,
पसली में भाले को घोपा गया (2)
मेरी ही शांति के कारण,
मेरा यीशु कुरबान हुआ।

(यशायाह 53:5)

परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया, हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, की उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाए।

(143)

गर तेरी राहों पे चलना है,
तो तेरे रूह से भरना है।
आ पाक रूह (6)

1. पाक रूह ही जीवन दिलाता,
पाक रूह की जीना सिखाता,
पाक रूह ही जीवन बनाता,
पाक रूह ही जीवन बचाता। (2)

2. पाक रूह ही कुव्वत दिलाता,
पाक रूह ही कुदरत दिलाता,
पाक रुह ही रहमत दिलाता,
पाक रूह ही बरकत दिलाता। (2)

(गलातियों 5:16)

पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।

(144)

गाओ हालेलूय्या (4)

1. राजाओं के राजा को हालेलूय्या,
   प्रभुओं के प्रभु को हालेलूय्या (2)
2. जीवनदाता यीशु को हालेलूय्या,
   मुक्तिदाता यीशु को हालेलूय्या (2)
3. तारणहारा यीशु को हालेलूय्या,
   पालनहारा यीशु को हालेलूय्या (2)

(प्रकाशितवाक्य 19:1)

इसके बाद मैंने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊँचे शब्द से यह कहते सुना, "हालेलूय्या। उद्धार और महिमा और सामर्थ्य हमारे परमेश्वर की ही है।"

(145)

दुनिया में मैं हूँ मगर,
दुनिया का मैं हूँ नहीं
समुन्दर में नैया मगर,
समुद्र की है ये नहीं (2)

1. दुनिया है मुझको गिराना चाहती
   समुद्र में मुझको डुबाना चाहती (2)
   समुद्र में नैया मगर,
   समुंद्र की है ये नहीं।
2. यीशु है मुझको बचाना चाहता
   नैया को पार लगाना चाहता (2)
   समुंद्र में नैया मगर,
   समुंद्र की है ये नहीं।

(1 कुरिन्थियों 6:20)

क्योंकि दाम देकर मोल लिये गये हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

(146)

दूर मत कर अपनी हुजूरी (2)
तू मुझसे ऐ खुदा (1)
मुझे रूह की, तेरे रूह की,
पाक रूह की जरूरत है। (2) दूर मत.....

1. तेरे रूह बिन जिन्दा नहीं,
   तेरे रूह बिन आजाद नहीं,
   रूह बिना न वजूद मेरा,
   तेरे रूह बिन आबाद नहीं (2)
   मुझे रूह की.....
2. मुझमें कोई कुव्वत नहीं,
   तेरा रूह जब साथ नहीं,
   मुझमें कोई लियाकत नहीं,
   जब तेरे रूह की ताकत नहीं (2)
   मुझे रूह की.....

(भजन संहिता 139:7)

मैं तेरे आत्मा से भागकर किधर जाऊँ ? या तेरे सामने से किधर भागूँ ?

(147)

तू है पवित्र परमेश्वर,
तू है सच्चा परमेश्वर,
तू है जिंदा परमेश्वर,
मेरा यहोवा परमेश्वर (2)

1. तू है सामर्थी परमेश्वर
   तू है भययोग्य परमेश्वर
   तू है अनन्त परमेश्वर
   तू है महान परमेश्वर (2)
2. तू है आदि भी परमेश्वर
   तू है अन्त भी परमेश्वर
   तू है अल्फा भी परमेश्वर
   तू ओमेगा भी परमेश्वर (2)

(प्रकाशितवाक्य 1:8)

प्रभु परमेश्वर जो है और जो था और जो आने वाला है, जो सर्वशक्तिमान है, यह कहता है, "मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।"

(148)

धन्यवाद धन्यवाद (4)

1. राजाओं के राजा का धन्यवाद
   प्रभुओं के प्रभु का धन्यवाद (2)
   प्रभुओं के प्रभु का धन्यवाद (1)
   धन्यवाद धन्यवाद (4)
2. मेरे जीवनदाता का धन्यवाद
   मेरे मुक्तिदाता का धन्यवाद
   मेरे मुक्तिदाता का धन्यवाद (1)
   धन्यवाद धन्यवाद (4)

(भजन संहिता 118:1)

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है और उसकी करुणा सदा की है।

(149)

मत डर मत डर आगे बढ़ (2)
यहोवा यिरे, सब कुछ मुहय्या करेगा (2)

1. पंखों में अपने संभालेगा वो,
   हर पल वो तेरी रक्षा करेगा,
   हाथ पकड़ के चलाएगा वो,
   हर पल वो तेरे साथ रहेगा। (2)
2. आँसू को तेरे पोछेगा वो,
   रोगों को तेरे उठा लेगा,
   दर्द को तेरे बाटेगा वो,
   मृत्यु से तुझको बचा लेगा। (2)

(उत्पति 22:14)

अब्राहम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखा। इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है कि यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जाएगा।

(150)

सानू डर नहीं शैतान दा (2)
अस्सी यीशु दे बन्दे हैं (2)
लहू से ओदे धुले हुए हैं (2)
ओदे कोढ़ों से चंगे हैं। (1)
अस्सी रब दे (2) बन्दे हैं।
अस्सी रब दे बंदे हैं।

1. चाहे शैतान कितना डराए (2)
   चाहे दुनिया कितनी सताए (2)
2. चाहे कितने दुख जो आए (2)
   चाहे कितने तूफान जो आए (2)

(याकूब 4:7)

इसलिए परमेश्वर के अधीन हो जाओ और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।

(151)

बस एक जरूरत हैं।
तेरे मसा की जरूरत है (2)
पाक रूह का मसा (8)

1. मसा में ही तो रहमत है (2)
मसा में ही तो बरकत है। (2)

2. मसा में ही तो शिरकत है (2)
मसा में ही तो शफ़कत है। (2)

3. मसा में ही चंगाई हैं (2)
मसा में ही रिहाई है। (2)

(मती 5:6)

धन्य है वे, जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किये जायेंगे।।

(152)

मुझे माफ कर दे यीशू (2)
मुझे साफ कर दे यीशू (2)
अपने लहू से धोधो यीशू (2)
अपनी रूह से भर दे यीशू (1)

1. लहू में तेरे कुदरत यीशू (2)
लहू में तेरे कुव्वत यीशू (2)
लहू में तेरे रहमत यीशू (2)
लहू में तेरे बरकत यीशू। (2)

2. लहू में तेरे चंगाई यीशू (2)
लहू में तेरे रिहाई यीशू (2)
लहू में तेरे भलाई यीशू (2)
लहू में तेरे सच्चाई यीशू। (2)

(नीतिवचन 28:13)

जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सफल नहीं होता, परन्तु जो उनका मान लेता और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जायेगी।

(153)

सारी स्तुति के योग्य तू ही है,
सारी महिमा के योग्य तू ही है,
तेरी जय हो यीशू (8)

1. सारे आदर के योग्य तू ही है (2)
सारी महिमा के योग्य तू ही है (2)
तेरी जय हो यीशू। (8)

2. सारे सजदों के योग्य तू ही है (2)
सारी बड़ाई के योग्य तू ही है (2)
तेरी जय हो यीशु। (2)

(प्रकाशित वाक्य 4:11)

हे हमारे प्रभु और परमेश्वर, तू ही महिमा और आदर और सामर्थ्य के योग्य है, क्योंकि तू ही ने सब वस्तुएं सृजी और वे तेरी ही इच्छा से थी और सृजी गई।

(154)

माँ से भी ज्यादा मुझे प्यार करता है (2)
पिता से भी ज्यादा मेरी चिंता करता है (2)
वो यीशू है, मेरा यीशू है। (2)

1. पापों से मुझको, जो क्षमा करता है (2)
रोगों से मुझको, जो शिफा देता है (2)
वो यीशू है, मेरा यीशू है। (2)

2. कष्टों को मेरे जो दूर करता है
प्रार्थना और विनती जो मेरी सुनता है (2)
वो यीशु है मेरा यीशु है। (2)

(युहन्ना 15:13)

इससे बड़ा कोई प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण दे।।

(155)

नरसिंगा फूँका जाने वाला है,
न्याय करने यीशू आने वाला है,
मेरा यीशू (3)
जल्दी आने वाला है,

1. बादलों में यीशु आने वाला है।
जलवा मसीहा दिखाने वाला है।
मेरा यीशू (3)
जल्दी आने वाला है।

2. नयी दुनिया यीशू बनाने वाला है,
मुझे अपने संग यीशू ले जाने वाला है।
मेरा यीशू (3)
जल्दी आने वाला है।

(मत्ती 24:31)

वह तुरछी के बड़े शब्द के साथ अपने दूतों को भेजेगा और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक चारों दिशाओं से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेंगे।

(156)

दर्शन को तेरे मैं चाहता हूँ (2)
रूह को तेरे मैं मांगता हूँ (1)

1. तूने कहा मांगों मांगता हूँ (2)
तूने कहा ढूंढो, ढूंढता हूँ (2)
हुजूरी को तेरे मैं चाहता हूँ (2)
रूह को तेरे मैं मांगता हूँ। (2)

2. तू देता है मुझे, जानता हूँ (2)
तू भरता है मुझे, मानता हूँ (2)
मसा को तेरे मैं चाहता हूँ (2)
रूह को तेरे मैं मांगता हूँ। (2)

(मत्ती 7:7)

"मांगो, तो तुम्हें दिया जाएगा, ढूंढो तो तुम पाओगे, खटखटाओ तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा।"

(157)

हर पल सम्भालता है,
मेरा यीशू मसीह मुझे (2)

1. मुझे आनन्द देता है,
मेरा यीशू मसीह मुझे। (2)

2. मुझे शांति देता है,
मेरा यीशू मसीह मुझे (2)

3. मुझे जीवन देता हैं
मेरा यीशू मसीह मुझे (2)

(भजन संहिता 55:22)

अपना बोझ यहोवा पर डाल दे वह तुझे सम्भालेगा वह धर्मी को कभी टलने न देगा।।

(158)

आराधना आराधना
यीशु मसीहा की आराधना

1. चाहे हो बीमारी, करो आराधना
चाहे हो कंगाली, करो आराधना (2)

2. पूरे दिल से, करो आराधना
पूरे मन से, करो आराधना (2)

3. यीशु राजा की, करो आराधना
मेरे प्रभु की, करो आराधना (2)

(1 थिस्सुलुनीकियो 5:18)

हर बात में धन्यवाद करो, क्योंकि तुम्हारे लिए मसीह यीशू में परमेश्वर की यही इच्छा है।

(159)

सबसे है निराला, तेरा नाम यीशु,
सबसे हैं निराले, तेरे काम यीशू (2)

1. तेरे नाम से, अंधे देखते हैं,
तेरे नाम से, लंगड़े चलते हैं (2)

2. तेरे नाम से, गूंगे बोलते हैं,
तेरे नाम से, बहरे सुनते हैं। (2)

3. तेरे नाम से, कोढ़ी शुद्ध होते हैं,
तेरे नाम से, मुर्दे जीते हैं (2)

(प्रेरितों के काम 4:12)

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(160)

आनन्द से हूँ करता भक्ति
तेरा आनन्द हैं मेरी शक्ति (2)

1. हाथों में तेरे है जीवन मेरा
बिन तेरे क्या है जीना मेरा (2)
प्रेम से हूँ करता भक्ति
तेरा आनन्द है, मेरी शक्ति (2)

2. तेरी हुजूरी में शान्ति भरी
तेरी हुजूरी में खुशी भरी (2)
संयम से हूँ करता भक्ति
तेरा आनन्द हैं मेरा शक्ति (2)

(भजन संहिता 100:2)

आनन्द से यहोवा की आराधना करो। जयजयकार के साथ उसके सम्मुख आओ।

(161)

थोड़े से इस संसार के सुख के लिए
वो अनन्त सुख न खो देना
छोटे से इस जीवन के लिए
वो अनन्त जीवन न खो देना।

1. तू अपना नहीं, तू यीशू का है,
उसका खून खरीदा है।
हाथों की उसकी रचना है तू
प्यार तुझसे बहुत वो करता है। (2)

2. लेगा वो लेखा एक दिन सबसे,
पूछेगा क्यों तुमने ये सब किया।
चाह कर भी न वो बचा पाएगा।
आत्मा को अपनी खो जो दिया। (2)

(यूहन्ना 10:10)

चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और नष्ट करने और घात करने को आता है। मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएँ और बहुतायत से पाएँ।।

(162)

हो धन्यवाद, हो धन्यवाद (2)
पिता यहोवा का हो धन्यवाद (2)

1. हो धन्यवाद, हो धन्यवाद (2)
यीशू मसीह का हो धन्यवाद (2)

2. हो धन्यवाद, हो धन्यवाद (2)
पवित्रात्मा का हो धन्यवाद (2)

पिता यहोवा का.....
यीशू मसीहा का.....
पवित्रात्मा का.....

(भजन संहिता 117:1)

हे जाति-जाति के सब लोगों, यहोवा की स्तुति करो।

(163)

मिट्टी हूँ बस, कुछ और नहीं
तेरी साँस बिना, मैं प्रभू (2)
जिन साँसों से जिन्दा मैं हुआ
वो साँसे है तेरी प्रभू

1. आदम भी प्रभू, तेरी साँस बिना
मिट्टी का पुतला था
तूने नथनों में मिट्टी के प्रभू
तेरा साँस डाला था (2)
जिन साँसों से जिन्दा वो हुआ
वो साँसें थी तेरी प्रभू। (1)

2. चेले भी प्रभू तेरी साँस बिना,
तेरी सेवा से डरते थे,
तूने आकर प्रभू तेरा रूह दिया,
तेरे काम वो करते थे
जिन साँसों से सामर्थी हुए
वो साँसें थी तेरी प्रभू।

(उत्पत्ति 1:7)

तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा ओर उसके नथनों में जीवन का श्वास फूँक दिया और आदम जीवित प्राणी बन गया।

(164)

तू मेरी राह की ज्योति हैं।
तू मेरे जीवन की रोटी हैं। (2)
जीवन के हर एक पल में मुझे
तेरी जरूरत होती हैं।

1. तू ही है अल्फा, ओमेगा तू ही है,
तू ही है आदि, अन्त तू ही है (2)
तू ही तो सब है, तू ही रब है
तू ही तो कल था, तू ही अब है (2)

2. राजाओं का राजा, तू ही तो है,
प्रभुओं का प्रभु, तू ही तो है। (2)
सच्चा खुदावन्द भी, तू ही तो हैं।
जिन्दा खुदावन्द भी, तू ही तो हैं। (2)

(प्रकाशित वाक्य 1:8)

प्रभू परमेश्वर जो है और जो था और जो आने वाला है, जो सर्वशक्तिमान है, यह कहता है, मैं ही अल्फा और ओमेगा हूँ।

(165)

गुनाहों को मेरे मिटा दिया,
लहू की धार से (2)
पर मैंने तुझको क्या दिया,
बदले में प्यार के (2)

1. अंधेरे में डूबा हुआ था मैं,
जीवन में मेरे ज्योति ना थी
न थी मंजिल, न कोई ठिकाना मेरा,
जीवन में कोई आशा न थी। (2)
बेटा खुदा का बना दिया
लहू की धार से। पर मैंने.....

(रोमियो 5:8)

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रकट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा।

(166)

यीशु जिन्दा खुदा,
मेरा जिन्दा खुदा (4)

1. सोता न वो कभी उंगता है,
हर पल वो मेरे संग रहता है (2)

2. हर एक बला से मुझे बचाता है
हर पल वो मेरी रक्षा रहता है (2)

3. मेरे सारे बोझों को दूर करता है
मुझे सारे रोगों से चंगा करता है।

(प्रकाशितवाक्य 1:18)

मैं मर गया था और अब देख मैं युगानुयुग जीवता हूँ। और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां मेरे ही पास हैं।।

(167)

बोलो यीशू के लहू की जय
सर्व सामर्थी लहू की जय (2)

1. मेरे सारे पापों की क्षमा
मेरे सारे रोगों की शिफा (2)
वो यीशू के लहू में है (2)

2. अन्धकार की सामर्थ पर जय
सारी शैतानी ताकत पर जय (2)
वो यीशू के लहू में है (2)

3. जहां मिलती है हिम्मत मुझे
जहां मिलती है हिफाजत मुझे (2)
वो यीशू के लहू में है (2)

(1 पतरस 1:18:19)

क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारा निकम्मा चाल-चलन जो बाप दादों से चला आता है, उससे तुम्हारा छुटकारा चांदी-सोने अर्थात् नाशवान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ। पर निर्दोष और निष्कलंक मेमने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ।

(168)

आ पाक रूह(2)
मुझे यीशू के जैसा बना दे (2)
आ पाक रूह(2)

सूरत हो यीशू के जैसी मेरी
सीरत हो यीशू के जैसी मेरी (2)
आ पाक रूह (2)

आंखें हो यीशू के जैसी मेरी
जुबान हो यीशू के जैसी मेरी (2)
आ पाक रुह (2)

सोचे हो यीशू के जैसी मेरी
बाते हो यीशू के जैसी मेरी (2)
आ पाक रूह (2)

(2 कुरिन्थिओं 3:18)

परन्तु जब हम सबके उघाड़े चेहरों से प्रभू का प्रताप इस प्रकार प्रकट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभू के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश करके बदलते जाते हैं।

(169)

आओ गाए सन्ना, हम गाए सन्ना
यीशू राजा की मिलकर गाए सन्ना (2)

1. स्तुति हम यीशू की करते हैं,
वो ही तो स्तुति के काबिल है।
आराधना यीशू की करते हैं।
वो ही तो इसके काबिल है। (2)

2. प्रशंसा हम यीशू की करते हैं।
वो ही तो इसके काबिल हैं।
आदर हम यीशू का करते हैं।
वो ही तो आदर के काबिल हैं। (2)

(भजन संहिता 149:1)

याह की स्तुति करो। यहोवा के लिए नया गीत गाओ, भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ।

(170)

हर पल मुझ पर
रहती, तेरी नजर (2)
तेरी आत्मा से भाग कर
मैं जाऊ तो जाऊं किधर (2)
हर पल.....

1. आसमां में भी, हैं तेरी नजर,
जमीन पर भी, है तेरी नजर (2)

2. मेरी रूह पर भी, है तेरी नजर
मेरी देह पर भी, है तेरी नजर (2)

3. मेरी सोचो पर भी, है तेरी नजर
मेरी बातों पर भी, है तेरी नजर (2)

(भजन संहिता 139:7)

मैं तेरे आत्मा से भागकर किधर जाऊँ या तेरे सामने से किधर भागूँ ?

(171)

जीवन में तेरी है, महिमा भरी,
क्यू न गाऊं फिर, स्तुति तेरी (2)

1. सागर की गहराई, तू जानता है,
आसमा की ऊंचाई को पहचानता है(2)
सृष्टि में तेरी है महिमा भरी
क्यूं न गाऊ, स्तुति तेरी।

2. फूलों को रंगों से तू है सजाता
झरनों में पानी को तू है बहाता। (2)
पृथ्वी में तेरी है महिमा भरी
क्यूं न गाऊ फिर, स्तुति तेरी।

3. रौशनी तू मेरी आंखों में देता।
चलने की मुझको सामर्थ देता। (2)
दिल में तेरी है महिमा भरी।
क्यूं न गाऊ फिर स्तुति तेरी।

(भजन 147:1)

याह की स्तुति करो। क्योंकि अपने परमेश्वर का भजन गाना अच्छा है, क्योंकि वह मन-भावना है, उसकी स्तुति करनी मनभावनी है।

(172)

चाहे जो हो कितने गम
रहता है तू मेरे संग (2)
साथ जो तू है मेरे
जीतूंगा हर एक जंग (2)

1. पापों को अपने छोड़ दूंगा,
राहों को अपनी मोड़ दूंगा,
पूरी करूंगा मैं मर्जी तेरी,
मर्जी को अपनी मैं छोड़ दूंगा। (2)

2. पूरा समर्पण तुझको दूंगा,
हृदय में तेरे वचन का रखूंगा।
ऊँचा करूंगा नाम मैं तेरा
काम को तेरे मैं पूरा करूंगा। (2)
साथ रहे बस तू
चाहिए तेरा ही संग

(इब्रानियों 13:5:6)

तुम्हारे स्वभाव लोभ रहित हो, और जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोड़ूंगा और न कभी तुझे त्यागूंगा। इसलिए हम निडर

होकर कहते है, प्रभू मेरा सहायक है, मैं न डरूंगा मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।

(173)

पाक रूह, पाक रूह (2)
अपने कब्जे में लेले तू।

1. मेरी सांसों को, मेरी राहों को
   मेरी सोचो को, मेरी बातों को (2)
   अपने कब्जे में लेले तू।
2. मेरी आंखों को, मेरे कानों को
   मेरे हाथों को, मेरे पैरों को (2)
   अपने कब्जे में लेले तू।

(गलतियों 5:16)

पर मैं कहता हूँ आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।

(174)

तुझे छूना चाहता हूँ। (2)
तुझे सुनना चाहता हूँ।
तुझे देखना चाहता हूँ।
तुझे छूना चाहता हूँ। (2)

1. छूने से तेरे जिन्दा हूँ।
   छूने से तेरे चलता हूँ।
   छूने से तेरे मिलती ताकत
   तुझे छूना चाहता हूँ। (2)
2. छूने से तेरे देखता हूँ
   छूने से तेरे सुनता हूँ।
   छूने से तेरे अंग है चलते
   तुझे छूना चाहता हूँ। (2)
   छूने से तेरे बोलता हूँ। (2)

(मरकुस 5:28)

क्योंकि वह कहती थी, यदि मैं उसके वस्त्र ही को छू लूंगी, तो चंगी हो जाऊंगी।

(175)

ऐ खुदा, मुझे अभिषेक कर
अपने रूह से, अभिषेक कर (2)
अभिषेक कर मुझे अभिषेक कर (4)

1. दिल को मेरे भर दे प्रभू
   कटोरे को मेरे भर दे प्रभू (2)
2. रूह को मेरी भर दे प्रभू
   सोचो को मेरी, भर दे प्रभू (2)
3. जीवन को मेरे ले ले प्रभू
   सामर्थ को अपनी दे दे प्रभू (2)

(भजन संहिता 23:5)

तू मेरे सताने वालों के सामने मेरे लिए मेज बिछाता है तूने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमड़ रहा है।

(176)

मैं भवन हूँ, तेरा प्रभू (4)
तू रहता, मुझमें प्रभू (2)
मैं भवन हूँ, तेरा प्रभू (4)

1. जब मैं चलता, चलता तू भी,
   जब मैं रुकता, रुकता तू भी (2)
   जब मैं देखता, देखता तू भी,
   जब मैं सुनता, सुनता तू भी (1)
2. जब मैं रोता, रोता तू भी,
   जब मैं हँसता, हँसता तू भी (2)
   जब मैं जाता, जाता तू भी,
   जब मैं आता, आता तू भी (1)

(1 कुरिन्थिओं 3:16)

क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है।

(177)

बदला हुआ जीवन मेरा
उसको चाहिए (4)

1. जब मैं हूँ यीशु में अब,
   तो नई सृष्टि हूँ,
   पुराना नहीं रहा कुछ अब,
   मैं नई सृष्टि हूँ।
   बदला हुआ हृदय मेरा
   उसको चाहिए
   बदला हुआ जीवन मेरा उसको चाहिए।
2. बदले हुए मेरे काम हो,
   बदली हुई हो सोचे मेरी,
   बदली हुई मेरी आदते हो,
   बदली हुई हो गवाही मेरी।
   बदली हुआ, रूप मेरा,
   उसको चाहिए
   बदला हुआ, जीवन मेरा,
   उसको चाहिए।

(2 कुरिन्थिओ 5:17)

इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है पुरानी बातें बीत गई है, देखो, सब बातें नई हो गई है।

(178)

स्वर्ग से सुन्दर, स्वर्ग से प्यारी
दूसरी कोई जगह नहीं (2)

1. वहां पर कोई दर्द नहीं
   वहां पर कोई आंसू नहीं (2)
2. वहां पर कोई गरीबी नहीं
   वहां पर कोई बीमारी नहीं (2)
3. वहां पर कोई पाप नहीं
   वहां पर कोई मृत्यु नहीं (2)

(यूहन्ना 14:3)

और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूं तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊंगा कि जहां मैं रहूँ वहां तुम भी रहो।

(179)

मेरी प्रार्थना (2)
तू सुन ले प्रभू (4)
मेरी प्रार्थना (2)

1. सच्चे दिल से करता हूँ।
   सच्चे मन से करता हूँ। (2)
   मेरी प्रार्थना (2)
2. पूरे दिल से करता हूँ
   पूरे मन से करता हूँ (2)
   मेरी प्रार्थना (2)
3. टूटे मन से करता हूँ।
   आंसुओं से करता हूँ। (2)
   मेरी प्रार्थना (2)

(भजन संहिता 143:1)

हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन, मेरे गिड़गिड़ाने की ओर कान लगा। तू जो सच्चा और धर्मी है, इसलिए मेरी सुन ले।

(180)

घबराना नहीं, रुक जाना नहीं (2)
चाहे रोके तुझे शैतान कितना (2)
तू बात में उसकी आना नहीं (1)
घबराना नहीं.....

1. शैतान तुझको फंसाना चाहता
   शैतान तुझको गिराना चाहता (2)
   तू बात में उसकी आना नहीं
   घबराना नहीं.....
2. शैतान तुझको लालच देता
   थोड़े समय का सूख वो देता (2)
   तू बात में उसकी आना नहीं
   घबराना नहीं.....

(यशायाह 41:10)

मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर-उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मैं तुझे दृढ़ करूंगा और तेरी सहायता करूंगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे सम्भाले रहूंगा।

(181)

मेरा यीशू जीवन है(4)
आजा यीशू के पास तू(2)
मेरा यीशू जीवन है। (4)

1. क्यों भटकता यहां वहां तू,
   क्यों यहां वहां है रोता,
   जहां से कुछ न पाएगा तू
   क्यों वहां पर तू है बोता (2)
   आजा यीशू के पास तू (2)
   मेरा यीशू जीवन है। (4)
2. यीशू ही तेरा मार्ग बनाता
   यीशू ही उस पर तुझको चलाता
   जीवन की तेरी नैया को तो
   केवल यीशू ही पार लगाता (2)
   आजा यीशू के पास तू (2)
   मेरा यीशू जीवन है। (4)

(यूहन्ना 14:6)

"यीशू ने उससे कहा, मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।"

(182)

जिम्मेदार हो, मालिक न बनो (2)
तुम चेले हो, गुरु न बनो (1)

1. सेवक तुमको बनाना है (2)
   सेवा तुमको करनी है (2)
2. नम्र तुमको बनना है,
   नम्रता दिखानी है। (2)
3. आज्ञाकारी बनना हैं,
   आज्ञाओं को मानना है (2)

(1 पतरस 4:10)

जिसको जो वरदान मिला है वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुगृह के भले भण्डारियों के समान एक-दूसरे की सेवा में लगाए।

(183)

मैं तो तेरी भेड़ हूँ(2)
तू है मेरा चरवाहा (2)

1. चलकर तेरे, पीछे ही,
   मैं मंजिल को पाऊंगा,
   मानकर तेरी, बातों को,
   मैं जीवन को पाऊंगा
   तू ही मेरा चरवाहा (2)
2. राह में तेरी, जो मैं चलूंगा,
   कभी न जीवन, में पीछे हटूंगा,
   सुनकर तेरी आवाज को मैं,
   दौड़ता तेरे पीछे आऊंगा।
   तू है मेरा चरवाहा (2)

(भजनसंहिता 23:1)

यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।

(184)

क्या जा पाऊंगा तेरे संग मैं प्रभू,
ये सोचता रहता हूँ। (2)

1. क्या राह पर तेरी प्रभू, मैं चलता हूँ।
   क्या बातों को तेरी प्रभू,मैं सुनता हूँ।(2)
   क्या मिल पाऊंगा, तुझसे एक दिन प्रभू
   ये सोचता रहता हूँ।
2. क्या जिंदा ईमान प्रभू, मैं रखता हूँ।
   पे क्या तेरे कलाम ये प्रभू,
   मैं चलता हूँ (2)
   क्या देख पाऊंगा, तेरे चेहरे को,
   ये सोचता रहता हूँ।

(मत्ती 24:42)

इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभू किस दिन आएगा।

(185)

नहीं नहीं मैं कुछ भी नहीं,
तेरी आत्मा बिना मसीहा। (2)

1. तेरी सांसों से ही जिंदा हूँ
   तेरी रूह से ही बढ़ता हूँ। (2)
2. तेरी सामर्थ से ही जीता हूँ
   तेरी शक्ति से ही चलता हूँ। (2)
3. तेरी करुणा से ही देखता हूँ।
   तेरी दया से ही सुनता हूँ। (2)

(यूहन्ना 15:5)

मैं दाखलता हूँ तुम डालियां हो। जो मुझमें बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

(186)

सबसे बढ़कर यीशू,
मुझे प्यार करता है

1. तुझे चाहता, वो है,
   तुझे ढूंढता, वो है,
   वो तेरा सच्चा मीत है,
   तुझे मांगता, वो हैं।
2. तुझे प्यार करता है,
   तेरा उद्धार करता है,
   तेरे पापों को धोता है,
   तुझे जीवन देता है।

(यूहन्ना 15:13)

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण दे।

(187)

इन्तजार, कर रहा, तेरा यीशू (2)

1. बाहों में तुझे लेना चाहता है,
   पंखों में छुपाना, चाहता है,

न हो तुझे कोई भी डर,
गर साथ हो तेरे यीशू। इन्तजार...

2. संग वो तेरे चलना चाहता है
संग वो तेरे देखना चाहता है
पूरी होगी तेरी कमी हर
गर साथ हो तेरे यीशू। इन्तजार...

(यशायाह 30:18)

तौभी यहोवा इसलिए विलम्ब करता है कि तुम पर अनुगृह करे और इसलिए ऊँचे उठेगा कि तुम पर दया करे। क्योंकि यहोवा न्यायी परमेश्वर है, क्या ही धन्य है वे जो उस पर आशा लगाए रहते हैं।

(188)

यीशू तेरी जय जय हो
तेरे नाम की जय जय हो (2)

1. सुबह सवेरे, तेरी जय हो
रात-दिन, तेरी जय हो (2)

2. ताली बजाके, तेरी जय हो
हाथ उठाके, तेरी जय हो (2)

3. पूरे दिल से, तेरी जय हो।
पूरे मन से, तेरी जय हो। (2)

(भजन संहिता 148:13)

यहोवा के नाम की स्तुति करो। क्योंकि केवल उसी का नाम महान् है उसका ऐश्वर्य पृथ्वी और आकाश के ऊपर है।

(189)

क्या मैं दे सकता, तुझको मेरे प्रभू,
क्या मैं ला सकता, तेरे पास मेरे प्रभू,

1. आसमां तेरा है,
और जमीन भी तेरी है (2)
ये पहाड़ भी तेरे हैं,
नदियां भी सब तेरी हैं (2)

2. सारे पक्षी तेरे हैं, सारे जन्तु तेरे हैं (2)
सारे फल भी तेरे हैं,
सारे फूल भी तेरे हैं (2)

3. सारी सृष्टि तेरी है, सारे प्राणी तेरे हैं (2)
मेरा दिल भी तेरा है,
मेरी जान भी तेरी है (2)

(भजन संहिता 24:1)

पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का है, जगत और उसमें निवास करने वाले भी।

(190)

तुझसे जुदा होकर,
नहीं कोई वजूद मेरा (2)
तुझमें ही ऐ खुदा,
मैं पाता सुकून मेरा (2)

1. आंखें भी मेरी, तेरी है
सांसें भी मेरी, तेरी है
तुझसे ही हर उम्मीद मेरी
तुझमें ही हर आनन्द मेरा

2. हर पल तेरी जरूरत है
हर दम तेरी जरूरत है
तेरे सिवा न धड़कर मेरी
तेरे सिवा न जीवन मेरा

(यूहन्ना 15:5)

मैं दाखलता हूँ तुम डालियां हो। जो मुझसे बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

(191)

प्रेम को अपने उंडेल,
हमारे हृदयो में (2)
आत्मा को अपनी उंडेल,
हमारे कटोरों में।। (2)

1. मिलकर चलना हमको है,
मिलकर बढ़ना हमको है,
मिलकर ही करना है काम उसका,
मिलकर ही हमको रहना है।

2. मिलकर ही सेवा कर सकते हैं,
मिलकर ही तुझमें बन सकते हैं,
मिलकर ही बनते हैं देह उसकी
मिलकर ही महिमा देते हैं।

(रोमियो 5:5)

और आशा से लज्जा नहीं होती क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।

(192)

तू है मेरा प्रभू (6)

1. मुझसे तू मिल जाए प्रभू
तुझमें मैं मिल जाऊ प्रभू (2)
तू है मेरा प्रभू। (2)

2. रूह तेरा जब छाए प्रभू
आजाद सभी हो जाए प्रभू (2)
तू है मेरा प्रभू।

(रोमियो 14:11)

क्योंकि लिखा है, "प्रभू कहता है, मेरे जीवन की सौगन्ध कि हर एक घुटना मेरे सामने टिकेगा और हर एक जीभ परमेश्वर को अंगीकार करेगी।

(193)

हम बन्दे यीशू के है (2)
हाथों की उसकी रचना है हम
बच्चे यीशू के है।
हम बन्दे यीशू के है। (2)

1. चुना हुआ हम वंश है
याजको का समाज है (2)
हाथों की.....हैं।

2. दुनिया के नहीं हम तेरे है
तेरे खून खरीदे है (2)
हाथों की.....हैं।

(इफिसियों 2:10)

क्योंकि हम उसके बनाए हुए है, और मसीह यीशू में उन भले कामों के लिए सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने हमारे करने के लिए तैयार किया।

(194)

यीशू तू है, सिर्फ तू है। (2)

1. मेरा जीवनदाता तू है।
मेरा मुक्तिदाता तू है। (2)

2. मेरा तारणहारा तू है।
मेरा पालनहार तू है। (2)

3. मेरा बनाने वाला तू है।
मेरा चलने वाला तू है। (2)

(भजन संहिता 18:2)

यहोवा मेरी चट्टान और मेरा गढ़ और मेरा छुड़ाने वाला है मेरा ईश्वर मेरी चट्टान है, जिसका मैं शरणागत हूँ वह मेरी ढाल और मेरी मुक्ति का सींग और मेरा ऊंचा गढ़ है।

(195)

दरबार में तेरे आते हैं,
तेरी स्तुति गाते हैं (2)

1. छूना तुझको चाहते हैं (4)
   तेरी महिमा गाते हैं (1)
   दरबार में.....हैं।
2. देखना तुझको चाहते हैं (4)
   तेरी प्रशंसा गाते हैं। (1)
   दरबार में.....हैं।
3. मिलना तुझसे चाहते है (4)
   तेरा सन्ना गाते हैं (1)
   दरबार में.....हैं।

(भजन संहिता 149:1)

याह की स्तुति करो। यहोवा के लिए नया गीत गाओ। भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ।

(196)

हृदय से करता हूँ
तुझको प्रभू मैं धन्यवाद।

1. तेरी करुणा के लिए प्रभू,
   तेरी कृपा के लिए प्रभू,
   तेरे प्रेम के लिए प्रभू
   तेरी दया के लिए प्रभू
   हृदय से करता.....।
2. तेरी आशीषों के लिए प्रभू,
   तेरी चंगाई के लिए प्रभू,
   तेरे उपकारों के लिए प्रभू,
   तेरी सहायता के लिए प्रभू
   हृदय से करता.....।

(थिस्सलुनीकियो 5:18)

हर बात में धन्यवाद करो, क्योंकि तुम्हारे लिए मसीह यीशू में परमेश्वर की यही इच्छा है।

(197)

भेंटो को मेरी, स्वीकार कर (2)
मेरे प्यारे मसीहा।

1. हुजूरी को अपनी दूर न कर
   विनती को मेरी त्याग न दे (2)
   फरयाद मेरी, स्वीकार कर
   मेरे प्यारे मसीहा
2. अनुगृह को अपने दूर न कर
   हाथ को अपने मुझे पर रुख (2)
   प्रार्थना मेरी, स्वीकार कर
   मेरे प्यारे मसीहा।

(भजन 119:108)

हे यहोवा, मेरे वचनों को स्वेच्छाबलि जानकर ग्रहण कर, और अपने नियमों को मुझे सिखा।

(198)

तू स्तुति के योग्य है
तू आदर के योग्य है (2)

1. तुझमें कोई कमी नहीं है
   तुझमें कोई घटी नहीं है (2)
   तू प्रशंसा के योग्य हैं।
   तू महिमा के योग्य हैं।
2. तुझमें ही है कुव्वत सारी
   तुझमें ही है कुदरत सारी (2)
   तू प्रशंसा के योग्य है
   तू महिमा के योग्य है।

(भजन संहिता 145:3)

यहोवा महान् और अति स्तुति के योग्य है और उसकी बड़ाई अगम है।

(199)

प्रेम बिना मैं, कुछ भी नहीं,
कुछ भी नहीं, कुछ भी नहीं (2)

1. चाहे पहाड़ को मैं हटा दूं,
   चाहे सागर बांट दू मैं।
   पर फिर भी मैं
   कुछ भी नहीं (2)
2. चाहे मुर्दों को जिला दूँ। (1)
   बदरूहों को चाहे भगा दूँ (1)
   पर फिर भी मैं
   कुछ भी नहीं (2)

(1 कुरिन्थिओं 13:2)

और यदि मैं भविष्यवाणी कर सकूँ और अब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझूँ और मुझे यहाँ तक पूरा विश्वास हो कि मैं पहाड़ों को हटा दूँ, परन्तु प्रेम न रखूँ, तो मैं कुछ भी नहीं।

(200)

मंदिर को अपने भर दे प्रभू
अपनी हुजूरी से। (2)

1. आँखों को मेरी तू छूले प्रभू
   जुबान को मेरी तू छूले प्रभू (2)
   दिल को मेरे भर दे प्रभू
   अपनी हुजूरी से
2. हाथों को मेरे तू छूले प्रभू
   कानों को मेरे तू छूले प्रभू (2)
   रूह को मेरी भर दे प्रभू
   अपनी हुजूरी से

(2 कुरिन्थियों 3:17)

प्रभु तो आत्मा है और जहाँ कहीं प्रभु का आत्मा है वहां स्वतंत्रता है।

(201)

आत्मा से अभिषेक कर (2)
प्यारे मसीहा मुझको अपनी
आत्मा से अभिषेक कर

1. जिन्दगी को मेरी जरूरत तेरी
   रूह को मेरी जरूरत तेरी (2)
   प्यारे मसीहा जीवन को मेरे
   आत्मा से अभिषेक कर।
2. सोचो को मेरी अभिषेक कर
   ख्यालों को मेरे अभिषेक कर (2)
   प्यारे मसीहा हृदय को मेरे
   आत्मा से अभिषेक कर।

(प्रेरितों 2:17)

परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा, और तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यवाणी करेंगे, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे, और तुम्हारे पुरनिए स्वप्न देखेंगे।

(202)

लहू की कीमत को पहचान (2)
बेशकीमती लहू यीशू का
इसकी कीमत को तू पहचान

1. सोने से ज्यादा, ये कीमती है
   चांदी से ज्यादा, ये कीमती है। (2)
2. खुदा के बरै का ये लहू है।
   निष्पान मेम्ने का, ये लहू है। (2)
3. पापों को धोता, ये लहू है।
   सर्वसामर्थी, ये लहू है। (2)

(1 पतरस 1:18,19)

क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारा निकम्मा चाल चलन जो बापदादों से चला आता है, उससे तुम्हारा छुटकारा चांदी सोने अर्थात् नाशवान् वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ, पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ।

(203)

तू विषय है मेरे जीवन का (2)
तू है मकसद, मेरे जीवन का (1)
तू विषय है, मेरे जीवन का (2)

1. तेरे बिना न मंजिल मेरी (2)
   तेरे बिना न राह मेरी (2)
   तू मार्ग है, मेरे जीवन का (1)
   तू विषय है, मेरे जीवन का (2)
2. तेरे बिना न सांस मेरी (2)
   तेरे बिना न धड़कन मेरी (2)
   तू श्वास है, मेरे जीवन का (1)
   तू विषय है, मेरे जीवन का (2)

(फिलिपियो 1:21)

क्योंकि मेरे लिये जीवित रहना मसीह है और मर जाना लाभ है।

(204)

भाग यहां से तू शैतान
यहां नहीं कुछ तेरा काम (2)

1. हारा हुआ तो पहले से तू (2)
   गिरा हुआ तो पहले से तू (2)
   कितना बिचारा तू शैतान
   यहां न ही कुछ तेरा काम। (2)
2. खुद से कुछ नहीं कर सकता तू (2)
   मुझको छू तक नहीं सकता तू (2)
   कितना बिचारा तू शैतान
   यहां नहीं कुछ तेरा काम (2)

(रोमियो 16:20)

शांति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पांवों से शीघ्र कुचलवा देगा।

(205)

त्वाडे रूह का मसा, सानू दे दे खुदा (4)
सबनू भर दे खुदा (2)
सबनू भर दे खुदा (2)

1. अखनू मेरी रूह नाल भर दे
   लब नू मेरे रूह नाल भर दे (2)
   सबनू भर दे खुदा (2)
2. दिन नू मेरे रूह नाल भर दे
   जान नू मेरी रूह नाल भर दे (2)
   सबनू भर दे खुदा (2)

(प्रेरितों के काम 2:17)

परमेश्वर कहता है कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा और तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यवाणी करेंगे और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे और तुम्हारे पुरनिए स्वप्न देखेंगे।

(206)

संग तेरे मैं चलूं, मेरे यीशू मसीहा,
संग तेरे मैं रहूं, मेरे यीशू मसीहा।

1. राह से तेरी न मैं भटकू (2)
   बात से तेरी न मैं हटूँ (2)
   मेरे यीशू मसीहा (2)
2. निशाने की ओर बढ़ता चलू मैं। (2)
   रूह में तेरी बढ़ता चलू मैं। (2)
   मेरे यीशु मसीहा (2)

(फिलिपियों 3:14)

निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

(207)

नाम में यीशू तेरे बरकत हैं (4)

1. नाम से तेरे, लंगड़े चलते
   नाम से तेरे, गूंगे बोलते (2)
   नाम में यीशू, तेरे रहमत हैं (2)
   नाम में यीशू तेरे बरकत हैं। (4)
2. नाम से तेरे, खुलते बहरे कान,
   नाम से तेरे, भागता शैतान (2)
   नाम में यीशू, तेरे कुदरत है। (2)
   नाम में यीशू, तेरे बरकत है। (4)
3. नाम से तेरे, पापी बचते,
   नाम से तेरे, मुर्दे जलते (2)
   नाम में तेरे यीशू तेरे कुव्वत है (2)
   नाम में यीशू तेरे बरकत हैं। (4)

(प्रेरितों के काम 3:6)

तब पतरस ने कहा, चांदी और सोना तो मेरे पास है नहीं, परन्तु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ, यीशू मसीह नासरी के नाम से चल फिर।

(208)

अपनी रहमत बनाए रखना
हम सब पर तू प्रभू

1. लहू में अपने छिपाए रखना,
   पंखों में अपने छिपाए रखना (2)
   अपनी रहमत.....
2. दया कोअपनी बनाए रखना
   कृपा को अपनी बनाए रखना (2)
   अपनी रहमत.....

(भजनसंहिता 136:1)

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है और उसकी करुणा सदा की है।

(209)

हर पल संभालता है,
मेरा यीशू मसीह मुझे (2)

1. मुझे जीवन देता है।
   मुझे शांति देता है। (2)
2. मुझे आशीष देता है।
   मुझे आनन्द देता है। (2)

3. मेरे संग संग रहता है।
मेरी रक्षा करता है। (2)

(भजन संहिता 121:3)

वह तेरे पांव को टलने न देगा, तेरा रक्षक कभी न उँघेगा।

(210)

कभी न मुझे वो छोड़ेगा,
कभी न त्यागेगा (2)

1. मेरे संग संग, वो रहेगा
मेरी रक्षा, वो करेगा। (2)
2. मुझे पंखों में रखेगा
मुझे बाँहों में रखेगा। (2)
3. मेरी विनती सुनेगा
मुझे आशीष देगा। (2)

(यहोशू 1:5)

तेरे जीवन भर कोई तेरे सामने ठहर न सकेगा, जैसे मैं मूसा के संग रहा वैसे ही तेरे संग भी रहूंगा। और न तो मैं तुझे धोखा दूंगा और न तुझको छोड़ूंगा।

(211)

चले आओ - चले आओ (2)
आओ यीशू के पास आओ (2)
चले आओ - चले आओ (2)

1. यीशू ही दे सकता क्षमा है।
यीशू ही दे सकता शिफा है। (2)
2. यीशू ही कर सकता कृपा है।
यीशू ही कर सकता दया है (2)

(यूहन्ना 14:6)

यीशू ने उससे कहा, मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ। बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।

(212)

कितना प्रेम किया, यीशु मुझसे तूने
जान को अपनी दिया, क्रूस पर तूने (2)

1. रोगों को मेरे उठा लिया
पापों को मेरे उठा लिया (2)
लहू को अपने दिया, क्रूस पर तूने।
कितना प्रेम किया.....
2. मेरे ही लिए तू कुचला गया।
मेरे ही लिए तू मारा गया (2)
कितने दर्द को सहा, क्रूस पर तूने।
कितना प्रेम किया.....

(यशायाह 53:5)

परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया, हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंग हो जाए।

(213)

लहू लहू (4)

1. पापों को मेरे जो धो देता है।
दागों को मेरे जो धो देता है (2)
वो है लहू लहू (4)
लहू लहू (4)
2. खुदा के बर्रे का पाक लहू,
मेरे यीशू का पाक लहू। (2)
वो है लहू लहू (4)
लहू लहू (4)

(1 यूहन्न 1:7)

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चले, तो एक-दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशू का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(214)

सब नामों में, तेरा नाम है
सब कामों में, तेरे काम है। (2)

1. तेरा नाम इतना ऊँचा,
जितना कुछ नहीं
तेरा काम इतना अनोखा,
जितना किसी का नहीं। (2)
2. जिस नाम में जीवन मिलता,
वो तेरा नाम है
मुर्दों को जीवित किया,
ऐसे तेरे काम है। (2)

(भजन संहिता 40:5)

हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तूने बहुत से काम किए हैं जो आश्चर्य कर्म और कल्पनाएं तू हमारे लिए करता है वह बहुत सी है, तेरे तुल्य कोई नहीं। मैं तो चाहता हूँ कि खोलकर उनकी चर्चा करूं, परन्तु उनकी गिनती नहीं हो सकती।

(215)

मेरी सोचो से बढ़कर तूने प्रभू
मेरे लिए सब है किया। (2)

1. मैं तो मिट्टी हूँ तेरे बिना प्रभू (2)
तूने है, जीवन दिया (2)
2. मैं तो मुर्दा हूँ, तेरे बिना प्रभू (2)
तूने है, सांस दिया (2)

(उत्पत्ति 2:7)

तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया और आदम जीवित प्राणी बन गया।

(216)

बना नदियों सा जीवन मेरा (4)
मैं हूँ मंदिर यीशू तेरा (2)
बना नदियों सा जीवन मेरा (4)

1. जाऊं जहां भी जीवन दूँ मैं
जाऊं वहां भी बरकत दूँ मैं (2)
मैं हूँ मन्दिर यीशू तेरा (2)
2. जाऊँ जहां भी रोशनी दूँ मैं (2)
जाऊँ जहां भी खुशबू दूँ मैं
मैं हूँ मन्दिर यीशु तेरा। (2)

(यूहन्ना 7:38)

जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है "उसके हृदय से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी।"

(217)

कितना प्यारा तेरा नाम है,
कितना सुन्दर तेरा नाम है (2)

1. नाम बिना सब सूखा-सूखा
नाम बिना सब सूना-सूना (2)

2. नाम बिना न तेरे रिहाई
नाम बिना न तेरे चंगाई (2)

3. नाम बिना न रौशनी है
नाम बिना न जिन्दगी है। (2)

(नीतिवचन 18:10)

यहोवा का नाम दृढ़ गढ़ है, धर्मी उसमें भागकर सब दुर्घटनाओं से बचता है।

(218)

मैं भजता नाम यीशु,
तेरा नाम यीशू (2)

1. सुबह सवेरे, उठते बैठते
चलते फिरते, जाते आते (2)

2. कामों को तेरे, याद करके
उपकारों को तेरे, याद करके (2)

3. दु:ख-सुख में, हर पल में
तेरे वचन को, थामे रहके। (2)

(भजन संहिता 135:3)

याह की स्तुति करो, क्योंकि यहोवा भला है उसके नाम का भजन गाओ, क्योंकि यह मनोहर है।

(219)

धन्य धन्य धन्य,
धन्य तू, यीशू, धन्य तू।

1. राजा मेरे, तू है धन्य
प्रभू मेरे, तू है धन्य (2)

2. सृजन हार, तू है धन्य
पालनहार, तू है धन्य (2)

3. जीवन रोटी, तू है धन्य
जीवन जल, तू है धन्य। (2)

(भजन संहिता 103:1)

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और जो कुछ मुझमें है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे।

(220)

आ पाक रूह (2)
दर्शन अपना दे दे प्रभू,
रूह से अपनी भर दे प्रभू (2)
आ पाक रूह (2)

1. सारी चिन्ताएँ देता प्रभू
सारा बोझ देता प्रभू। (2)
आ पाक रूह। (2)

2. सारा तन मन देता प्रभू,
सारा जीवन देता प्रभू। (2)
आ पाक रूह। (2)

(2 कुरीन्थिओं 3:17)

प्रभू तो आत्मा है और जहां कहीं प्रभू का आत्मा है वहां स्वतंत्रता है।

(221)

पाक रूह, मुझे तेरी जरूरत है,
आ पाक रूह, आ पाक रूह
पाक रूह, मुझे तेरी जरूरत है।

1. तेरे मसा की, तेरे रूह की,
तेरे प्रेम की, तेरी शिफा की
पाक रूह.....

2. तेरे छूने की, तेरे भरने की,
तुझसे मिलने की, तुझमें खोने की,
पाक रूह.....

(प्रेरितों 2:17)

परमेश्वर कहता है, कि मैं अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियां भविष्यवाणी करेगी और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे और तुम्हारे पुरनिए स्वप्न देखेंगे।

(222)

तैयार कर मेरे हृदय को,
तेरे वचन पे चलना चाहता हूँ (2)
तैयार कर मेरे हृदय को (2)

1. वचन को तेरे खाना चाहूँ
वचन में तेरे बढ़ना चाहूँ (2)
तैयार कर मेरी सोचो को (2)
तेरे वचन.....

2. बातों को तेरी सुनना चाहूँ
सुनकर उन पर चलना चाहूँ (2)
तैयार कर मेरे कानों को (2)
तेरे वचन.....

(भजन संहिता 51:10)

हे परमेश्वर, मेरे अंदर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थिर आत्मा नये सिर से उत्पन्न कर।

(223)

गाऊँ तेरे गीत, भजता तेरा नाम,
सुबह हो या शाम, करता तेरा गुणगान

लहू में तेरे आता हूँ मैं
नाम को तेरे उठाता हूँ मैं,
रूह को तेरी चाहता हूँ मैं,
पंखों में तेरे आता हूँ
तू ही मेरा मीत, भजता तेरा नाम
सुबह हो या शाम, करता तेरा गुणगान।

(भजन संहिता 135:3)

याह की स्तुति करो, क्योंकि यहोवा भला है, उसके नाम का भजन गाओ, क्योंकि वह मनोहर है।

(224)

राजाओं का राजा, मेरा यीशू
प्रभुओं का प्रभु, मेरा यीशू (2)

1. जीवन देने आया, मेरा यीशू
शांति देने आया, मेरा यीशू (2)

2. मुक्ति देने आया, मेरा यीशू
शक्ति देने आया, मेरा यीशू (2)

3. आशा देने आया, मेरा यीशू
खुशी देने आया, मेरा यीशू। (2)

(लूका 1:32,33)

वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और प्रभू परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा, और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा। और उसके राज्य का अन्त न होगा।

(225)

मुझे तेरे जैसे बनना है (4)
तेरी राह पे चलना है (4)
मुझे तेरे जैसा बनना है।

1. बात को तेरी सुनना है
सुनकर उस पर चलना है। (2)

2. तेरे रूह से भरना है।
तुझमें आगे बढ़ना है। (2)

(2 कुरिन्थिओं 3:18)

परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभू का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभू के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश-अंश करके बदलते जाते हैं।

(226)

बढ़ते चलो, बढ़ते चलो,
यीशू मसीह में बढ़ते चलो (2)

1. राह में उसकी बढ़ते चलो
   रूह में उसकी बढ़ते चलो (2)
2. उसके वचन में बढ़ते चलो
   उसके रूप में बढ़ते चलो। (2)

(1 कुरिन्थिओं 15:58)

इसलिए हे मेरे प्रिय भाईयों दृढ़ और अटल रहो और प्रभू के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो कि तुम्हारा परिश्रम प्रभू में व्यर्थ नहीं है।

(227)

सामना कौन कर पाएगा
तेरे तेज का प्रभू। (2)

1. न बलशाली, न कोई ज्ञानी
   न कोई नेता, न अभिमानी। (2)
2. न गाड़ी वाला, न बंगले वाला।
   न नाम वाला, न पैसे वाला। (2)

(मत्ती 25:31)

जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब स्वर्गदूत उसके साथ आएंगे, तो वह अपनी महिमा के सिंहासन पर विराजमान होगा।

(228)

अपने सारे बोझों को मैं यीशू को देता हूँ
अपनी सारी चिन्ता को मैं,
यीशू को देता हूँ(2)

1. यीशू ही है जो ले सकता है,
   मेरे सारे बोझों को
   यीशू ही है, जो ले सकता है
   मेरी सारी चिन्ता को (2)
2. यीशू ही है जो हटा सकता है
   मेरे सारे पापों को
   यीशू ही है जो मिटा सकता है
   मेरे सारे दागों को (2)

(1 पतरस 5:7)

अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उसको तुम्हारा ध्यान है।

(229)

यीशू प्रभू मेरा कितना प्यारा है। (4)

1. मुझसे वो प्यार करता
   मेरा उधार करता
   मेरी जीवन नैया
   सागर से पार करता।
2. पापों को क्षमा करता
   रोगों से शिफा देता
   मृत्यु से हमें बचाता
   अबदी जीवन देता।

(1 यूहन्ना 5:12)

जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है, और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।

(230)

मेरे जीने की वजह
मेरा आज मेरा कल
यीशू तू ही तो है(4)

1. जीवन की रोटी तू है
   जीवन का जल तू है (2)
   मेरा शरणस्थान, और मेरा बल
   यीशू तू ही तो है। (4)
2. मेरा मुक्तिदाता तू है
   मेरा शान्तिदाता तू है (2)
   मेरी हर खुशी, और मेरा धन
   यीशू तू ही तो है (4)

(गलतियों 2:20)

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है और मैं शरीर में जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

(231)

मुक्ति देता तेरा लहू,
शक्ति देता तेरा लहू(2)
यीशू तेरा लहू(2)

1. बन्धन तोड़ता - तेरा लहू
   रिश्ता जोड़ता - तेरा लहू (2)
   यीशू तेरा लहू (2)
2. पाप मिटाता - तेरा लहू
   जख्म सुखाता - तेरा लहू (2)
   यीशू तेरा लहू (2)
3. जीना सिखाता - तेरा लहू
   रूह दिलाता - तेरा लहू (2)
   यीशू तेरा लहू (2)

(1 यूहन्ना 1:7)

उसके पुत्र यीशु का लहु हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(232)

तेरी हुजूरी में प्रभु, कितना आनन्द है।
संग तेरे ऐ प्रभू, आनन्द ही आनन्द है।

1. शैतान चाहता, आनन्द चुराना
   शैतान चाहता, मुझको रूलाना (2)
   पर मैं जब संग तेरे,
   तो आनन्द ही आनन्द है
2. चाहे डर, चाहे बीमारी
   चाहे कैसी दशा बीमारी (2)
   पर मैं जब संग तेरे,
   तो आनन्द ही आनन्द है। (2)

(भजन संहिता 16:11)

तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है।

(233)

प्यार खुदा का पहचानो (4)

1. तेरे लिए वो स्वर्ग से आया
   तेरे लिए वो जीवन लाया (2)
   उसकी मर्जी पहचानो,
   प्यार खुदा का पहचाना।
2. तेरे ही लिए, जख्मी हुआ वो
   तेरे ही लिए, कुर्बान हुआ वो (2)

उसकी आस को तुम जानो,
प्यार खुदा का पहचानो।

(यूहन्न 15:13)

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण दे।

(234)

पूरे मन से, मेरे यहोवा,
मैं तेरी स्तुति करूंगा। (2)

1. नाम को तेरे ऊंचा करूंगा।
   मर्जी को तेरी पूरा करूंगा। (2)
2. नाम को तेरे भजता रहूंगा।
   नाम को तेरे जपता रहूंगा। (2)
3. गीतों को तेरे गाता रहूंगा।
   कामों को तेरे सुनाता रहूंगा। (2)

(भजन संहिता 103:1)

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और जो कुछ मुझमें है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे।

(235)

निर्भर, तुझ पर मैं हूँ पूरी तरह(2)
लेकर, बना यीशु, मुझको अपनी तरह

1. मेरी सब बातों में, तू संग है
   मेरी सब राहों में तू संग है (2)
2. मेरी हर एक सुबह, यीशू तुझमें है
   मेरी हर एक शाम, यीशू तुझमें है (2)

(भजन संहिता 62:8)

हे लोगों, हर समय उस पर भरोसा रखो।

(236)

मेरे यहोवा, तू मेरी शक्ति है(2)

1. तू ही तो, स्तुति के योग्य है
   तू ही तो, आदर के योग्य है (2)
   तुझसी न कोई दूजी रहती है
   मेरे यहोवा.....
2. कोई दिखावा न चाहता है तू,
   टूटा हुआ मन चाहता है तू (2)
   सच्ची तू चाहता भक्ति है
   मेरे यहोवा.....

(भजन संहिता 28:7)

यहोवा मेरा बल और मेरी ढ़ाल है, उस पर भरोसा रखने से मेरे मन को सहायता मिली है इसलिए मेरा हृदय प्रफुल्लित है और मैं गीत गाकर उसका धन्यवाद करूंगा।

(237)

करते हैं आराधना,
यीशू की आराधना(2)

1. भेटों को अपनी लाते हैं
   हृदय को अपने लाते हैं (2)
2. घुटनों को अपने टिकाते हैं
   हाथों को अपने उठाते हैं (2)
3. बोझों को अपने देते हैं
   चिन्ता को अपनी देते हैं (2)
4. आशीष को तुझसे चाहते हैं
   शान्ति को तुझसे चाहते हैं (2)

(भजन संहिता 145:10)

याह की स्तुति करो, क्योंकि अपने परमेश्वर का भजन गाना अच्छा है, क्योंकि वह मनभावना है उसकी स्तुति करनी मनभावनी है।

(238)

सृष्टि गा रही, महिमा यीशू की (2)

1. पहाड़ गाते, महिमा तेरी
   नदियां गाती, महिमा तेरी (2)
2. वृक्ष भी गाते, महिमा तेरी
   पक्षी भी गाते, महिमा तेरी (2)
3. सब मिलके गाते, महिमा तेरी।
   झूमते गाते, महिमा तेरी। (2)

(भजन 145:10)

हे यहोवा, तेरी सारी सृष्टि तेरा धन्यवाद करेगी। और तेरे भक्त लोग तुझे धन्य कहा करेंगे।

(239)

धन्य हूँ मैं जो मेरे पाप क्षमा हुए
धन्य हूँ मैं जो मेरे पाप धुल गए(2)

1. मैंने अपने यहोवा को
   सारे पाप बता दिए (2)
   मैंने अपने यहोवा को
   सारे दु:ख बता दिए (2)
2. उसने मेरे पापों को
   क्षमा कर दिया
   लहू से दागों को
   उसने धो दिया (2)
3. उसने मेरे रोगों को
   दूर कर दिया
   उसने मेरे श्रापों को
   दूर कर दिया (2)

(भजन संहिता)

क्या ही धन्य है वह जिसका अपराध क्षमा किया गया और जिसका पाप ढांपा गया हो।

(240)

तू ही मेरा गीत है तू ही संगीत है(2)
तू ही मेरी जीत है और तू ही मेरा मीत है

1. राह की ज्योति, तू ही तो है,
   जीवन की रोटी, तू ही तो है।
2. मेरा सहारा, तू ही है
   पालनहारा, तू ही है
3. अच्छा चारागर, तू ही है।
   सच्चा राहबर, तू ही है।

(भजन 118:14)

परमेश्वर मेरा बल और भजन का विषय है वह मेरा उद्धार ठहरा है।

(241)

आ पाक रूह,मेरा जीवन बदल दे(2)

1. नई एक आत्मा, मेरी बना दे।
   नई एक बुद्धि, मेरी बना दे। (2)
2. नई सब सोचे, मेरी बना दे।
   नई सब बातें, मेरी बना दे। (2)
3. नया एक तन, मेरा बना दे।
   नया एक मन, मेरा बना दे। (2)

(2 कुरिन्थियों 5:17)

क्योंकि यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई, देखो वे सब नई हो गई।

(242)

मेरा जीना, यीशू के लिए
मेरा मरना, यीशू के लिए।
यीशू के लिए (4)

1. गीतों का गाना, यीशू के लिए
   कलाम सुनाना, यीशू के लिए (2)
2. आंखों से देखना, यीशू के लिए
   कानों से सुनना, यीशू के लिए (2)
3. मेरा सोचना, यीशू के लिए
   मेरा बोलना, यीशू के लिए (2)

(1 कुरिन्थियों 10:31)

जो कुछ तुम करो, परमेश्वर की महिमा के लिए करो।

(243)

पाक घर से न निकल कर बाहर (2)
कोई ताक में है तेरी

1. तुझे गिराने को तैयार है
   तुझे सताने को तैयार है (2)
   पाक पंखों से न निकल बाहर,
   कोई ताक में है तेरी।
2. घात करने को तैयार है
   नष्ट करने को तैयार है (2)
   पाक बाहों से न निकल बाहर
   कोई ताक में है तेरी।

(1 पतरस 5:8)

सचेत हो और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जने वाले सिंह के समाने इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए।

(244)

पाक रूह का मसा (2)
सारे बन्धनों को तोड़ता है।

1. पाप से दूर वो रखता है।
   बुराई से दूर वो करता है। (2)
2. बोझों के बन्धन को तोड़ता है।
   यीशू की आराधना (2)
3. रोगों के बन्धन को तोड़ता है।
   श्रापों के बन्धन को तोड़ता है। (2)

(यशायाह 10:27)

अभिषेक के कारण, वह जुआ तोड़ डाला जाएगा।

(245)

लहू का चश्मा बहता है,
धोने को तेरे गुनाहों को
लहू का चश्मा बहता है,
धोने को मेरे गुनाहों को (2)

1. पाप ने तुझको दूर किया,
   पाप ने तुझको नापाक किया (2)
   आजा चश्मे के नीचे तू,
   धोले अपने पापों को तू।
2. बोझो को अपने प्रभू को दे।
   चिन्ता को अपनी प्रभू को दे। (2)
   आजा चश्मे के नीचे तू,
   दूर करले रोगों को।

(1 यूहन्ना 1:7)

उसके पुत्र यीशू का लहू, हमें सारे पापों से शुद्ध करता है।

(246)

बनाया गया है आसमां के पार
सुन्दर प्यार एक संसार (2)

1. मतलब की कोई जगह नहीं है
   वहां पर है प्रेम अपार (2)
2. दु:ख की कोई जगह नहीं है,
   वहां पर है आनन्द अपार (2)
3. न पाप, न है अन्धकार
   वहां पर है ज्योति अपार (2)

(यूहन्ना 14:2)

मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने को जाता हूँ।

(247)

यीशू जलाल में, आने वाला है (4)

1. दूतों के संग यीशू, आने वाला है
   संतों के संग यीशू, आने वाला है (2)
2. महिमामय यीशू, आने वाला है
   तेजोमय यीशू, आने वाला है (2)
3. न्याय करने यीशू, आने वाला है
   प्रतिफल देने यीशू आने वाला है (2)

(मती 24:30)

पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।

(248)

यीशू नाम को लेकर जाना हैं (2)
हमको सारी दुनिया में (2)

1. नाम में ही यीशू के क्षमा है
   नाम से ही यीशू के शिफा है (2)
2. नाम ने ही सूरत है, बनाई,
   नाम ने दी हमको है रिहाई (2)
3. नाम यीशू का सबसे निराला,
   सब नामों में सबसे आला (2)

(मती 28:19)

इसलिए तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

(249)

तेरे बिना मैं शून्य हूँ,
संग तेरे ही धन्य हूँ। (2)

1. कुछ नहीं जीना मेरा,
   जो नहीं तू मेरे संग
   कुछ नहीं मरना मेरा,
   जो नहीं तू मेरे संग (2)

(यूहन्ना 15:5)

क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

(250)

मेरे जीने से, मेरे मरने से,
सिर्फ तेरी महिमा हो यीशू

1. बोलने से तेरी महिमा हो यीशू
   सोचने से तेरी महिमा हो यीशू (2)
   मेरे देखने से, मेरे सुनने से
   सिर्फ तेरी महिमा हो यीशू।

2. संगीत से तेरी महिमा हो यीशू
संगति से तेरी महिमा हो यीशू (2)
मेरे गाने से, मेरे गजाने से
सिर्फ तेरी महिमा हो यीशू।

(1 कुरिन्थियों 10:31)

जो कुछ तुम करो, परमेश्वर की महिमा के लिए करो।

(251)

मेरे यीशू मसीह(2)
तेरे जैसा है कोई नहीं।

1. तुझ सा सामर्थी कोई नहीं
तुझ सा प्रतापी कोई नहीं। (2)
2. तुझ सा प्यारा कोई नहीं
तुझ सा सुन्दर कोई नहीं। (2)
3. तुझ सा मीठा कोई नहीं (2)
तुझ सा निराला कोई नहीं (2)

(यशायाह 45:18)

मैं यहोवा हूँ, मेरे सिवाय दूसरा और कोई नहीं है।

(252)

गुरूर करो, तो ऐसे करो,
कि खुद पे नहीं, खुदा पे करो। (2)

1. बातें करो तो खुदा की करो
हम्द करो तो खुदा दी करो (2)
2. तारीफ करो तो खुदा की करो,
महिमा करो तो खुदा की करो (2)
3. प्रेम करो तो खुदा में करो
आनन्द करो तो खुदा में करो (2)

(1 कुरिन्थिओं 1:31)

जो घमण्ड करे वह प्रभु में घमण्ड करें।

(253)

तेरा भरना जरूरी है।
मेरा भरना जरूरी है। (2)

1. कलाम पढ़ना जरूरी है,
कलाम से चलना जरूरी है,
कलाम से भरना जरूरी है,
तेरा भरना.....
2. मसा रूह का जरूरी है (2)
कब्जा रूह का जरूरी है (2)
रूह से भरना जरूरी है।
तेरा भरना.....

(जकर्याह 4:6)

न बल से, न शक्ति से लेकिन मेरी आत्मा के द्वारा हो जाएगा।

(254)

जलवा दिखा यीशु,
जलवा दिखा (4)

1. लंगड़ों को यीशू तू चलना सिखा (2)
बहरों को यीशू तू शब्द सुना (2)
अंधों को रोशनी, यीशू दिखा।
2. प्यासों को यीशू तू पानी पिला
भूखों को यीशू तू खाना खिला (2)
बन्दों को सूरत, यीशू दिखा।

(डूबानियों 13:8)

यीशू मसीह कल और आज और युगानुयुग एक सा है।

(255)

लहू ने तेरे यीशू मसीह
मेरा जीवन संवारा है। (2)
लहू से ही तेरे यीशू मसीह
हुआ मेरा कफ्फारा है

1. मर्ज का शाफी है तेरा लहु
माफी को काफी है तेरा लहु (2)
लहु से ही तेरे यीशू मसीह
हुआ सुन्दर नजारा है
2. दर्द का मरहम है, तेरा लहु
गीतों की सरगम है, तेरा लहु (2)
लहु ही तेरा यीशू मसीह
मेरा एक सहारा है

(इफिसयो 2:13)

तुम जो पहले दूर थे मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हो।

(256)

आसमां और जमीन का मालिक (2)
यहोवा खुदावन्द है।

1. मैं हाथों की उसकी रचना हूँ
उसका खून खरीदा हूँ। (2)
सारी सृष्टि का मालिक
यहोवा खुदावन्द है।
2. मेरी रक्षा वो हरदम करता है
मेरे संग वो हरपल रहता है (2)
मेरे जिस्मोजान का मालिक
यहोवा खुदावन्द है।

(भजन संहिता 24:1)

पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का है,जगत और उसमें निवास करने वाले भी।

(257)

तेरी स्तुति करूं,
तेरी महिमा करूं
तेरा जयजयकार करूं
मुक्तिदाता मेरे, प्रभू यीशू मेरे
तेरे नाम को ऊंचा करू।।

1. तू ही है राजा
तू महाराजा
तू सृजनहारा मेरा।।
तू शान्तिदाता, तू शक्तिदाता,
तेरे नाम को ऊँचा करूँ।।
तेरी स्तुति करूँ.....

(भजन 149:1)

यहोवा की स्तुति करो, यहोवा के लिए नया गीत गाओ, भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ।

(258)

न लौटूंगा, मैं न लौटूंगा
तेरी राहों से, मैं लौटूंगा (2)

1. और आऊंगा, करीब मैं तेरे
तुझमें यीशू मैं बढ़ता रहूंगा (2)
2. नाम को तेरे, मैं ऊँचा करूंगा
मर्जी को तेरी, मैं पूरी करूंगा (2)

(नीतिवचन 4:27)

न तो दाहिनी ओर मुड़ना और न बायीं ओर अपने पांव को बुराई के मार्ग पर चलने से हटा ले।

(259)

आओ करे धन्यवाद,
यहोवा का धन्यवाद (2)

1. यहोवा निस्सी का धन्यवाद,
   यहोवा चिरे का धन्यवाद (2)
2. यहोवा रफा का धन्यवाद
   यहोवा रोही का धन्यवाद (2)
3. यहोवा शम्मा का धन्यवाद
   यहोवा शालोम का धन्यवाद (2)

(भजन संहिता 136:1)

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है। और उसकी करुणा सदा की है।

(260)

मेरी जिन्दगी का मालिक (2)
यीशु तू है।

1. मेरी सांसे भी तो तेरी है
   मेरी धड़कने भी तेरी है
   मेरी रूह भी तो तेरी है
   मेरी देह भी तो तेरी है (2)
   मेरे जिस्मो जान का मालिक (2)
   यीशू तू है।
2. मुझे तूने ही तो बनाया है
   मुझे तूने ही तो रचाया है
   मुझे तूने ही तो बचाया है
   मुझे तूने ही तो छुड़ाया है (2)
   मेरी बन्दगी का मालिक (2)
   यीशू तू है।

(यशायाह 1:3)

बैल तो अपने मालिक को और गदहा अपने स्वामी की चरनी को पहिचानता है, परन्तु इस्राइल मुझे नहीं जानता, मेरी प्रजा विचार नहीं करती।

(261)

नाम (3) यीशू नाम (4)

1. सबसे आला
   सबसे निराला (4)
2. सबसे प्यारा,
   सबसे सुन्दर (4)
3. सबसे ऊंचा
   सबसे मीठा (4)

(प्रेरितों 4:12)

स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(262)

अजब नशा है, तेरी हुजूरी
कि दिल मेरा भरता नहीं (2)
जाने से तेरी हुजूरी से मेरा
दिल अब करता नहीं।

1. तू ही तो राहों की ज्योति है
   तू ही तो जीवन की रोटी है (2)
   जाने से तेरी राहों से मेरा
   दिल अब करता नहीं।
2. तू ही तो यीशू मेरा बल है।
   तू ही तो जीवन का जल है (2)
   जाने से तेरे मंदिर से मेरा
   दिल अब करता नहीं।

(भजन संहिता 16:11)

तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है।

(263)

यीशू के नाम से (4)

1. पापी क्षमा पाते, यीशू के नाम से
   रोगी शिफा पाते, यीशू के नाम से (2)
2. लंगड़े चलते, यीशू के नाम से
   बहरे सुनते, यीशू के नाम से (2)
3. अंधे देखते, यीशू के नाम से
   गूंगे बोलते, यीशू के नाम से (2)
4. बदरूह भागती, यीशू के नाम से
   पाक रूह मिलती, यीशू के नाम से (2)

(प्रेरितों 4:12)

स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

(264)

जय हो जय हो, जय हो
जय हो यीशू तेरी (4)

1. मेरे मुक्तिदाता की जय हो
   मेरे शांतिदाता की जय हो (2)
2. मेरे सृजनहारे की जय हो,
   मेरे पालनहारे की जय हो (2)
3. पूरे मन से तेरी, जय हो
   सुबह-शाम बस तेरी, जय हो (2)

(भजनसंहिता 100:1)

हे सारी पृथ्वी के लोगों, यहोवा का जयजयकार करो।

(265)

मिलने को तुझसे वो, कर रहा इन्तजार
बाहों में लेने वो, कर रहा इन्तजार। (2)

1. लौट के आजा, तू यीशू के पास
   पूरी करेगा वो, हर एक आस (2)
   हाथों में लेने वो, कर रहा इन्तजार।
2. जब तू गिरेगा, उठाएगा वो
   राह पे चलना, सिखाएगा वो (2)
   पंखों में लने वो, कर रहा इन्तजार।

(प्रकाशितवाक्य 3:20)

देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ।

(266)

चढ़ गया क्रूस पर, यीशू तेरे संग मैं,
जी उठा हूँ तुझमें, यीशू तेरे संग मैं (2)

1. संग तेरे ही मारा गया मैं
   संग तेरे ही गाड़ा गया मैं (2)
2. पाप के लिए मर गया मैं (2)
   राह पुरानी भूल गया मैं। (2)

(गलतियों 2:20)

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझमें जीवित है।

(267)

राजाओं का है राजा,
प्रभुओं का तू प्रभू है। (2)

1. मेरे जीवन का तू प्रभू है
   मेरे तन मन का तू प्रभू है (2)

2. मेरे घर का तू प्रभू है,
मेरे परिवार का तू प्रभू है (2)

3. मेरे गीत का तू प्रभू है
संगीत का तू प्रभू है। (2)

(प्रकाशित वाक्य 19:16)

उसके वस्त्र पर यह नाम लिखा है राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।

(268)

आ खुदावन्द आ,
तेरा जलवा हमको दिखा (2)

1. अंधों की रोशनी, बन के तू आ
लंगड़ों की ताकत, बन के तू आ (2)

2. गूँगे की बोली, बन के तू आ
बहरों की वाणी, बन के तू आ (2)

3. कोढ़ी की शिफा, बन के तू आ
मुर्दों की जिन्दगी, बन के तू आ (2)

(इब्रानियों 13:8)

यीशू मसीह कल और आज और युगानुयुग एक-सा परमेश्वर है।

(269)

मुझको तो बस वो ही भावे,
जो मेरा रब चाहे। (2)

1. दुनिया चाहे जहां भी जावे
दुनिया चाहे जहां भी आवे (2)
कदम मेरे तो बस वही जावे (2)
जहां मेरा रब चाहे

2. मुख मेरा तो बस वो ही पावे
जो मेरा रब चाहे।

(फिलिप्पियों 1:21)

मेरे लिए जीवित रहना मसीह और मर जाना लाभ है।

(270)

जो तू है, मेरे संग
और मैं हूँ, तेरे संग
जीतेंगे हर एक जंग
खुदा के संग (2)

1. मेरे सिर का तू ताज है
मुझे तुझ पर नाज है (2)
बस रहना मेरे संग (2)
जीतेंगे हर जंग खुदा के संग।

2. मैं तेरे आधीन हूँ।
हम मसीह के आधीन है (2)
बस रहना मेरे संग (2)
जीतेंगे हर एक जंग खुदा के संग।

(इफिसियों 5:33)

तुममें से हर एक अपनी पत्नी से अपने समान प्रेम रखे, और पत्नी भी अपने पति का भय माने।

(271)

तू ही स्तुति के योग्य प्रभू
तू महिमा के योग्य है
सारा आदर तुझी को प्रभू
तू प्रशंसा के योग्य है। (2)

1. सारे जग का तू दाता है,
राजाओं का तू राजा है। (2)

2. तू मुझको संभालता है,
तू मुझको बचाता है। (2)

3. मेरी विनती तू सुनता है,
मुझे आशीष तू देता है। (2)

(भजन 145:3)

यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है और उसकी बढ़ाई अगम हैं।

(272)

तू है सर्वशक्तिमान
तू है करुणानिधान
तेरे जैसा कोई नहीं (2)

1. सारी दुनिया तूने बनाई हैं।
इतनी अद्‌भुत चीजें बनाई हैं।
तू है सृजनहार
तू है पालनहार
तेरे जैसा कोई नहीं (2)

2. हमको भी तून बनाया है।
लहू से यीशू के छुड़ाया है (2)
तू है तारणहार
तू है मेरा उद्धार
तेरे जैसा कोई नहीं (2)

(भजन 147:5)

हमारा प्रभु महान और अति सामर्थी है उसकी बुद्धि अपरम्पार है।

(273)

लहू से अपने साफ करके
योग्य कर दे प्रभू। (2)

1. सोचो को मेरी साफ कर दे
बातों को मेरी साफ कर दे (2)
गुनाहों को मेरे माफ करके
योग्य कर दे प्रभु।

2. देह को मेरी साफ कर दे
रूह को मेरी साफ कर दे (2)
गुनाहों को मेरे साफ करके
योग्य कर दे प्रभु।

(1 यूहन्ना 1:7)

उसके पुत्र यीशू का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(274)

यीशू जी तेरी हम्द मैं गाऊंगा (2)
तेरे काम सुनाऊँगा (2)

1. नाम को तेरे ऊंचा करूंगा
मर्जी को तेरी पूरी करूंगा (2)

2. कलाम को तेरे पहुँचाऊंगा
हुकूमत को तेरी बढ़ाऊंगा (2)

(भजन संहिता 150:2)

उसके पराक्रम के कामों के कारण उसकी स्तुति करो, उसकी अत्यन्त बढ़ाई के अनुसार उसकी स्तुति करो।

(275)

सिर्फ तेरी हुजूरी में (2)
मेरे दिल को मिलता सुकून मेरे खुदा

1. तेरी हुजूरी में आनन्द है
तेरी हुजूरी में जीवन है
हुजूरी में तेरी मुकम्मल शिफा
हुजूरी में तेरी हिफाजत है (2)
सिर्फ तेरी.....

(भजन संहिता 16:11)

तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है।

(276)

तेरे सिवा मसीहा,
नहीं कोई सहारा मेरा (2)

1. तेरे सिवा कोई दाता नहीं
तेरे सिवा कोई राजा नहीं (2)
तेरे सिवा मसीहा
नहीं कोई खुदा मेरा

2. मेरे लिए तूने जान है दी
मेरे लिए तूने रूह है दी (2)
तेरे सिवा मसीहा
नहीं कोई प्रभू मेरा (2)

(भजन संहिता 54:4)

देखो, परमेश्वर मेरा सहायक है।

(277)

यीशू जी, तेरा प्रेम अपार है (2)

1. मां से भी ज्यादा तू प्यार करता है,
पिता से भी ज्यादा,तू चिंता करता है(2)
यीशू जी, तेरी महिमा अपार है (2)
यीशू जी, तेरा प्रेम अपार है। (2)

2. दर्द को मेरे मरहम देता है।
गीतों को मेरे सरगम देता है (2)
यीशू जी, तेरी दया अपार है (2)
यीशू जी, तेरा प्रेम अपार है (2)

(यूहन्ना 15:13)

इससे बढ़कर प्रेम नहीं कि कोई किसी के लिए अपने प्राण को दें।

(278)

मैं तेरे गीत गाता हूँ
तेरी हम्द सुनाता हूँ। (2)

1. नाम को तेरे उठाता हूँ
कलाम को तेरे सुनाता हूँ (2)

2. तुझको ही आदर देता हूँ
तुझको ही महिमा देता हूँ (2)

3. आवाज को अपनी उठाता हूँ
हाथों को अपने उठाता हूँ (2)

(भजन संहिता 147:1)

अपने परमेश्वर का भजन गाना अच्छा है, उसकी स्तुति करनी मनभावनी है।

(279)

जिन्दा है (3)
मेरा यीशू मसीह जिंदा है (2)

1. कामों को मेरे वो देखता है
विनती को मेरी वो सुनाता है
संग संग मेरे वो चलता है
बातें वो मुझसे करता है (2)

2. पापों से मुझको छुड़ाता है
श्रापों से मुझको छुड़ाता है
बोझों को मेरे हटाता है
रोगों को मेरे उठाता है (2)

(प्रकाशितवाक्य 1:18)

देख मैं युगानुयुग जीवता हूँ, और मृत्यु और अधोलोक की कुंजिया मेरे ही पास हैं।

(280)

तुझे आदर मिलता रहे
मेरे होठों से मेरे प्रभु,
तेरी महिमा होती रहे,
मेरे जीवन से मेरी यीशू। (2)

1. तेरी स्तुति होती रहे
तेरी प्रशंसा होती रहे (2)
तेरा नाम आता रहे,
मेरे होठों पे मेरे प्रभु
तेरी महिमा होती रहे,
मेरे जीवन से मेरे यीशू।

2. तेरी राहों पे चलते रहे
तेरी आवाज को सुनते रहे (2)
तेरे गीत आते रहे,
मेरे होठों पे मेरे प्रभू,
तेरी महिमा होती रहे,
मेरे जीवन से मेरे यीशू

(भजनसंहिता 146:2)

मैं जीवन भर यहोवा की स्तुति करता रहूँगा, जब तक मैं बना रहूँगा, तब तक मैं अपने परमेश्वर का भजन गाता रहूंगा।

(281)

छूले ऐ पाक रूह (10)

1. आंखों को तू मेरी छू ले
सांसों को तू मेरी छू ले (2)

2. दिल जुबान को मेरी छूले
जिस्मो जान को मेरी छूले (2)

(2 कुरिन्थिओ 3:17)

प्रभु तो आत्मा है, और जहां कहीं, प्रभु का आत्मा है, वहां स्वतंत्रता है।

(282)

तेरी रूह मेरी ताकत है प्रभू (2)

1. रूह से तेरे पहाड़ हिल जाते
रूह से तेरे सागर बेंट जाते (2)
तेरा नाम मेरी ताकत है प्रभू (2)

2. रूह से तेरी लंगड़े चलते
रूह से तेरी मुर्दे जिलते (2)
तेरा लहू मेरी ताकत है प्रभू (2)

(जकर्याह 4:6)

न बल से, न शक्ति से, पर प्रभू के आत्मा के द्वारा हो जाएगा।

(283)

लहू को पुकारता हूँ,
यीशू प्रभू मैं तेरे (2)

1. लहू में ही क्षमा है मेरी
लहू में ही शिफा है मेरी (2)
लहू को लगाता हूँ यीशू प्रभु मैं तेरे

2. लहू से ही बरकत मिलती
लहू से ही हिम्मत मिलती (2)
लहू में आता हूँ, यीशू प्रभू मैं तेरे

(1 यूहन्ना 1:7)

उसके पुत्र यीशू का लहू, हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(284)

जिन्दगी को बदल दिया,
यीशू मसीह तूने (2)

1. सूरत को मेरी बदल दिया
सीरत को मेरी बदल दिया (2)

2. सोचो को मेरी बदल दिया
बातों को मेरी बदल दिया (2)

(2 कुरिन्थिओं 5:17)

यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई है, देखो सब नई हो गई हैं।

(285)

तुझसे दूर होकर मैं,
कुछ भी नहीं हूँ मसीहा (2)

1. सांसों से तेरी ही जीता हूँ (2)
   रूह से तेरी मैं चलता हूँ (2)
2. लहू से तेरे मैं बचता हूँ
   नाम से तेरे मैं जीतता हूँ (2)

(यूहन्ना 15:5)

मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

(286)

अम्बर से ऊँचा, तेरा प्यार है
सागर से गहरा, तेरा प्यार है (2)

1. प्यार से हमको बनाया तूने
   प्यार से हमको बचाया तूने (2)
2. प्यार से अपना बनाया तूने
   प्यार से दाम चुकाया तूने (2)

(यूहन्ना 15:13)

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने प्राण को किसी के लिए दें।

(287)

आजा आजा जल्दी आजा यीशु (4)

1. देर न कर मेरे यीशु
   लेने आजा मेरे यीशु (2)
2. बादलों पर आता यीशु,
   न्याय करने आता यीशु (2)
3. दूतो संग है आता यीशु
   संतों संग है आता यीशु (2)

(प्रकाशितवाक्य 22:17)

आत्मा और दुल्हिन दोनों कहती है, "आ" और सुनने वाला भी कहे, "आ" जो प्यासा हो वह आए और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेतमेत ले।

(288)

यीशू नाम से (4)

1. लंगड़े चलते, यीशु नाम से
   मुर्दे जिलते, यीशु नाम से (2)
2. पापी बचते, यीशु नाम से
   रोगी बचते, यीशु नाम से (2)
3. मुक्ति मिलती, यीशु नाम से
   शक्ति मिलती, यीशु नाम से (2)

(यूहन्ना 14:14)

यदि तुम मुझसे मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूंगा।

(289)

परदेशी हूँ मैं यहाँ,
जाना है मुझको वहां
बादलों पर मेरा,
यीशु रहता जहां (2)

1. संसार में रहता मगर,
   संसार का मैं हूँ नहीं
   समुन्दर में कश्ती मगर,
   समुन्दर की है ये नहीं।
2. छोटी सी ये जिंदगी,
   वो है अनन्त जिन्दगी
   अच्छी जीऊ मैं अगर,
   मिलती अबदी जिंदगी।

(1 पतरस 2:11)

हे प्रियो, मैं तुमसे विनती करता हूँ कि तुम अपने आपको परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती है, बचे रहो।

(290)

तेरे नूर से यीशू, मुझे नूर मिलता है,
तेरी सांस से यीशू, मेरा जीवन चलता है

1. नूर से तेरे रोशन है,
   नूर से तेरे आबाद हूँ (2)
   तेरे नूर से यीशू, मुझे आनन्द मिलता है।
2. नूर से तेरे चलता हूँ।
   नूर से तेरे बढ़ता हूँ (2)
   तेरे नूर से यीशू, सुकून मिलता है।

(यूहन्ना 8:12)

यीशु ने कहा, जगत की ज्योति मैं हूँ, जो मेरे पीछे हो लेगा वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।

(291)

यीशु नाम-यीशु नाम-यीशु नाम (4)
यीशु नाम-यीशु नाम (2)

1. मुक्ति देता -यीशु नाम
   शक्ति देता - यीशु नाम (2)
   यीशु नाम - यीशु नाम (2)
2. खुशी देता - यीशु नाम
   शान्ति देता - यीशु नाम (2)
   यीशु नाम - यीशु नाम (2)
3. चंगाई देता - यीशु नाम
   रिहाई देता - यीशु नाम (2)
   यीशू नाम - यीशू नाम (2)

(यूहन्ना 14:14)

यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूंगा।

(292)

तेरी रूह से ही, ऐ खुदा,
जिन्दा, मैं हूँ हुआ। (2)

1. रूह से ही मैं चलता हूँ अब,
   रूह से ही मैं रहता हूँ अब (2)
   तेरी रूह से ही, ऐ खुदा,
   नया, मैं हूँ हुआ।
2. रूह से ही मैं देखता हूँ अब
   रूह से ही मैं सुनता हूँ अब (2)
   तेरी रूह से ही, ऐ खुदा
   सामर्थी, मैं हूँ हुआ।

(यूहन्ना 3:5)

जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे, तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

(293)

मुझे जीवन जीना सीखा
ऐ पाक रूह
वचन पे चलना सीखा
ऐ पाक रूह। (2)
पाक रूह-पाक रूह (4) मुझे.....

1. वाणी को तेरी सुनना सीखा
   वचनों पे तेरे चलना सीखा। (2)
2. राह पे तेरी चलना सीखा
   काम को तेरे करना सीखा। (2)

(जकर्याह 4:6)

न बल से, न शक्ति से परन्तु प्रभु के आत्मा के द्वारा हो जाएगा।

(294)

जाम लहू का पीकर
अजब सा नशा हो गया है। (2)

1. अन्धेरा जैसे छट-सा गया है
   सुकून से दिल मेरा भर-सा गया है।(2)
   लहू से तेरे धुलकर
   अजब सा नशा हो गया है।
2. किनारा जैसे मिल-सा गया है
   खुशी से दिल मेरा भर-सा गया है। (2)
   लहू को तेरे पीकर
   अजब सा नशा हो गया है।

(यूहन्ना 6:54)

जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है अनन्त जीवन उसी का है, और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।

(295)

तेरा लहू यीशु मसीहा,
मेरी पनाह हैं.....

1. लहू ही तेरा मेरी शिफा है
   लहू ही तेरा मेरी बका है।
2. लहू में ही तो तेरा नफा है,
   लहू में ही तो मेरी रज़ा है।

(1 यूहन्ना 1:7)

उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

(296)

यहूदा का शेर-ए-बब्बर (2)
वो हैं शेर-ए-बब्बर.....

1. मेम्ना बनके जो आया था,
   मेरे पापों का भार उठाया था।
2. कोड़ों की मार जो खाया था,
   खून को अपने बहाया था।

(प्रकाशितवाक्य 5:5)

मत रो, देख यहूदा के गोत्र का वह सिंह जो दाऊद का मूल है, इस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मुहरें तोड़ने के लिए जयवन्त हुआ है।

(297)

नयी है जिंदगी अब, नहीं रही पुरानी
लहु की स्याही से लिख दी,
यीशु ने मेरी कहानी।

1. लहू से ही मुझको मिली है क्षमा और
   लहू से ही मुझको शिफा है मिली
   नयी है हर खुशी अब
   नहीं रही पुरानी।
   लहु की स्याही से लिख दी
   यीशु ने मेरी कहानी।
2. लहू से ही मुझको मिली है कुदरत,
   लहू से ही मुझको है कुव्वत मिली
   नयी है बंदगी अब,
   नहीं रही पुरानी,
   लहू की स्याही से लिख दी
   यीशु ने मेरी कहानी।

(2 कुरिन्थियो 5:17)

यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई, देखो सब नई हो गई है।

(298)

मेरा जिंदा खुदावन्द, यीशू (4)

1. सच्चाई ही सच्चाई है उसमें
   झूठ की कोई जगह नहीं (2)
   मेरा सच्चा खुदावन्द, यीशू
   मेरा जिंदा खुदावन्द यीशू।
2. भलाई ही भलाई है उसमें
   बुराई की कोई जगह नहीं (2)
   मेरा भला खुदावन्द, यीशू
   मेरा जिंदा खुदावन्द, यीशू

(प्रकाशितवाक्य 1:18)

देख, मैं युगानुयुग जीवता हूँ और मृत्यु और अधोलोक की कुंजिया मेरे ही पास हैं।

(299)

यीशू तू ही तो सहारा है (2)
तेरे बिना न मेरा गुजारा है (2)
यीशू तू ही तो सहारा है (2)

1. निर्बलता में तू मेरा बल है
   निर्धनता में तू मेरा धन है (2)
   तेरे बिना न मेरा गुजारा है (2)
   यीशू तू ही तो सहारा है (2)

(इब्रानियो 13:6)

इसलिए हम निडर होकर कहते हैं, प्रभू मेरा सहायक है, मैं न डरूंगा, मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।

(300)

मेरे दिल को जांच ले,
मेरे मन को जांच ले (2)
दूर कर हर बुरी बात को
मुझको जांच ले।

1. मेरी सोचो को जांच ले
   मेरी बातों को जांच ले (2)
   दूर कर हर.....
2. मेरी देह को जांच ले (2)
   मेरी रूह को जांच ले (2)
   दूर कर हर.....

(भजन संहिता 139:23,24)

हे परमेश्वर, मुझे जांचकर जान ले, मुझे परखकर मेरी चिन्ताओं को जान ले। और देख कि मुझमें कोई बुरी चाल है कि नहीं और अनन्त के मार्ग में मेरी अगुवाई करें।

अनुक्रमणिका

Part IV : ENGLISH & HINDI CHORUSES

गीत	गीत नं.
आ	
आओ स्तुति करें	35
क	
करते हैं हम तेरी स्तुति	11
ख	
खुशी-खुशी मनाओ	5
च	
चाहें तुम को दिल से	37
त	
तेरी इच्छा	9
तेरे छूने से	
तेरे पास	39
प	
प्रभु मेरा जीवन	1
प्रेम निधान	3
म	
मैं खुश हूँ	38
मेरे यीशु	34
यीशु की जय जय	40
यीशु के पीछे	10
यीशु मसीह तेरे	36
यीशु मेरा हाथ	8
रत्तम जयम	7
स	
स्तुति आराधना	4
स्तुति करूँगा	6
सामर्थ देने वाले	2

Song	Song No.
A	
Alive, alive, alive forever more	16
C	
Celebrate, celebrate	17
F	
Father I adore you	21
G	
Give me oil in my lamp	32
Give thanks	19
H	
He is the same	15
He is lord	25
Hosanna	18
I	
I have decided	31
I will enter in his gates	28
It's bubbling	29
In the name of Jesus	27
M	
Making melody	13
Rejoice in the lord	24
Rolled away	12
S	
Seek ye first	30
T	
The joy of the lord	26
There is power	14
Thy loving kindness	22
W	
What a mighty God	20
We bring sacrifice	23
We have come into	33

Part IV : ENGLISH & HINDI CHORUSES

(1)

प्रभु मेरा जीवन तूने कितने,
आशीषों से भरा
इसलिए मैं कहता हूँ, प्रभु से प्यार है।
इसलिए मैं कहता हूँ प्रभु से
प्यार है मुझे
और उठाऊँ ऊँचा तेरा नाम सदा

(2)

सामर्थ देने वाले प्रभु यीशु को
कोटि कोटि धन्यवाद
यीशु जिन्दा है वो आने वाला है
हाल्लेलुयाह(2) गायेंगे

1. चंगा करने वाले प्रभु यीशु को....
2. आनन्द देने वाले प्रभु यीशु को....
3. शान्ति देने वाले प्रभु यीशु को....

(3)

को.: प्रेम निधान सुकृपा कीजे,
दरशन हे प्रभु हम को दीजे।

1. हम अति पापी तन अरू मन से,
   हे प्रभु पाप क्षमा अब कीजे।
2. सेवक हम हर भांति निकम्मे,
   बल बुद्धि देकर सेवा लीजे।
3. यह भवसागर में नित शंका,
   प्रतिदिन सेवक रक्षा कीजे।

(4)

स्तुति आराधना ऊपर जाती है
आशीषें देखो नीचे आती है
प्रभु हमारा कितना महान
देखो हमसे करता है प्यार (2)
हालेलू, हालेलूय्याह (2)

(5)

खुशी खुशी मनाओ
खुशी खुशी मनाओ
बोलो, बोलो
मसीह की जय, जय, जय
मेरे लिए आया, मेरे लिए जीया,
मेरे लिए यीशु ने दु:ख उठाया
मेरे लिए मारा गया मेरे लिए गाड़ा गया
मेरे लिए फिर जी उठा, मेरा है मसीह
मैं मसीह का हूँ, हम मसीह के हैं। खुशी....

(6)

स्तुति करूँगा मैं प्यारे मसीह
हाथ अपने उठाकर सदा

1. सेवा करूँगा मैं प्यारे मसीह
   हाथ अपने उठाकर सदा
2. नगमें गाऊँगा मैं प्यारे मसीह
   हाथ अपने उठाकर सदा
3. तारीफ करूँगा मैं प्यारे मसीह
   हाथ अपने उठाकर सदा

(7)

रक्तम जयम - रक्तम जयम,
रक्तम जयम (3)

1. यीशु मेरा चरवाहा है (2)
   यीशु मेरा चरवाहा है,
   बोलो हैं न...हाँ, रक्तम जयम...

2. जीवन की रोटी यीशु ही है...
3. जीवन का जल यीशु ही है...
4. मेरा आनन्द यीशु ही है...
5. आयेगा लेने मुझको मसीह...

(8)

1. **यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा (2)**
   बड़ी आन्धी आने से
   बड़ा तूफान आने से
   मैं भी उसका हाथ न छोडूंगा।
2. मैं भी उसका हाथ न छोडूँगा
   बड़ी आन्धी आने से
   बड़ा तूफान आने से
   मैं भी उसका हाथ न छोडूंगा।
3. मेरा दिया जलता रहेगा
   बड़ी आन्धी आने से.....
   मेरा दिया जलता रहेगा

(9)

तेरी इच्छा पूरी हो जाये,
हाथों में तेरे जीवन यह है
मैं मिट्टी हूँ, तू है कुम्हार,
मुझको उठा, मुझको बना।

1. अपनी मर्ज़ी पर मैं चलता रहा,
   तुझको कभी अपना न कहा
   लेकिन प्रभु आज से मैं,
   तेरे क्रूस को ले लेता हूँ।
2. मुश्किलों के सागर में,
   नैय्या मेरी डूब रही
   खेवनहार यीशु तू है, आता हूँ मैं
   तेरे चरणों में।
3. जीवन मेरा तुम ही तो हो,
   साथी मेरा तुम ही बनो
   मेरा आधार, मेरी चट्टान, तुम ही तो थे,
   तुम ही रहो।

(10)

यीशु के पीछे मैं चलने लगा (3)
न लौटूंगा, न लौटूंगा।

1. गर कोई मेरे साथ न आवे (3)
   न लौटूंगा, न लौटूंगा।
2. संसार को छोड़कर,
   सलीब को लेकर (3)
   न लौटूंगा, न लौटूंगा।
3. अगर मैं उसका इन्कार न करूँ (3)
   ताज पाऊंगा ताज पाऊंगा।

(11)

करते हैं हम तेरी स्तुति,
हृदय कि गहराईयों से
यीशु तू ही है तू ही है
हमारा प्रभु (2)
महिमा हो तेरी (4)
आत्मा और सच्चाई से
तेरी आराधना करें
ऊँचा और ऊँचा
सबसे ऊँचा रहे तेरा नाम

(12)

Rolled away (3)
Every burden of my heart
rolled away.
Every sin has to go
Neath the cleansing flow,
Hallelujah
Rolled away (3)
Every burden of my heart
rolled away.
हट गया, हट गया, हट गया
मेरे सब-गुनाह का बोझ हट गया
सब गुनाह मिटते हैं खून के चश्मे से
हल्लेलुय्याह धुल गया, मिट गया, हट गया,
मेरे सब गुनाह का बोझ हट गया।
धन्यवाद (3)

सारी आशीषों के सोते धन्यवाद
सारी आशीषें आती ऊपर से
हाल्लेलुय्याह....धन्यवाद....

(13)

Making melody in your heart (3)
Unto the king of kings
Worship and adore Him (2)
making melody...
King of kings and lord of lords (3)
glorify His name.
दिल से गाते बजाते रहो (3)
खुदावन्द यीशु के लिए
गाओ उसकी सन्ना (2)
वो ही है राजा और प्रभु (3)
महिमा उसकी हो

(14)

There is power power wonder
working power
In the blood of the Lamb,
There is power, power, wonder
working power
In the precious blood of the
Lamb, (Healing...)
There is healing.....
There is victory.....
शक्ति है, अद्‌भुत शक्ति है
लहू में (2)
शक्ति है, है अद्‌भुत शक्ति है
यीशू के लहू में है।
शिफा है.....विजय है.....

(15)

He is the same
unchanging Jesus.
Unchanging Jesus,
Unchanging Jesus.
He is the same
unchanging Jesus,
Through eternity.
Hallelujah Amen.
यीशु मसीह नहीं बदलता
नहीं बदलता (2)
यीशु मसीह नहीं बदलता
एक सा है सदा
हाल्लेलुया....(7)

(16)

Alive, alive, alive forever more
my Jesus is alive,
alive forever more
Alive, alive, alive forever more
My Jesus is alive
Sing hallelujah (2)
my Jesus is alive.
जीवित, जीवित वो सदा जीवित है
मेरा यीशु जीवित है
वो सदा जीवित है (2)
गाओ हालेल्लुय्याह (2)
मेरा यीशु सदा जीवित है।

(17)

Celebrate, celebrate
Celebrate the victory of the Lord (2)
He has done mighty things
Yet again (3)
Celebrate the victory of the Lord.
मनाओ, मनाओ
उसकी जय हमेशा मनाओ (2)
उसने बड़े बड़े काम किए (3)
उसकी जय हमेशा मनाओ।

(18)

Hosanna, Hosanna, Hosanna in
the highest.
Lord we lift up your name
with a health full of praise
Be exalted, O Lord our God
Hosanna in the highest.
Glory, glory, glory to the
King of kings.....
Jesus, Jesus, Jesus in the
Prince of peace....
होशान्ना (2)
आसमानों के आसमान में (2)
लेते हम तेरा ही नाम, गाते हैं तेरे गुणगान
गूंजे दुनियाँ में तेरा ही नाम
होता जैसा आसमान में
महिमा (2) हे राजाओं के राजा...
यीशु (2) जग के उद्धारक यीशु...

(19)

Give Thanks
with a grateful heart
Give thanks to the Holy one
Give thanks because
he has given
Jesus Chrst his son (2)
And Now let the weak say
I am strong
Let the poor say I am rich
Because of what the Lord has
done for us (2)
Give thanks.
धन्यवाद आभारी दिल से दो
धन्यवाद उसको जो पवित्र है
धन्यवाद क्योंकि वो दिया यीशु ख्रीष्ट
अपना पुत्र (2)
और अब कहे कमजोर मैं बलवान
कहे गरीब मैं धनवान
उसके कारण जो उसने किया हमारे लिए (2)
दो धन्यवाद।

(20)

What a might God we serve (2)
Let us sing and praise the Lord...
Let us clap and praise the Lord...
Let us shout and praise the Lord...
Let us dance and praise the Lord...
Let us jump and praise the Lord....
क्या ही महान परमेश्वर है (3)
जिसकी सेवा करते हम
उसकी स्तुति हम करें
आओ झूमे नाचे गाएँ हम

(21)

1. Father I adore You
   lay my life before
   You how I love you.
2. Jesus I adore You...
3. Spirit I adore You...

1. पिता तेरी आराधना हो
   जीवन तुझको सौंपता हूँ
   खुदावन्द यीशु के लिए
2. यीशु तेरी आराधना हो...
3. आत्मा तेरी आराधना हो...

(22)

Thy loving kindness, is better
than life (2)
My lips shall praise Thee,
This will I bless Thee
Thy loving kindness,
is better than life.
I lift my hands up unto my name (2)
My lips shall praise Thee,
Thus I will bless Thee,
Thy loving kindness, is better than life.
जीवन से भी उत्तम तेरी करुणा (2)
होठों से स्तुति करूंगा सर्वदा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊंगा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊंगा
होठों से स्तुति करूंगा सर्वदा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊंगा
है शफ़कत तेरी जिन्दगी से बेहतर (2)
होठों से तारीफ मुबारक गाऊंगा
यीशु नाम से मैं हाथ उठाऊंगा (3)

(23)

We bring sacrifice of praise
Unto the house of the Lord (2)
And we offer unto you
The sacrifices of thanksgiving
And we offer unto you
The sacrifices of praise.
तारिफ की कुर्बानी हम
प्रभु के घर में लाते हैं (2)
और हम तुझे चढ़ाते हैं
धन्यवादों की भेंट अपनी (2)

(24)

Rejoice in the Lord always
And again I say rejoice
Rejoice (2)
And again I say rejoice.
प्रभु में सदा आनन्दित रहों
मैं फिर कहता हूँ आनन्दित रहो
आनन्दित रहो (2)
मैं फिर कहता हूँ आनन्दित रहो

(25)

He is Lord (2)
He has risen from the dead and
He is Lord
every knee shall bow,
every tongue confess
that Jesus Christ is lord.
प्रभु है (2) मुर्दों से जी उठकर
यीशु प्रभु है
हर एक घुटना टिकेगा,
हर एक जीभ ये मानेंगी
कि यीशु ही प्रभु है।

(26)

1. The joy of the lord is my strength(4)
2. He gives me living water and I thirst no more (4)
3. He is a loving father and He cares for me (4)

1. यहोवा का आनन्द मेरा बल है (4)
2. वो देता मुझको जीवन जल मैं प्यासा न हूँगा (4)
3. वो मेरा प्रेमी पिता मेरा ख्याल करता(4)

(27)

In the name of Jesus, (2)
We have the victory,
In the name of Jesus (2)
Satan will have to flee !
When we stand in the
Name of Jesus,
Tell me who can stand before,
In the mighty name of Jesus
We have the victory.
यीशु के नाम में (2)
मिलती है हमको जय
यीशु के नाम में (2)
शैतान दूर भागता है
जब हम यीशु के नाम से खड़े हो
सामना कौन कर सकता है ?
यीशु के शक्तिशाली नाम से
मिलती है हमको जय।

(28)

I will enter His gates
With thanks giving in my heart,
I will enter His courts with praise.
I will say this is the day
That the Lord has made.
I will rejoice for he has mad me glad.
He has made me glad (2)
I will rejoice for he has made me glad.
उसके फाटकों में प्रवेश करूंगा
धन्यवाद के साथ
उसके आंगनों में स्तुति करूंगा,
और कहूंगा यह दिन यहोवा ने बनाया,
मैं खुश हुआ कि आनन्दित किया
आनन्दित किया... (2)

(29)

It's bubbling, It's bubbling
It's bubbling in my soul
I am singing, I am dancing
For Jesus made me whole
No folks can understand me
How can I keep it quiet
It's bubbling, bubbling, bubbling
Bubbling, bubbling
day and night.
वो छलके, वो छलके मेरी आत्मा में छलके
मैं नाचूँ, मैं गाऊँ, यीशु ने मुझे बचाया
कोई समझे या न समझे मैं कैसे चुप रहूं
वो छलके, छलके (4) दिन और रात

(30)

Seek ye first the
Kingdom of God
And His righteousness,
And all these things
Shall be added unto you
Hallelu-Hallelujah
Hallelujah, Hallelujah
Hallelujah, Hallelu-Hallelujah.
Ask and it shall be
given unto you,
Seek and you shall find,
Knock and the door shall be
Opened unto you,
Hallelu-Hallelujah.
Man shall not
live by bread alone,
But by every word,
That proceeds from the
mouth of God
Hallelu-Hallelujah
पहले तुम ढूँढो ईश्वर का राज्य
और उसकी धार्मिकता
तब सारी चीजें तुम्हें मिलेंगी
हालेलु-हाल्लेलुय्याह
हाल्लेलुय्याह (3)
हालेलु-हाल्लेलुय्याह
मांगो तो तुमको दिया जाएगा
ढूंढो तो पाओगे
द्वार खट खटाओगे तो खोला जाएगा
हालेलु-हाल्लेलुय्याह...
सिर्फ रोटी से कोई जीयेगा नहीं
पर हर एक शब्द से जो
परमेश्वर ही के मुँह से आता है
हालेलु-हाल्लेलुय्याह...

(31)

I have decided to follow Jesus (3)
No turning back,
No turning back.
The world behind me,
The cross before me...
Though no one joins me,
still I will follow...
You take the whole world,
but give me Jesus
यीशु के पीछे मैं चलने लगा (3)
न लौटूंगा (2)
गर कोई मेरे साथ न आवे (3)...
न लौटूंगा, न लौटूंगा।
संसार को छोड़कर सलीब को लेकर (3)
न लौटूंगा, न लौटूंगा।
इन्कार करना मैं दुनियादारी (2)
पाऊँगा ताज (2)

(32)

Give me oil in my lamp,
Keep me burning
Give me oil in my lamp,
I pray - Hallelujah
Give me oil in my lamp,
Keep me burning
Keep me burning till the
break of day.
Sing Hosanna, Sing Hosanna,
Sing Hosanna, to the
King of Kings;
Sing Hosanna, Sing Hosanna,
Sing Hosanna, to the
King of Kings.
Give me peace in my heart,
Keep me resting
Give me joy in my heart,
Keep me praising....
Give me love in my heart,
Keep me serving...
मेरी बत्ती में तेल दे दे प्रभु
मेरी बत्ती में तेल तू दे, हाल्लेलुय्याह
मेरी बत्ती में तेल दे दे प्रभु
तेरे आने तक मैं दूँ ज्योति
गाओ सन्ना (3) राजा यीशु की,
गाओ सन्ना (3) राजा यीशु की
दिल में शान्ति दे आराम पाऊँ...
दिल में खुशी दे, स्तुति गाऊ...
दिल में प्रेम दे, सेवा करूँ...

(33)

We have come into His house,
To call upon His name
And worship Him (2)
We have come into His house,

To call upon His name and
Worship Christ the Lord,
Worship Him,
Jesus Christ the Lord.
Just forget about yourself
and concentrate on Him...
He is all my righteousness,
I stand complete in Him...
So let's, lift our holy hands
and magnify His name...

1. जमा हुए हैं यहाँ कि करें
   हम स्तुति आराधना (3) यीशु की
   आओ आराधना करें खिष्ट यीशु की
2. आओ भूलकर अपने को
   सुन्दरता में जो जायें यीशु (2)
   आओ भूलकर अपने को,
   सुन्दरता में खो जायें प्रेमी यीशु की
   आओ आराधना करें खिष्ट यीशु की
3. उठाकर पवित्र हाथों को
   स्तुति प्रशंसा आराधना करें (2)
   उठाकर पवित्र हाथों को
   स्तुति प्रशंसा आराधना करें। आओ...
4. वो है हमारी धार्मिकता
   उसमें हमने पाई पूरी पूर्णता (2)
   वो है हमारी धार्मिकता
   उसमें हमने पाई परमेश्वर की पूर्णता।
   आओ....

(34)

Holy Holy Holy Lord God of mighty
Yo uare worthy so worthy,
To receive all the glory, honour,
My Jesus, Jesus (2) Yeshua.
तेरे भवन में.....शुक्रिया।
मेरे यीशु, यीशु (2) यीशु (4)
मेरे यीशु, यीशु, यीशु (2)
तेरे भवन में आया हूँ,
भेंट और अर्पण लाया हूँ (2)
जो भी है तूने दिया,
करता हूँ तेरा शुक्रिया (2)
तू ही है मेरा सृजनहार,
तेरी पावन दया से बसा है जहां।
तू पवित्र है प्रभु, तू है महान,
तेरी स्तुति गरिमा करे बार-बार।

(35)

आओ स्तुति करे, राज पुरोहितो,
उसे सराहे, पवित्र सेवकों,
राजा यीशु की करें आराधना,
वो कितना मूल्यवान, महिमा का प्रभु।
हाल्लिलुयाह.....2

आओ सेवा करे, राज पुरोहितो,
उसे निहारो, पवित्र सेवकों,
राजा यीशु की करे आराधना,
वो कितना मूल्यवान, महिमा का प्रभु।
हाल्लिलुयाह.....2

(36)

यीशु मसीह तेरे जैसा है कोई नहीं,
तेरे कदमों में झुके आसमान,
और महिमा गाएँ सभी।
हम गाए हो सन्ना, तू राजाओं का है राजा,
तेरी महिमा होवे सदा,
तू है प्रभु हमारा पिता।

प्यारे पिता तूने हमसे इतना प्यार किया,
हमें पापों से छुड़ाने को,
अपने बेटे को कुरबान किया।
हम गए.....पिता।

(37)

His name is above all name
His name is Jesus
There is power in his name
His name is Jesus
His name is Jesus (4) (High)
His name is Jesus (4) (Low)
His name is Jesus (4) (High)
His name is Jesus (4) (Low)
चाहे तुमको दिल से, गाए ये गीत मिलके (2)
तेरे नाम यीशु नाम की जय। (2)
जिस नाम में है जिंदगी, वो नाम है यीशु मसीह
जिस नाम में है बंदगी, वो नाम है यीशु मसीह
यीशु नाम (6) की जय (2)

यीशु नाम में मिलती है क्षमा,
यीशु नाम में मिलती है शिफा,
यीशु नाम में मिलती है कृपा,
यीशु नाम में कर आराधना,
यीशु नाम (4)
यीशु नाम (6) की जय (2)

(38)

Free, Free, Free Jesus sat me free (3)
Singing Glory Hallelujhah.
मैं खुश हूँ छुड़ाया यीशु ने (3)
गाओ महिमा हालेलुय्याह।
शैतान ने बाँधा था, छुड़ाया यीशु ने (3)
गाओ महिमा हालेलुय्याह।

(39)

तेरे पास आता हूँ, यीशु तेरे पास (2)
हर पल मेरी हर साँस,
तेरी स्तुति करते रहें (2)
हर दिन मेरी हर बात,
मेरी महिमा गाती रहे। (2)
यीशु आ.....आ।। (4)

(40)

यीशु की जय जय बोलो (6)

1. शांति, मुक्ति हमें देने आया (2)
   दु:ख और कज खुद लेने आया (2)
   हालेलुय्या आमीन। (3)
2. आओ प्यारो उसे अपनाओ (2)
   अपना बोझ उसे दिए जाओ (2)
   हालेलुय्या आमीन (3)
   आ.....। आ.....।